GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

GELC ARCHIVE

Signature: **GELC-A _ 001 _ 0462**

Classification:

Original File No. 3

Title

Gumla Ilaka

Volume:

Running **from year: 1930** **till year: 1948**

Content:

- Papers relating to Purchase of cad at Gumla.
- Various Letters Comanding Rev. Daud Kujur and Julus Tigga.

340

1930-48

1930-48

THE

File No.	Name and Address	Subject	
3	Gumla Ilaka	Congregational	Year 1930 From April To Reference

F 55

Dear Mr. Stevens,

your letter dat. 8.XI. gives no answer to our letter of the 3.XI. You wrote us, that the booklet should not be sold now to the public. According to this we keep the booklets in our room and do not sell them. But you write „some people bought it already.." Who is selling the booklet? How is it possible that people are buying them? We asked Headprachanika, not to do it so long as we have no answer from the C.C.

No, we cannot understand that the word „dubana" does shock the people at Ranchi. Our old missionaries have translated and taught in the same way. These are Dr. M. Sülkes words. Even our small Catechism, Baptism-Sacrament, fourth part brings this wording. Why ~~do~~ these same people do not complain to the wording „dubana" in the small Catechism?

The small booklet teaches clearly, that the outward sign is nothing and it is not necessary to immerse. The chief thing is, what does mean „dubana".

Why are you afraid of the public? Only half hearted Christians can misunderstand the wording, because they do not study the whole booklet in the right spirit. You write, that „they will twist the wording of this booklet to their advantage." Well, this they are already doing with God's own Words of the Bibel. Who can ever hinder such people, who have a false spirit and who are teaching false

doctrines? This is no reason to stop us from selling the booklets. We took permission for printing and we got permission.

All those people who are afraid of the immersionist at Randsi and who do not like the word „dubana" are themselves „immersionists", because they want to „immerse" the truth, which Dr. Martin Luther teaches.

Yisu Sahay!

Yours sincerely,

H. Schmidt, H. Diller

Burju 14. XI. 48.

LIST OF FILES

1. Vice-Chairman D.B.Ranchi ...1-SH.
2. District Inspector of Schools, Ranchi ...2-HS
3. Deputy Inspector of Schools, Ranchi. ...3-SH.
4. Deputy Inspector of Schools, Ranchi-Sadar. ...4-SH.
5. Deputy Inspector of Schools, Khunti. ...5-SH.
6. Deputy Inspector of Schools, Gumla. ...6-SH.
7. Deputy Inspector of Schools, Simdega. ...7-SH.
8. SubInspector of School Sadar West Circle, Nagri ...8-SH.
9. S.I.S. Tamar. ...9-SH.
10. S.I.S. Khunti. ...10-SH.
11. S.I.S. Lohardaga. ...11-SH.
12. S.I.S. Mandar. ...12-SH.
13. S.I.S Sesai. ...13-SH.
14. S.I.S. Gumla. ...14-SH.
15. S.I.S. Chainpur. ...15-SH.
16. S.I.S. Ghagra. ...16-SH.
17. S.I.S. Simdega. ...17-SH.
18. S.I.S. Kolebira. ...18-SH.
19. S.I.S. Basia. ...19-SH.
20. S.I.S. Bano. ...20-SH.
21. S.I.S Kinkel. ...21-SH.

22. Middle Scho, Lohardaga ...22-SH.
23. Middle School, Amless. ...23-SH.
24. Middle School, Burju. ...24-SH.
25. " " , Govindpur. ...25-SH.
26. " " , Gumla ...26-SH.
27. " " , Chainpur, ...27-SH.
28. " " , Kondra. ...28-SH.
29. " " , Chirodanr. ...29-SH.
30. " " , Takarma. ...30-SH.
31. " " , Khutitoli. ...31-SH.
32. " " , Koronjo. ...32-SH.
33. " " , Kinkel. ...33-SH.
34. " " , Karcha. ...34-SH.
35. " " , Tokar. ...35-SH.

36. District Superintendent of Education, Ranchi ...36-SH.

37. ...37-SH.
38. ...38-SH.

39. CORR. With All Middle Schools. ...39-SH.
40. Corr. With All ~~xxxxxx~~ U.P. Schools, under Burju. Synod. ..40-SH.
41. Corr. With All ~~xxxxxx~~ U.P. Schools, Under Govindpur ...41-SH.
42. Corr. With UP. Schools, Under Lohardaga Synod ....42-SH.
43. Corr. With U.P. Schools, Under Western Synod ...43-SH.
44. Corr. With U.P. Schoosl, Under Takarma Synod ...44-SH
45. Corr. With U.P. Schools, Under Khutitoli Synod ...45-SH.
46. Corr. With U.P. Schools, Under Koronjo Synod ...46-SH.
47. Corr. With U.P. Schools, Under Kinkel Synod, ...47-SH.
48. Corr. With All L.P. & U.P. Schools, ...48-SH.
49. Corr. With all L.P. Schools, Under Burju Synod. 49-SH.
50. Corr. With All L.P. School, Under Govindpur Synod ...50-SH.
51. Corr. With L.P. Schools, Under Lohardaga Synod ...51-SH.
52. Corr. With L.P. Schools, Under Wester Synod ...52-SH.
53. Corr. With L.P. Schools, Under Takarma Synod. ...53-SH
54. Corr. With L.P. Schools Under Khutitoli Synod ...54-SH.
55. Corr. With L.P. Schools, Under Koronjo Synod ...55-SH
56. Corr. With L.P. Schools, Under Kinkel Synod 56-HS
~~57. xxxxxxxxxxxxxxxxxxxx xxxxx~~
57. Corr With All Synod President & Supervisors of Primary Schools, ...57-HS.
58. Transfer & Posting of Teachers ...58-HS.
59. List of Teachers & Qualifications. ...59-HS.
60. List of Schools. ...60-HS.
61. Certificates of Teachers ...61-SH.
62. Annual & Quarterly Reports of Schools, ...62-HS.
63.
64.
65.
66.
67.
68.

LIST OF FILES

1. Vice-Chairman D.B. Ranchi 1.SH.54.
2. District Inspector of Schools, Ranchi....
3.
4.
5.
6.
7.
8.
9.
10.
11.
12.
13.
14.
15.
16.
17.
18.
19.
20.
21.
22.
23.
24.
25.
26.
27.
28.
29.
30.
31.
32.
33.
34.
35.
36.
37.
38.
39.
40.
41.
42.
43.
44.
45.
46.

Bible Women

P 55

प्रचारिकाओं के काम का रिपोर्ट ।

जुलाई ।१९५१ ई०

1. मरियम कीन्डर टोकाद --- टोकाद प्रचारकपन की टोलियों में काम किईं। खेतों में अधिक काम होने के कारण टोलियों में कम बहिनें मिलती हैं। इन दिनों में बीमारियां भी टोलों में फैली हुई है। प्रचारिका बीमारों और संसारों के पास भी जाकर ईश्वर का बचन सुनाती है।

तलब -- C.C. से मार्च, अप्रैल, मई, जून -- चार महीने का तलब नहीं पाई है।

2. नैमी समद खुटीटोली --- खुटीटोली प्रचारकपन की टोलियों में काम किईं। प्रतिदिन जिन टोलों में प्रचारिका गईं बहिनें ईश्वर का बचन सुनने के लिये जमा हुईं।

1ला जुलाई को पूरा इलाका की त्रैमासिक महीला सम्मेलन बैठकी हुई थी जिसमें 74 बहिनें उपस्थित थीं और सम्मेलन का काम इलाका पादरियों के द्वारा चलाया गया। खुटीटोली इलाका की बहिनों का संगठन ठीक है।

तलब --- मई महीने तक का तलब पा चुकी।

3. राहिल मिंज किंकेल --- किंकेल पेरिश की 9 मण्डलियों में दौरा किईं। दौरे में बहिनें हर मण्डली में जमा हुईं। प्रचारिका को इस दौरे में बचन प्रचारने में रोकटोक नहीं हुई। पेरिश की मण्डलियों में सण्डे स्कूल भी होता है। प्रचारिका एक बालक को संकेती बपतिस्मा भी दिई, यह बहुत हर्ष की बात है।

तलब -- मई महीने तक का पाई है।

4. प्यारी सोरेंग खुटीटोली -- सिमडेगा प्रचारकपन में काम किईं। बहिनें जैसा चाहिये इन दिनों में काम के चलते जमा नहीं हुईं। जहां प्रचारिका गईं थोड़े बहिनों को ~~सब~~ भी ईश्वर का बचन सुनाईं।

तलब -- C.C. से मई महीने तक का पा चुकी।

5. शिलवन्ती कुजूर कोरोंजो --- कोरोंजो प्रचारकपन में काम किईं।

कोरोंजो इलाका में भी बहिनों का सम्मेलन बैठकी हुई। अबतक वहां का संगठन ठीक नहीं है। जैसा चाहिये काम नहीं हुआ।

तलाब — फरवरी महीने से तलब नहीं पाई है। बहुत तक्लीफ़ में है।

6, सूर्य्यमुखी साल पुरुलिया — अपना काम पत्र अब तक जुलाई महीने का नहीं भेजी है।
जून महीने में वह पुरुलिया प्रचारकपन में काम किई अब तक प्रचारिका प्रचारकपन में केवल काम किई है।

7, मरियम सोयनी गोविन्दपुर — अपना काम पत्र नहीं भेजी है।
8, अलिसा सुरिन टकरमा — कई महीनों से अपना काम पत्र नहीं भेजी हैं।

आप की बिश्वस्त
S. Horo
Hd. Pracharika.
1. 8. 49.

प्रचारिकाओं के काम का रिपोर्ट
जून 1949 ई०।

1. मरियम कन्डिर टोंकाद — टोंकाद प्रचारकपन में काम किईं प्रचारिका प्रतिदिन अपना काम बिश्वस्तता से करती हैं। बीमारियों की सुधि लेती हैं। संसारियों को भी ईश्वर का बचन सुनाती है। जौभी काम का दिन है तौभी प्रचारिका के पहुंचने से जो बहिन घर में रहती हैं वह ईश्वर का बचन सुनती हैं।

तलब — प्रचारिका को अब तक मार्च, अप्रेल, जून महीने का तलब C.C. से नहीं मिला है।

2. मैरी समद खुटीटोली — सरईपानी और बिरकेरा मण्डली में दौरा किईं और तीन हप्ता खुटीटोली प्रचारकपन की टोलियों में काम किईं। सरईपानी और बिरकेरा मण्डली के कोई २ टोली में केवल टोला समाज होता है, इतवार समाज भी गिरी हुई है। खुटीटोली में समाज होता है पर अधिक बहिनें समाज में भागी नहीं होती हैं।

तलब — मई, जून का नहीं मिला है।

3 शिलवन्ती कुजू कोरोंजो — कोरोंजो प्रचारकपन को छोड़ और दो मण्डली में काम किईं। कोरोंजो इलाका में बहिनों का समाज ठीक नहीं चलता है। प्रचारिका को व्याकुल मन से काम करना है।

तलब — फरवरी महीने से नहीं पाई हैं।

4. मरियम तोपनो गोबिन्दपुर — गोबिन्दपुर प्रचारकपन में केवल काम किईं। गोबिन्दपुर इलाका का समाज भी जो बहिनों के बीच में होना चाहिये ठीक नहीं चलता है। पर हां पहले से कुछ उन्नति करते जा रही है। प्रचारिका को

~~तलब~~ — अधिक काम करना चाहिये।

5. रहिल मिंज किकेल — किकेल प्रचारकपन में काम किई। प्रतिदिन वह हर टोली में ईश्वर का वचन सुनाई। पर कितने टोली में प्रचारिका के पहुंचने से भी काम समाज नहीं हुआ, बहिनें खेतों में निकल गईं। एक गांव में तो बहिनें थीं पर ईश्वर का वचन सुनने नहीं आईं। किकेल इलाका का आत्मिक जीवन गिरी हुई है। किकेल में सन्डे स्कूल भी नहीं चलता है।

तलब — केवल मार्च महीने तक का पाई है।

6. प्यारी सोरेंग खुटीटोली — एक हफ्ता चेयरमेन से छुट्टी लेकर अपना घर गई थी, बाकी दिन सिमडेगा प्रचारकपन में काम किई। सिमडेगा की बहिनों का आत्मिक जीवन बहुत कुछ सुधर गया है। सिमडेगा प्रचारकपन के कितने टोलों में बोला समाज भी होता है।

तलब — कई महीनों तक का तलब पा चुकी।

7+8, सूर्यमुखी लाल कुरलिमा — अपना काम पत्र नहीं भेजी हैं।

अलिसा सुरिन टकरमा — कई महीने से कोई रिपोर्ट नहीं भेजती है। चेयरमैन को लिखा गया वे भी कोई जवाब नहीं दिये हैं।

टिप्पणी:— प्रचारिकाओं के तलब विषय कि सुसमय में मिले, कृपा C.C. कोई उपाय करने की बड़ी मिहरबानी करें। वे बहुत ही तकलीफ़ में हैं।

आप की विश्वस्त
S. भगत
Hd. Pracharika.
23.7.49.

Pracharika file
C D Sinha
Siemlang?
27/7/49

3

File

2719/41/F- 3. 29. 11. 1.

To,

Johan Bage, Chaukidar.
Gumla Hata
C/O The Ilaka Chariman,
G.-.L.Church, Gumla.

Johan Bage ko yisusahay.

Ap ke darkhast tarikh 12.11.1941 par C. C. Karjkarini ne 26.11.1941 ko bichar kiya aur phaisla kiya ki Re. 1/- ki bridhi di jawe. Ap ko December 1941 se Rs. 4/- p. m. kar ke milega.

Age shubh,

Ap ka bishwast,

J. O. Ligâ

Secretary.

Memo No. 2720/41. Dated, the 29th November, 1941.

Copy to the Treasurer, C. C. for information and guidance.

J. O. Ligâ

Secretary.

File

20 (b) 3

गुमला ता: १२-११-१९४१-

महाशय।

श्रीयुक्त मान्यवार प्रेसीडेण्ट साहेब को यीशु सहाय।

आगे धर्म्म पिता से मेरी अर्ज पूर्वक निवेदन यह है। कि आप की ओर से मेरे लिये ३) रुपैया महवारी देते हैं। जिससे मेरे लिये खर्च नहीं पूरती है। इस लिये हजूर से मेरी अर्जी है कि कृपा कर और कुछ बढ़ा दीजिये मेरी अर्ज निवेदन यही है। कारण कि इन साल से सब चीज बहुत मंहगी है।।

आप का विश्वस्त सेवक।

योहन बागे गुमला हत्ता
बंगला चौकीदार।

कातिब— फिलिप मिंज
प्रचारक गुमला।

Sab chij mahangi hai
isliye Rs 3/- men ek mahina
ka kharcha nahin purega.
Johan Bage bunglow chaukidar
ka darkhast wajib hai.

K. Mhalba.
Gumla, 12.11.41.

28-7-41. letter sent asking him a report on it.

CC File 3 12

Gumla
8.7.41.

Manyawar Secretary ko mera Yisusahay.

Apki chitthi No. 1450/41/F.3 ke jabab men —
Main ne Dukha Uraon Kolda ko apne pas bulaya aur sab bayan puchha. Uska bayan aisa hai —

Dukha Uraon Kolda, chait mahina men, Sukhi Uraon Gamkharia aur Ghatla Uraon Budhikona ke sath Sarhapani Kusumtal gaya tha aur Sukhi Uraon ke sala Abraham ke ghar men dera kiya. Pahile us gaon ke Banthlu burha aur Sandhiya burha ke sath bat chit kiye. Tab Munika ki man Pyari budhiya ke bulane par uske ghar gaye wahan par sabhon ko khan pan diya gaya aur daru bhi lake piye tab Kanya dam aur jo len den tha so liya aur diya gaya. Kanyadam — Rs 20/ Panch kharcha Rs 5/- darupine ke liye Re 1/- Man + beti ke kapra ke liye Rs 2/12/- Fees ke nam se Rs 4/- liya gaya jisko Dukha Uraon ne diya. Yah batki somar ko hui thi. Biphe ko Dukha Uraon apne sathiyon ke sath Kolda laut aya. Usne Sarhapani Kusumtal men huwa tha so sab bat Kolda pracharakpan ki pracharak Jusaph Kujur ko batlaya aur kaha ki wahan ke log ham se itna 2 rupaiya to liya par Kanya ko nahin lane diye par bole ki christian ho jao aur baptisma leo bachandatt hoga aur bangla sadi hoga tab le jao. Dukha Uraon Kolda men 8 din rahkar wahan ke pracharak Jusaph Kujur ke sath Gamkharia pracharakpan men aye wahan 16 April ko Gumla Parish ki baithki thi Parish meeting khatam hone par Kolda pracharak ne Dukha Uraon ki bat ham logon ko bataya. Ham logon ne achambha kiya ki Jaspur ke christian bhai log ek sansarik jan ke liye ek christian larki ko dete hain. par ham logon ne Dukha ko samjha ke kaha ki agar tum ek christian larki ke sadi karne chahte ho to tum ko pahile Christian hona hoga, Baptisma lena hoga, tab bachandatt aur sadi hoga. tab Kanya ko laoge is ke bina nahin banega, Tab Dukha ne haman se chitthi mangi yah kahkar ki main Jaspur jaunga arthat Sarhapani. Ham logon ne yah sunkar aur jankar ki Dukha ke Christian ho jane par Jaspur ke bhai bahin log larki dene ko raji hain, Is karan ham logon ne usko chitthi dekar bheja jisten wah bachan sikhe aur baptisma lewe. Agar bat aisi hi nahin hai to kyon un christian bhaiyon ne ek sansarik jan ko aise jal men phansaya hai bahut anuchit aur buri bat bhi hai. Dusri ber Dukha Uraon Kolda ke Temba Uraon aur Pasa gaon ke Binyamin ke sath Sarhapani gaya uske sathi log laut gaye aur Dukha Uraon sikhne aur Baptisma lene ke waste wahin rah gaya par usko thik se sikhaya bhi nahin gaya aur Baptisma bhi nahin mila jaubhi wah ek mahina wahan raha. Is ke bad grihasti kam ke wajah se Dukha Uraon Kolda laut aya ate samay kitne striyon ne arthat Munika ki man Pyari aur Prakash ki stri aur Prittam ki stri ne Munika ko Dukha ke

P. T. O.

sath bhej diye tab Dukha usko leke Kolda chala aya, wah churake nahin laya aur barbas karke bhi nahin laya, un striyon ne unse kah diya ki sadi na hone tak stri purush ke aisa nahin parantu alag hi raho Kolda ane par wah larki pracharak ke taraf rahti thi jaisa main ne pracharak ko kaha tha jab usne mujhe bataya ki Dukha & Munika Kolda a gaye hain. Main ne yah bhi puchha ki kyon bina sadi le aya tab bataya gaya ki unhi logon ne bheja is matlab se ki Gumla hi taraph sadi ho jay. Larka se aur larki se bhi jancha gaya aur yahi paya gaya ki unhon ne stri purush ka byawhar nahin kiya hai. Jab Sarhapani taraph kuchh dharpakar hone laga (aisahi malum hota hai) tab Sarhapani se chitthi likhkar aur tin admi bhejkar Munika ko le gaye hain, wah abhi Kolda men nahin hai jane ke pahile mere pas aye the main unko samjha bujha kar aur chitthi sath men dekar bhej diya. Dukha baptisma pane ke liye sikh raha hai. Dukha Uraon ko us kanya ko sadi karne ki ichchha hai jiske liye kanya dam liya gaya hai. Wah usko dusron ke pas bikri karne ke liye kharidne nahin gaya tha aur na kisi dusre matlab se.

Samuel Padri babu ki chitthi ki ye baten galat hain.

1. Gumla Padri ne Dukha Uraon ko chitthi dekar kanya banane bheja ——
Padri Dukha Uraon ko pahile janta bhi nahin tha wah uske mandli ka jan bhi nahin hai to kahe ko wah kanya banane ke liye Padri se chitthi mangega, athwa Padri usko is kam ke liye chitthi dega? Kya kisi Padri ne aisa kiya hai anhoni bat hai?

2. Bhaga le gaya ~~th~~ hai ———— Bayan se aur karkar se malum hai ki bhagake nahin laya aur na churakar laya tha. Padri babu ne thik se janchkar report, C.C. men nahin bheja hai.

3. Wahan ke Christian bhai bahin log landphand karne wale hain aur dharpakar hone par apne bure aur anuchit kamon ko chhipane ke liye aisa batte hain jaisa Padri Samuel Tirki babu likhte hain.

Apka bishwast
K. Mlakra
Gumla
8.7.41.

File

~~True Copy~~ 3

Gumla 17-4-41.

मान्यवर Rev. S. Tirkey को यीशु सहाय।

आप को विदित हो कि गुमला तुलंका के केन्द्र कोलड़ा प्रचारकगन का एक अख्रिस्तान भाई दुखा उराँव जशपुर निचघाट के सरहपानी प्रचारकगन के कुसुमताल में एक ख्रिस्तान लड़की को दुल्हिन बन्दोबस्त किया है। परन्तु अख्रिस्तान होने के कारण से उसके लिये शादी देना नहीं बनता है। उसकी बात गुमला पेरिश बैठकी में पेश किया गया। पंच भाइयों ने फैसला किया कि उसको बपतिस्मा दिया जाय और उस से 50) अंकें पंचास रुपया का कबूलियत लिया जाय। दुखा भाई ने स्वीकार किया कि बपतिस्मा मिले और कबुलियत भी लिखवा लिया जाय। उसके इस प्रतिज्ञा पर पंच भाई सिफारिश करते हैं कि उसके लिये लड़की शादी में दिया जाय। शादी के पहले वह लड़की ~~केन्द्र~~ कोलड़ा के प्रचारक के घर में रहेगी। और जब उसका बपतिस्मा हो जायगा तो पीछे से नियमित शादी किया जायगा। इस लिये इधर से कुछ रोक टोक नहीं है। आप लोग उसके लिये लड़की को शादी में दे सकते हैं।

आपका विश्वस्त

Sd/- K. Mlakra

17-4-41.

Received from Rev. M. Lakra, Gumla through the Secretary, church Council, the following amount for G. E. L. church Pr. fund Contribution:—

	Sal.	own contrib.	Ilaka contrib.	Total
Rev. M. Lakra	40	2-8-0	1-4-0	3-12-0

N. Ley

Treasurer

C. Council.

30-7-41

No. 660

G. E. L. CHURCH
IN
CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Received from ~~MR.~~ Rev. J J P Tiga C C Secretary

the sum of Rupees Twenty only

on account of Thica of Gumla land

through Secy C.C. *for the year 194* .

Rs. 20/—

N. Bij

RANCHI,

The 30—7—*194*1.

Treasurer,
Church Council, Ranchi.

File

3

Gumla.
8.11.41.

Pyare Padri Saheb Ko mera
yisusahay.

ap Ki chitthi No 2095–2101/41.
tarikh. 13.10.41 Ke jabab men

Main ne sammehi Gumla
Ilake men talas Kiya par
is nam ki aur Gotr ki larki
aur uska bap nahin mila

Isse malum hota hai Ki
wah larki mere Ilaki Ki
nahin hai. Sab pracharak-
ganon men puchha gaya.
Par kisi ne nahin batla saka.

age shubh.

apka bishwast
K. Uhalsa

POST CARD

BUY DEFENCE
[SAVI]NGS CERTIFICATES
DE[LIVERY]
9 NOV.41
3 — P.M.
RANCHI

ADDRESS ONLY

GUMLA

Rev. J. J. P. Tiga

Secy. G. E. L. Church.

P.O. Ranchi

Dt. Ranchi.

0c/ 11/3
x 11/3

1450/41/F.3 24. 6. 1

The undermentioned document is forwarded to the Rev. K.M.Lakra, Ilaka Chairman, Gumla, for information, guidance and compliance.

Secretary, 24/6
G.E.L.Church.

Extract from the Minutes of the Full Church Council Meetings held from the 18th. June, 1941.

"Item 1. Letter from Rev. Samuel Tirkey of Jashpur Nichghat :

1.. x x x x

2. Kolda Pracharakpan ka Dukha Oraon : Rev. S.Tirkey ka kahna hai ki Dukha Oraon Gumla ke Padri se chithi lekar Sarhapani gaya aur wahan Munica Lakra d/o Pyari Lakra village Sarhapani Kusumtal ko kanya ka dam Rs.20/-, Gairpanchon ko Rs. 5/-, daru pine ke waste Re 1/- aur larki ke man ko Rs.2/- aur jab Mandli pakregi to sadi fees ke nam se Rs. 4/- deke bhaga le gaya hai.

Phaisla huwa ki Rev. Maghan Lakra se janch kiya jay ki bat kya hai. Church Council men we jaldi report dewen ki Dukha Oraon ne kya sachmuch aisahi kiya jaisa bataya jata hai. Kya Gumla se Padri Maghan Lakra ne is sansarik admi ko sadi aur bachandat ke liye koi chithi dii (Chithi ka nakal C.C.ke pas bheja gaya hai) yadi Dukha ne us larki ko le gaya to kya isi prakar rupaiya adi deke jaisa bataya jata hai ? kya agar usne le gaya hai to usko kahan rakha hai ? Wah larki Dukha hi ke pas hai athwa usne usko kisi dusre ko de diya hai, dam men athwa kisi prakar ka dam kam karke ? Kya Dukha ne yadi larki ko sachmuch men le laya to lake Gumla Padri ke pas report diya hai aur uske sath niyamit riti se sadi hone ka prabandh kar raha hai ? Yadi larki ko is prakar lake wah na sadi karne ki intijam karta hai , na wah ap rakhta baran kisi dusre ke hath bech diya ityadi kiya hai to Gumla Ilaka uske upar kya karraiwai karne chahti hai. Yadi ye baten sach hain to turant Dukha ke upar karrarwai karna hoga aur larki ko uske dusht jal se bachane ki chinta karna hoga. Yah kam Gumla Ilaka Chairman ka hoga jisne usko chithi di thi."

Memo No. 1451/41/F.-6 Dated Ranchi, the 24th. June, 1941
Copy forwarded to the Rev. S.Tirkey,Kinkel for information.

Secy.

1399/41/F- 3. 16th June 1.

To,

Mr. I. D. Kujur.

Secretary Managing Committee,

Gumla Hostel.

Dear Mr. Kujur,

Your letter to the President dated 11th June, 1941 I have already sent to the Ilaka Chairman, Gumla the decision of the Church Council. I did not send the copy of the rules as I expected that you kept one copy with you. I am now sending the same.

Yours sincerely,

Secretary
G. E. L. CHURCH.
CH. NAGPUR & ASSAM.

To

The President
G. E. L. Church Ranchi.

Sir,

With reference to the C. C. order letter no. 1345-41-F.3 dated 4-6-41. I beg to inform you that the Ring leaders noted on the margin attached to Gumla School Hostel have been turned out from the Hostel after a hot discussion in the Hostel Managing Committee.

The draft rules already submitted to you on 27-5-1941 may kindly be returned, duly approved or duly corrected if any, before the School Session begins i.e. on or before 18-6-1941.

1 Junathan Horo
2. Jusaph Minj

I beg to remain
Sir.
Your most obedient servant
[signature]

Secretary
Managing Committee
Gumla Hostel
11-6-41

Sley

replied 13-6-41 that the Secretary will send the amended rules.
JSL

11

CC

14

Gumla
26.5.41.

Manyawar President ko mera Yisusahay.

1. Hostel managing Committee ke sath milkar hostel rules banakar ap ke pas bhej dete hain.

2. Abraham Kujur master ki patni ke bare men main ne suna tha ki Kinkel men bimar thi Abraham ek ber chhutthi ke pahile gaya tha aj kal to chhutthi men ghar gaya hai.

ap ka bishwast
K. M. Lakra

We shd like to have a candidate to be in charge of the hostel but as we have none - for the present we accept - N -

ce

N. - 1393/41/F. 3.

9th. June 1
14.6.41

Rev. K.M.Lakra,

Ilaka Chairman, Gumla.

Manyawar Rev. Lakra ko Yisusahay.

Ap logon ne jo niyam Hostel ke sambandh men banaya hai usko Church Council manjur kartā hai. Par achha hoga ki ap log niyamon ko thik se sajaiye arthat unka kram aisa kuchh ultaiye ki parhne aur samajhne men adhik subhita howe, Niyamon ko " in principle" grahan karte hain. Kitne batān ko jo sudharna darkar samajhte hain so ye hain :

1. No 10 ke (.k) " Sab larke phajire..... rakhen" yah kati jawe.

2. Time table : (a) Parhne ke liye bahut samay diye gaye hain . Bihan ko 6:15 se 8 :30 aur sanjh ko ~~ax~~ 7:30 se 10:30 jama 5 ghanta 15 minutes. Yah bahut adhik hai. 3 ghanta yathsht hai.

(b) School band aur Khel arambh ke bich bahut lamba samay hai. Aur Khel ke bad khane ke liye kewal adha ghanta hai . Yah ~~kxx~~ yathesht nahin hai. Thi se yahan samay thahraya jawe.

(c) Sone ke liye kewal karib 6 ghanta hai Kam se kam 8 ghanta rahna chahiye.9:3 baje sab ko so jana achha hoga.

Hostel Superintendent : Church Council chahti hai ki koi ek Candidate is kam ke liye rakha jawe par abhi koi nahin hai isliye jab tak aisa bandobasht na ho sake manjur karti hai ki Babu Abraham Kujur rahe. Age Shubh,

1345/41/F- 3. 4th June 1.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. K.M. Lakra for information, guidance and compliance.

Secretary,
G. E. L. Church.

Extract copy from the Minutes of the continued C. C. Ex. of 7.5.41 held on the 14th May, 1941 at 3 p. m.

Item A. Schools. No. 4.

" 4. Gumla Hostel :- There isno proper report. The hostel Committee is directed to put out the ring leaders and for future the Committee should frame some rules regarding admission into the hostel and before bringing them into force approval of the Church Council should be obtained. No one should be admitted into the hostel who does not sabscribe to the rule."

B 9

F-3

The secretary,
G. E. L. Church,
Chotanagpur + Assam,
Ranchi.

महामान्यवर महाशय,

आप को यीशुसहाय ——— ।

चैनपुर इलाका — अपना वार्षिक आमसभा — १० माई ४२ को पुरक में ठहराई है, जिसके अनुसार इलाका सालाना काम करता है — ।

I ११ माई को चामेला — पुरक में.

III १२ माई को चामपुर पैको पाथार तथा कोनपुर + गोविन्दपुर में

आप से अर्ज है कि आप Church Supervisor को भेजने की कृपा करें ।

2 — करार गांव जिसमें ४२ घर हैं, इस संग मिलके अर्ज किया कि उनको अलग — अर्थात अपनेही गांव में गिर्जा करने की अनुमति दें उनको कहना है कि नदी का पार के ही गिर्जा को ——— कहा जाना है न कोई १६, - १२ वर्ष से ऐसा अर्ज करते आते हैं, इलाका में बात चीत हुआ कि अभी इन बुन्दों हुकम न देवे ——— पर कौंसिल को जनाया जाय — यदि कौंसिल अनुमति देने को कहे तो इन अलग गिर्जा

घर में गिर्जा करने को इज्जाजत देंगे

ये कशीर + जदी की दूर आध मील से कम है, दोनों मिलके १०५ घर हैं।

कशीर वालों का कहना है कि हम यह चाहते हैं कि सब कोई गिर्जा जा सके - यही आरजू है। वे कहते हैं यदि आप लोग ~~आप~~ कशीर में गिर्जा करने को (गिर्जा घर में) अनुमति न मिले तो हम ही यहां गिर्जा करेंगे। सो इसका जाज बीज कर न्याय इंसाफ दीजिये — अगर यदि कशीर गिर्जा घर में गिर्जा करने की अनुमति दे तो उनसे यह शर्त जरूर लिये जावे:

I सब नशा छोड़ें

II नगेरा बाजा छोड़ें

III मिथ्या विश्वास में पकड़े जाने वाले सजा दुगना पावेंगे।

3, अर्ज है कि चैनपुर बंगला में मिडिल स्कूल करने की इजाजत मिले, अभी बंगला मरम्मत हो रही है - १२५) का est. mate है।

4, ~~22~~ 22 अप्रील को इलाका की बैठकी में फैसला हुआ कि जो नगेरा बजावेगा + नशा में पकड़ा जायगा सो दुगनी सजा पावेगा।

5, विचार हुआ कि इस साल अगहन में रिजर्व फंड चालू होवे।

आप का सेवक

Chainpur
1/5/41.

John [illegible]

RC B. I F. 3

G. E. L. Church Compd.
Gumla
File
Date 22-4-41

Sir,

With reference to your letter No 948, 41/F. 3. Dated the 18th april 1941. Regarding "Baghimam, Alankera and Umra Nawatoli ki dekh bhal"

1 — Yah Pracharak Pann pahile Khatitoli Ilaka ka tha. Yah Gumla se dakkhin Simdega Road par 13 Mile ki duri par hai. Wahan ki kitni bastiyan prayah ek, do, tin Mile ki duri par jangal ke bhitar jahan tahan hai.

2 — Mere Gumla ane ke pahile (1939) kitne sal se Gumla Ilaka men Milaya gaya tha. Kiske ijajat se aur kis sarat par, So Mujh ko Malum nahin hai

3 — Main kai ek daphe wahan ja kar mandli men pabitar Snan aur Prabhubhoj diya, par do barason ke bhitar wahan ke Pracharak ka main ne darsan bhi nahin paya.

4 — Gumla Ilaka ne us pracharak Pann ke thik se chalane aur dekh bhal karne ke liye ek Pracharak Christoray Toppo ko bhej diya tha. Pracharak Pann ne usko grahan na karke wapas phira diya, yah kah karke ki ham log uska pratipalan nahin kar sakte hain. Ham hi log Pracharak Pann ko chalawenge.

P. T. O.

5 — Do barash ke bhitar men hedait karne par bhi na us Pracharak Pann se koi meeting men aya hai, na Centralise kiya gaya hai aur na Mandli Report hi aya hai. Aisa nishchint aur anagyakari Pracharak Pann ko kaise chalaun? Mushkil hai.

6 — Puchh Pachh karne se malum hua hai ki is Pracharak Pann ke najdik men Pete Sera nam ka ek Pracharak Pann hai. Wahan se unki dekh bhal Gumla ki apeksha adhik achchha se ho sakta hai.

7 — Isliye Gumla Ilaka Panch ka bichar hai ki yah Pracharak Pann phir se Khulitoli Ilaka ko wapash diya jay. Chahe Church Council jaisa chahe waisa prabandh kare.

Ap ka bishwasi.

K. Minz
Gumla

1231/41/F- 3. 17th May 1.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. Christ Maghan Lakra for information and guidance.

Secretary,
G. E. L. Church.

Extract copy from the Minutes of the Full C. C. meetings held on the 17th April, 1941 in the morning.

Item No. 1 (i)

"1.President aur Church Supervisor ka daura report :-

Church Supervisor ne report parh sunaya. Manyawar President ne jahan jahan darkar huwa report men apni or se kai baton ko bataya. Report sun kar nimn bishayon men is prakar phaisla kiye gaye :-

(i) Gumla Ilaka :- Raghunathpur ke bhai log chahte hain ki wahan ek Padri howe jaisa pahile tha. Un ko kaha gaya ki un ki amdani kaisi hoti hai us ko is sal dekhenge aur 1942 men is bat ka bichar karenge."

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 948/41/F- 3. Dated the 18th April, 1941.

The undermentioned document is forwarded to the Rev. K. M. Lakra, Gumla for information and guidance with the request to give and early reply to this office.

Secretary,
G. E. L. Church.

Extract copy from the Minutes of the C. C. Executive Commtt. held on the 9th April, 1941.

Item No. 4 (5)

" 4. Matters arising out of Minutes :-

(1) -------------------------
----

(5) Baghima, Alangkera and Umra Nawatoly ki dekh bhal :-

Phaisla huwa ki Padri Babu Maghan Lakra ko yaddast bheja-y."

C. C. Executive 18

F. 3

To

The President Evangical Church
Chotanagpur

Camp. Lohardaga.

Dated Bharno the 2nd march 1941.

महाशय

मौजा वघीमा, अलंगकेरा और उसका नवाटोली थाना पालकोट जिला रांची से हम कुछ जर्मन मिस्सन के भाई सब हैं। हम सब बिना चरवाहे के भेड़ की नई हो गये हैं। सुनने में आया है कि हम लोग गुमला इलाके के प्रभु के प्रतिनिधि के हाथ में सौंप दिये गये हैं। पर हाय करीब वर्षों भर से भी अधिक गुजर गये, पर हमारी सुधि कभी भी नहीं ली गयी, न ली जा रही है। हम प्रभु भोज, स्नान के बिना यों ही मरे जा रहे हैं।

लाचार होकर यह निवेदनपत्र आपके चरण कमल में अर्पण कर आशावान हैं कि हमारे आत्मिक भोजन आदि का प्रबन्ध करेंगे।

आप का दीन दास

अन्तोनी गुड़िया

अलंगकेरा P. S. Palkot

हल मोकाम भरनो थाना सिसई

जिला रांची।

Send to the Gumla Pastor for report

F 3.

To
The Secretary C. C. Ranchi

Gumla
11-2-41

महाशय,
आपको मेरा यीशुसहाय होवे -

मैं यहां के स्कूल तथा होस्टेल कमिटी की मिटिंग के कई Items आप लोगों के चरणों में अर्पण करता हूं। जिन पर आप लोग विचार कर हमें सलाह देवे तो अच्छी जिस बात की आज्ञा की जाती है उसे ग्रहण करें।

बात यह है कि शहर के होस्टल में हमारे ख्रिस्तान लड़कों को बड़ा हानि दिखाई देती है। एक तो यह कि वह अच्छा नहीं है। वे ठीक रीति से नहीं चलाये जाते। अपने पसन्द से चलते हैं केवल वे वहां रह कर उनके घर का खीर देते हैं। फिर शिक्षा वो प्रार्थना आदि के लिये (विशेषकर साम विहान) उनको सुविता नहीं होती है। ~~इसी~~ को हमारे होस्टलमें जो लड़के भरती हुए हैं सो वहां जाना पसन्द नहीं करते हैं।

फिर यदि वे इस बार एक क्लासवाले लड़कों को ले जायें तो दूसरी बार और दूसरे २ क्लासों को लेने लगेंगे। सो हमारे होस्टेल खाली पड़ जायेंगे। तथा लड़कों के लिये धार्मिक के विचार अच्छा नहीं होगा।

बोर्डिंग लड़के १२ वर्ष बढ़ गये। ~~उन्हें~~ उन्हें डेस्क आदि चीजों की जरूरत है इस लिये अर्ज करते हैं कि एक बुंगा इसमें काटने को डेस्क आदि बनाने के लिये दिया जावे।

आप का आज्ञाकारी सेवक
Hanukh Kujur
Secry. St. Hostel

To

The Members of the Luth. C.C. Ranchi

Sir,

I beg to enclose here with the some items of the Hostel & school Managing Com. for your kind consideration, advice and approval and order.

Luth. School & Hostel Manging Committee
Dated the 7th Feb. 1941

Item No 5. Removal of Hostel Boys of Class XI:—

कमिटी की राय हुई कि Cl. XI के लड़के यहीं रहें और यह बात चार्च कौंसिल को जनाया जावे और सलाह लिया जावे कि उनको वहां (शहर के होस्टल में) जाने देंगे कि वे यहीं रहें।

Item No 6. Furniture for Hostel & School:—

फैसला हुआ कि स्कूल व बोर्डिंग के डेस्क तथा बेंचों के लिये चार्च कौंसिल से एक तूर्ण ग्रांट मांगा जावे। —

Gumla
The 11th Feb. 1941

[signature]
Secry. St. Com. Gumla
7-2-41.

507/41/F- 3. 25th Feb. 1.

The Undermentioned document is forwarded to the Rev. K. M. Lakra, Chairman, Gumla Ilaka for information and guidance.

Secretary,
G. E. L. Church.

Extract copy from the Minutes of the C. C. Executive Commtt. (contd.) held on the 13th February, 1941.

Item No. 39.

" Request from Gumla School Committe :-

Gumla School ki or se 2 arjiyan ayin. Un par ~~paimai~~ phaisla huwa ki ,

(i) Jo larke hamare Kalisha ke hain aur shahar ke school men parhne ko jate hain we hamare Hata ke hostel men rahen. Jo larke shahar hi men rahte hain un ko bhi hukum diya jay ki we hamare hata ke hostel men rahen aur hostel ke niyamanusar chalen.

(ii) Jis gachh ko school ke furniture ke liye mangte hain wah un ko diya jay."

मुम्बा 22.10.32

श्रीयुक्त मान्यवर चर्च कौंसिल को मेरा
बहुत२ यीशु सहाय होवे -
आगे मैं आपसे दीनता पूर्वक आरजू
विनय करता हूं कि आपको फैसला
चिट्ठी का जवाब देने में कुछ विलम्ब
होगया सो कृपा करके इस मार्च के अन्त
तक मुहलत दीजिये

आपका आज्ञाकारी -
पादरी [illegible] जयपुर

POST CARD

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE

NINE PIES

RANCHI
12 OCT 39

GUMLA

Babu Nathanael Topno

C. C. Secretery

G. E. L. Mission Compound

Ranchi

B 1(b) 17

Gumla 23.8.39

Sriyut Maha manywar President padri J. Stosh Sahib ko mera bahut 2 Yishusahay.

Main ap ki 11.8.39 ki chithi ko paya aur sab hal malum kiya aur ap ki chithi ke liye ap ko dhanyabad dete hain. Ap ki chithi se malum hota hai ki ap ka mere upar bahut sak sandeh hai. Isliye main dinta purbak arji binti karta hun ki kripa karke Gumla aiye aur koi nirdist tarik thahra ke amne samne khuli riti se saphai kijiye chithi chapati ke likha parhi se tay nahin ho sakta hai.

Prem se
ap ka bishwast
P. Kujur

Gumla 21.7.39

Sriyut Manywar Mahasay President padri J. Stosh Sahib ko mera bahut 2 Yishusahay hove.

Age main kai baton ko janata hun arthat.

1 – Main council order ko dekha jo Gumla ke head mastar ke bare likha gaya hai. main ap se bahut 2 arji karta hun ki Gumla men Chainpur ke Ignatius Sakra aur Khutitoli ke Shantiprakash Bakhla ~~?~~ jo pahile ek dapha Gumla men the in donon ko kabhi Gumla men mat badli men laiye ye Julius ke jhagra men sajhedar the aur yehi log golmal ko barhane hare the Gumla men inke ane se jhagra o golmal phir barhega. meri arji hai ki koi uranw head mastar ko bhi mat bhejiye ho sakega ki we kabhi parti banawenge sab se achha hoga ki koi mundari head mastar yahan bheja jay jo nirpeksh rahega—.

2. yahan ke kitne log hamare jagah ke nisbat golmal uthate rahte hain jiska pata patr mere pas mahjud hai yahan Gumla Ilaka men kai jagah mission jamin aur rupaiya dum ja raha hai kyahi achhi aur anand ki bat hoti ki we log pahile un mission jaminon ko jiska pata patr Setelment men Mission ke namse huwa hai usko bachane keliye kosis karte aur kharach barach lagate ~~aur~~ arthat Bhaldam Chati men 2 tanr ek gharbari mission ke hath chala ja raha phir Dhudhritoly men pracharak ghar aur Rs 120 rupaiya, rupaiya ab urhi gaya par mission ghar bhi ur jane wala hai. Pibo men pracharak ghar Raghunathpur men padrion ka purana ghar ka jagah. 12 baras bit jane se pichhe kuchh karna nahin banega. jo padri pahile the iske bishay kuchh Chinta bhi nahin kiye. in baton ko ap ko janane men mera koi kisim ka kasur samjha jay to kripa karke maph kiya jay.

Prem se ap ka bishwaat
padri D. Kujur

yahan Gumla Ilaka men hai jagah Mission jamin aur rupaiya dub jaraha hai. Kyahi achhi aur anand ki bat hoti ki ne log pahile in Mission jameenon ko jiska pata patr settlement men Mission ke nam se huwa hai usko bachane liye kosis karte aur kharach barach lagate arthat Bhaldam Chati men 2 tarr ek gharbari dusron ka hath chala jaraha hai phir Dhudhritoly men pracharak ghar aur Rs 120/- rupaiya, rupaiya ab uth gaya par Mission ghar bhi ~~sarg~~ ujarne wala hai. Pibo men pracharak ghar, Raghunathpur men padrion ka purana ghar ka jagah 12 baras bit jane se pichhe kuchh karna nahin banega

Sd/. Sand Kujur

21.7.39

3

Ranchi, 2. April 194

President, G. E. L. Church,

Tabita - School की बेटियों के लिए ॥

File N. B. प्रिय बेटी - लोगो

Church - Council के नाम से और मेरे नाम से तबीता - स्कूल की सब बेटियों को यीशु सहाय!

मिस्स साहिबा - लोगों ने Church Council की बैठकी में आप लोगों के काम विषयक रिपोर्ट दिया ॥ आनन्द से मालूम करते हैं कि तबीता - स्कूल का काम व्यर्थ नहीं ठहरता है ॥ जो अच्छा बीज आप लोगों के मनों में बोया गया है वह फल फल रहा है ॥ जिस काम के लिए Gumla में आप तैयार किई गई हैं, उस काम को अभी अपने अपने गांव में करती हैं।

किसी काम को आरम्भ करना कठिन बात । यह कहावट सच है ॥ इस लिए यह मेरे लिए और Church Council के अन्य अंगों के लिए आनन्द की बात है कि आप लोगों ने सब के सब काम को आरम्भ किया ॥ तौभी जानना चाहिये कि इस देश के लोगों के लिए शुरु करना की अपेक्षा काम में लगा रहना और कठिन बुझाता है ॥ आरम्भ करना कठिन है - काम में अन्त तक विश्वास - योग्य ठहरना और कठिन है ॥ यीशु किस को प्रतिज्ञा देता है? उन को, जो काम को आरम्भ करते हैं और पीछे छोड़ देते हैं? नहीं! ऐसों के विषय प्रभु कहता है कि उस बीज के समान हैं, जो पत्थरीली भूमि पर बोया गया है, वे आनन्द से बचन को ग्रहण करते हैं, पर केवल थोड़ी देर लों बिश्वास करते हैं और परीक्षा के समय में बहक जाते हैं । आप लोगों का काम भी बिना परीक्षा न होगा ॥ लोग पूछेंगे कि कौन तुम को तुम्हारे काम की मंजूरी देता है? उत्तर: प्रभु उन को जो अन्त तक विश्वास - योग्य रहेंगे, जीवन का मुकुट देगा ॥ लोग पूछेंगे कि इस काम करने से तुम्हारा क्या लाभ है? उत्तर: मेरा लाभ यह है कि मैं प्रभु की दासी होकर प्रभु का काम करती हूँ और उस के काम करने में आनन्दित हूँ ॥ यह परीक्षा भी आवेगी कि आप के मन में यह विचार उत्पन्न होगा कि आज कल काम करना मुझे अच्छा नहीं लगता है, कुछ समय के लिए छोड़ देंगी, पीछे फिर उठावेंगे ॥ जब एक बार किसी ने अपना काम छोड़ दिया तब पीछे शायद कभी फिर शुरु नहीं करेंगी।

प्रभु उन को धन्य कहता है, जो वचन को उत्तम मन में रखते हैं और धीरज से फल फलते हैं। « धीरज से » प्रभु बोला! यह सुफलवन्त होने का भेद है। इस देश में, हां, हमारी कलीसिया में भी, बहुधा देखा जाता है कि कोई भाई वा बहिन किसी अच्छे काम को शुरु करते हैं - थोड़े समय के पीछे काम टल जाता है. । क्यों? किस कारण? धीरज की घट्टी के कारण!

प्रियो! तबीता-स्कूल तो विशेष स्कूल होने की दावी करता था, हमलोग तबीता-स्कूल के विद्यार्थियों को अपनी बेटियां मानते थे। तबीता-स्कूल की विशेषता इसी में सभों के सामने प्रगट होवे कि बेटिलोग सब के सब अपने प्रेम के काम में धीरजवान्त ठहरें । प्रभु उन को जो उस से मांगते हैं बल और धीरज देगा।

तबीता-स्कूल आज कल ऐसे छोटे पौधे के समान है कि कोई कह नहीं सकता है कि इस से क्या-क्या होगा? बढ़ेगा? सूख जाएगा? उस का विशेष लक्ष्य और काम क्या होगा? जब तबीता-स्कूल फिर के खोला जाएगा-तब कौन और कैसी लड़कीलोग भरती किई जाएंगी? आज मैं उत्तर नहीं देता हूँ। केवल इतना प्रिई तबीता-स्कूल की बेटियों को सुनाता हूँ कि प्रत्येक बेटी जाने कि तबीता-स्कूल की भविश्यत दशा मुझ से निर्भर है। जैसा मेरा काम वैसा तबीता-स्कूल की भविश्यत दशा। जो बेटीलोग इधर-उधर काम करती हैं अगर उन का चालचलन अच्छा है और उन का काम भी ऐसा है कि उन के काम से बहिनों को आशीश मिले तो जरूर कलीसिया फैसला करेगी कि ऐसी तबीता-बेटियों का और दरकार है, ऐसों का होना हर एक मण्डली में अवश्य है। तबीता-स्कूल फिर खोला जावे, जिस्ते कि साल साल लड़कीलोग प्रभु के काम के लिए तैयार किई जावें। हर एक बेटी इस का जवाब-देही है कि तबीता-स्कूल का सुयश ठहरे। अन्त में मैं प्रिय बेटियों को ईश्वर के बचन में से एक स्थल को दान देता हूँ, अर्थात् गीतों की पुस्तक गीत ११९, पद १३३ • मेरे पैरों को अपने वचन के मार्ग पर जमा और कोई अनर्थ बात मुझ पर प्रभुता न करने दे।

प्रभु का कुशल हम सभों के साथ होवे!

आप लोगों का विश्वास्त धर्म-पिता

J Stosch

तुमलोगों की माताएं चिट्ठी का stamp भेज देती हैं। जो कोई फिर रिपोर्ट नियम अनुसार नहीं लिखेंगी, वे फिर किसी stamp को नहीं मिलेंगे।

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 805/40/F- 3. Dated, the 30th April, 1940.

The undermentioned document is forwarded to the Chairman, Gumla Ilaka for information

N. Topno.

Secretary,
G. E. L. Church.

Extract copy from the Minutes of the C. C. Executive Commtt. held on the 26th April, 1940.

Item No. 9.

" Gumla Bungalow :- Report hai ki wahan ka Chaukidar bilkul nalayak hai. Miss sahibaon ki gairhajiri men un ki kai chijen chori ho gayin. Phaisla :- April mahine ke liye Chaukidar ko kewal Rs. 3/- talab diya jay aur ainde ke liye Padri bungalow ke charge men rahe aur Chaukidar ya dekh bhal karne wale ke liye Rs. 3/- Padri ke hath men bheja jay. Padri koi bishwas yogya Chaukidar ya dekh bhal karne wala ko is kam ke liye niyukt kare."

Gumla (4)
the 8th Feb 1940.

To

the president G. E. L mission
Chotanagpur + Assam.

Revd. Sir,

We the people of Gumla Ilaka formed a Church Building Committee for the construction of a new church building here at Gumla, the walls of which were erected some three years ago. for want of sufficient fund we could not complite the same. We, therefore, request the favour of your kindly granting us permission to raise subscription for its complition from the pastors, Luthran christians of Chotanagpur and Assam and gentlemen on this area.

I remain,
Revd. Sir,
Yours faithfully
Beck.
Secretary, Church building
Committee Gumla

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 360/40/F- 3. Dated, the 14th Feb., 1940.

The undermentioned document is forwarded to the Ilaka Chairman, Gumla for information.

Actg. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract copy from the Minutes of the C. C. Executive Committee held on the 12th February, 1940.

Item No. 4.

" Gumla Church building fund :- Gumla Ilaka ne C. C. ke pass darkhast bheja hai ki un ke naye girja ghar ko pura karne ke liye rupaiya darkar hai isliye chanda uthane ki sipharish C. C. se mile.

Executive ne sab baton ko bichar kiya aur phaisla kiya ki Gumla Ilaka ko apna girja ghar pura karne ke liye chanda jama karne ki anumati aur sipharish di jay."

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

Officers and members of the Executive.

1. *President;* Rev. J. Stosch,
2. *Treasurer;* Rev. K. Th. Jellinghaus,
3. *Secretary;* Mr. F. N. Topono,
4. Rev. J. J. P. Tiga,
5. Mr. Th. Surin,

Other members of the Church Council.

6. Rev. W. Radsick,
7. ,, L. Jojowar,
8. ,, S. Kula,
9. ,, S. Bage,
10. Mr. A. L. Tirkey,
11. ,, C. D. Ekka,
12. ,, P. Soy,
13. ,, D. Tirkey.

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (BIHAR) INDIA.

No. 170/40/F- 3. *Dated the* 30th Jan. 1940.

To,

The Rev. Ch. M. Lakra,
Chairman,
G. E. L. Church, Gumla.

Manyawar Rev. Ch. M. Lakra ko Yishusahay.

Malum howe ki ap ke Ilake ke Candidate P. Beck ke talab ke bishay bite Full C. C. men batchit huwi. C. C. aphsosh karti hai ki wah unke liye kuchh dene nahin sakti hai. Ilaka hi ko unke liye pura bhar hai so Ilaka chinta kare.

Age shubh,

J. J. P. Tiga

Actg. Secretary.

3. file

Gumla, the 4 th Nov. 1939

From Miss Hedwig Schmidt
G.E.L. Church Compound
Gumla P.O.
Distr. Ranchi, Bihar
Brit. India

and Miss Anny Diller
G.E.L. Church Compound
Gumla P.O.
Distr. Ranchi, Bihar
Brit. India

Through The

Secretary of the G.E.L. Church, R a n c h i

To

The honoured member of the Church Counsil of the

G.E.L. Church.

May we bring following before your kind consideration: We thank for the letter dated 30 th of October! - regarding the future of the Tabita-School.

Reading the remark of Rev. Cannaday" ....it would be better, for the Church Counsil to run these schools out of its own budget and not have them run privately by Missionaries." - we may ask: Dit the C.C. think that the Tabita-School is a "private" school? Jes, that we run the school by our own salaries may be the cause that you think the school as private. But we both never thought this as from the beginning our aim and the purpose of the school is: to do this work <u>for the G.E.L. Church</u> and her benefit. We expressed this also several times to Rev. Stosch. - If you know now that we do not like to be a "private-school" will you recognise the Tabita-School as your own? - will you recognise the work just as necessary for the wellfäre of the congregations as the Seminary? Please give us clear answer. We never wanted to be "private" therefor we invited for our examinations member of the Gumla congregation. And we hearty hope that for our end-examination in March 1940 one or two members of the C.C. will be present. You also can look everytime in our accounts even we manag by our own money, we gladly give the accounts. We may also enclose herewith some of the papers which show the aim and purpose of the Tabita-school.

You give us the advise "to send away those girls who don't pay their boarding - fees. Sorry this seems to us impossible as we would have to send away our best girls only finishing half course. Please understand, that, thinking; being a new school some courrage shall be necessary and therefor we made it easy for many girls to enter in our school and took them as requested as free-scholars. From the next course beginning in <u>June</u> 1940 we surely will try to

manage everything only by the school-and boarding-fees taken from the girls.Because it is our will and wish to give the new kind of work over to the G.E.L.Church that means to one or two abled mistresses who would run the school for the benefit of the girls and women in the G.E.L.Church after beeing trained in our Tabita-school for this special purpose. Next year we shall take only one(or two)free-scholar and also have to encrease boarding-and school-fees. We hope that till that time we will be able to manage the school as we dit till to-day.But if we will not get our salaries we will be not able to do it,-also if the C.C.will not take the full interest in this school we will be unable to carry on the work. Therefor we hearty request to let us know your opinion soon.

Awaiting your kind reply

Yours sincerely

A. Diller.
H. Schmidt.

To 3. 3. File

The Treasurer C. S.

Dear Sir,

~~If~~ you will kindly inform me whether you have remitted the salary of the Mistress of the Tabitha School. By the 6th ~~they~~ she had not received and ~~they~~ Miss Diller + Miss Smith were wondering whether the present C. S. C will be able to pay up the salary.

Yours faithfully
V. Topno.

The money was already remitted and it was recd by Miss Diller on 1/10/34. Tabitha -- R 12/—
Do -- B. Women R 6/—
Total -- R 18/— 18

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 1081/39/F- 3. Dated, the 24th November, 1939.

The undermentioned document is forwarded to Miss A. Diller for information and guidance.

for Secretary,
G. E. L. Church.

Extract copy from the minutes of the C. C. Executive Committee held on the 10th November, 1939.

Item No. 24.

" Tabitha School :- Church Council is ko apna apna School janti hai par yah sochti hai ki wahan ka Boarding Self-Supporting hai."

---

file
Nr. 17.10.39.

Gumla, I2 th October I939

Church Council
Received 18.10.39.
Register No. 322
Date 12.10.39.
... 3.
... No. ...
Date ...

From Miss Anny Diller
G.E.L. Church Compound
Gumla P.O.
Distr. Ranchi, Bihar
Brit. India

Dear Mister Toppno!

Many thanks for your letter! Jes, just two days after I wrote you and requested for the salary of the mistress, the money came by Mister Soy. Many thanks!

We are glad that C.C. aks us to continue our Tabita-schoolwork. So long as God give grace and we are able to run the school and to manage all expenses, we gladly will continue the school-work.

With our hearty Jisu sahay!

Yours sincerely

A. Diller.

Kindly excuse delay in answering your letter.

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (Behar) India.

Secretary: F. N. TOPNO Esqr. No. 956/39/F3 Dated the 30th Oct. 1939.

To,

Miss A. Diller,
G.E.L.Church, Gumla.

Dear Madam,

I wrote to Dr. Cannaday about your salaries and about the Tabitha School. From his reply I could not gather what he intends to do with it. We had a meeting of the Board of Trustees on Saturday last at Purulia and Dr. Cannaday had come for the purpose. But the Agenda was so heavy that we could hardly finish it. We talked on finance but talked very little for a very short time. And in that short conversation your case could find no room. The time separated us forcibly without allowing us to finish the talk.

I think Mrs. Wolff is the right person who can tell you difinitely about your pay or allowance. Please write to her.

As regards the Tabitha School he writes " I do not want to interfere with any well-established arrangement made by Mr. Stosch, but my own personal feeling is that it would be better for the Church Council to run these schools out of its own budget and not have them run privately by Missionaries." From this it is quite clear that you are to send away those girls who don't pay their boarding fee. Or for these two months they should be asked to pay up the fee and allowed to finish their course. In future only those girls should be admitted to the School who will pay up the boarding fee regulary.

P. T. O.

I do not see any other alternative.

With Kind regards,

Yours sincerely,

N. Topno.

Secretary.

File Nr. 9. 10. 39.

Gumla, 6. October 1939

From Miss Anny Diller
G.E.L. Church Compound
Gumla P.O.
Distr. Ranchi, Bihar
Brit. India.

A. Diller. H. Schmidt.

Dear Mister Topno!

May we bring following matter before you:

As To-day is the 6 th October and our mistress dit not get her salary for the month of September we may ask you wether the C.C. is ready to pay furtheron the salary of the mistress of the Tabita-School? We regret that we are unable to pay her as we already pay the cook of the boarding, the school-chawkidar and feed 10 girls without boardingfees - and all the other school-expenses. The mistress got 12.-Rupies salary, monthly.

Please soon let us know whether the C.C. kindly will carry on to bare the salary or not. If C.C. will be unable to do it we request to help us so much: to pay her at least the amount for the month of September. - But we hearty request - <u>if possible</u> - to carry on to pay her salary as she is a benefit for our school.

Awaiting your kind reply

Yours sincerely

A. Diller H. Schmidt.

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.
[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (Bihar) India.

Secretary: F. N. TOPNO Esqr.

No. 838/39/F- 3.

Dated the 9th Oct. 1939.

To,

Miss A. Diller & Miss H. Schmidt,
G. E. L. Church, Gumla.

Dear Madams,

Thanks for your letter of the 6th instant. I made an enquiry regarding the salary of the mistress of the Tabitha School. The Treasurer Mr. Soy writes to me that you have already received Rs. 18/- (Rupees eighteen only) salaries for the Mistress and a Bible woman.

Regarding the future of the Tabitha School and of other schools we are assured by the American friends that for near future we need not be afraid. So you need not ~~not~~ ~~xx~~ be down hearted. Please run on the school. The school is really a uniqui one and rare in India at least.

Perhaps you have been informed that in case you do not get your pay, you will have to write to the Dy. Commissioner for help. This is what I have been told by the Chief Secretary and by the Dy. Commissioner also.

With kind regards,

Yours sincerely,

N. Topno.

Secretary.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G? E? L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 787/39/F.3. Dated, the 27th September, 1939.

From :- N. Topno Esqr.,
Secretary,
G. E. L. Church, Ranchi.

To,
The Rev. Maghan Lakra,
Chairman,
G. E. L. Church, Gumla.

Manyawar Padri Babu ko Yishusahay.

Abhi Gumla Society ke Chairman, Secretary aur Khajanchi kaun kaun hain so kripa kar likh bhejiye.

Ap ka bishwast,

N. Topno.

Secretary,
G. E. L. Church.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. E. L. CHURCH
IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

Memo No. 727/39/F 3. Dated, the 14th September, 1939.

From :-
N. Topno Esqr.,
Secretary,
G.E.L.Church, Ranchi.

To,

The Rev. Maghan Lakra,
G. E. L. Church, Gumla.

Manyawar Padri Babu ko yisusahay.

Kripa kar ke khabar dijiye Candidate Paulus Babu ko talab dene ke liye ap log kaisa bandobast kiye hain. Boarding se kitna dete hain, Mandli se kitna dete hain aur kya kya amdani ka sota hai us se kitna dete hain. Thik thik likh kar bhejiye.

Ap ka bishwast,

N. Topno.

Secretary,
G. E. L. Church.

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.
[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (Behar) India.

Secretary: F. N. TOPNO Esqr. No..............

Dated the 8th Aug., 1939.

Copy

Church Office men ek patri pahunch gai jis ka sahi thi " Gumla Mandli."

Yah chitthi venami hai aur us ki sahi jhut hai. Likh~~it ang~~ak kaun hai ? Ho sakta hai ki darpok hai jo apne nam ko likhne ka sahas nahin pata hai, ho bhi sakta hai ki is karan apna nam nahin likhta hai ki chitthi men jhut baton ko batata hai jin ka sabut dene nahin sakta hai. Jhut bolne valon ke liye aur darpokon ke liye Mandli men jagah nahin hai.

C. C. venami chitthion ko likhne ka kam maila, nich aur tuchchh kam samajhti hai. Ekdam vyarth kam bhi hai karan ki venami chitthi C. C. men na parhi jati hain na soch bichar kiyi jati hain na uttar pati hain.

Taubhi Gumla ki Mandli ~~ki Mandli~~ ko janna chahiye ki koi aise admi log hain ki jo Gumla Mandli ka nam leke apna maila kam arthat venami chitthion ko likhne ka kam chhipane chahte hain. Aison ka hak nahin hai ki Gumla Mandli ke nam leven. Gumla Mandli ke ang Padri Babu aur candidate Babu bhi hain aur bahutere aise log bhi jin ke bishay ham asra karte hain ki venami chitthiyon ke kam ko kabhi manjur nahin karenge.

N. Topno.
Secretary.

President.

Sent to Rev

To the secratary, church Council
Chotanagpur Assam.

महाशय,

आप लोगों को यीशुसहाय।

लिखने का कारण यह है कि मेरा मन प्रभु के काम में बहुत लालसित है। जिसके कारण मैं ने स्तोश साहेब के पास रो रो कर बिन्ती किया और उन्हों ने मेरे लिये इस काम में उपाय किये। अभी मैं प्रचारक ट्रेनिंग सीबे साहेब के जरिये पाकर गुमला में प्रचारक का काम करता हूँ। परन्तु कइएक दोष लगाने के कारण मुझे अपने को अयोग्य कहना पड़ा॥

पादरी दाऊद कुजूर मुझ पर अनेकों दोष लगाते हैं। वे ये हैं :——

1. तुम झगड़ा का मूल हो?
2. तुम्ही झगड़ा निकालते हो।
3. घड़ा सिर्नी बन्द होता है तुम्हारे ही के कारण से॥
4. पादरी दाऊद को नहीं चाहते हैं कहके गाँव गाँव मराड़ली मराड़ली में सही करवाते हो॥
5. तुम डाडू टोली वालों से मिल कर कइएक विषय पर पंचायत करते हो।
6. बंगान के बिषय लिखा पढ़ी किया उसमें तुम सेक्रेटरी था। उसी विनय दाऊ लाया गया॥

७. यहाँ के आदमी सब हम पर दोष लगाते थे पर देखते हो हम आकर उनके सिर पर बैठ गये, अब तुम हम पर दोष लगाते हो। गाछ काटते हैं तब चुनाते है उसको तुम साहेब के पास नालिश करते हो॥

उपर लिखे हुए दोष जो मेरे उपर लगाया जाता है इसको आप लोग जांच करके देख लीजिये। अगर हकियत में मैंने ऐसे दोषों को किया है तब माफ देवे और यदि नहीं किया है तो मुझे क्यों ऐसा दोष लगाते हैं॥

मैं अर्जी करता हूं कि इस सब को आप लोग अपने न्याय आसन पर बिचार करेंगे॥

लि०
गुमला
ता० २१-६-३६

आप लोगों का दीन सेवक
मनोहर लाल लकड़ा॥
गुमला।

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.
[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI. (Bihar) India.

Secretary: F. N. TOPNO Esqr. No. 480/39/F- 3. *Dated the* 26th June 19.39.

To,

Babu Manohar Lal Lakra,
Pracharak,

G. E. L. Church, Gumla.

Babu Manohar Lal Lakra ko yishusahay.

Ap ki chitti mili. Chitti ko main ne Stosch Saheb ko dikhlaya tha. Ham donon ki salah hai ki ap burhe Daud Padri ki baton ko burhe bap ki bat man kar maniye. Jab jhutha dosh lagaya jata hai to dosh ko sahne ko bhi sikhiye. Us ke karan badli ho to badli bhi jaiye. Prabhu ko bhi Yahudi log jhutha dosh laga kar Crus par ghat kiya.

Dusra sal yahan Ranchi men 4 ya 5 mahinon ke liye chune huwe pracharakon ka bishesh training hoga. Us men ham log ap ko bhi bulane chahte hain.

Ap ka bishwast,

N. Topno.

Secretary.

27/2.

Kuru, 25th February 1939.

Manyawar Secretary C.C. ko mera yisusahay.

Ap ki Chitthi No 29-40 Dated 24th January 1939 ke motabik main apne naye jagah Gumla men 1st February ko hajir hua aur charge liya, aur apna kam suru kiya. Gumla mahwari meeting gujar karke Lohardaga monthly meeting ke liye aya, aur 13th Febr. se 16 February tak Lohardaga men tha.

Padri balun Nathaniel Khalkho 18th Febr. ko charge lene ko Kuru aye aur apna kam suru kiye. 19 Febr. ko hamdonon ne Kuru men Girja kiya aur main ne Kuru Parish bishayak kam mandli ke samhne Padri babu ko saump diya.

Gumla men mere gairhajri ke samay men wahan ka kam chalane ke liye manyawar padri babu D. Kujur ko arji kiya hun. Main ek hapta karib yahan rahta hun tab phir Gumla chala jaunga.

File
No. 3
2.3.39.

Church Council
Received 27.2.39
Register No. 98
Date 25.2.39
File 3
Reply No.
Date

Apka bishwast
K.M. Lakra. (Pastor)

Gumla, the 6 th Dec. I938

Through

The President of the G.E.L. Church
Rev. J. S t o s c h , Ranchi.

To

The honoured members of the Church Counsil, Ranchi.

Dear Sirs!

May we bring following before your kind consideration and action:

From the I rst of March I939 we Miss H. Schmidt and myself wish to open a special girls-school here in Gumla. We enclose herewith one copy of our recruiting-paper and we hearty request to take special interest in this school.

Miss H. Schmidt and myself wish to take over the most of the teaching. But we cannot manage everything. One trained mistress is highly needed. As we are unable to support one trained mistress and as we wish that this school will become a special branch of the Church-work we hearty request the honoured members of the Church-Counsil to kindly grant us the monthly salary for a trained mistress, if possible I2.-Rupies. We would be very grateful.

Awaiting your kind reply

Yours sincerely

A. Diller H. Schmidt

Resolved
JSf

Application of Rev. Urbanus Kujur
dated 24/8/39 regarding Gumla Land
dispute between Rev. Daud Kujur and
the Church is with the President.

P. Toppo
3-7-39.

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd, 1845.—Autonomous 1919.]

G. E. L. COMPOUND.
RANCHI, (Behar) India.

Secretary: F. N. TOPNO Esqr.   No. 101/39/F 3.   Dated the 1st Feb. 1939.

To,

Miss A. Diller
and
Miss H. Schmidth } G. E. L. Church, Gumla.

Dear Madams,

Your letter dated the 6th December, 1938 was placed before the C. C. meeting of the 30th January, 1939 and I am directed to inform you that your request for a Trained Mistress on Rs 12/- p. m. for your help in the Tabitha School is granted. Please appoint a Trained Mistress to your liking and inform the C. C.

Yours sincerely,

N. Topno.

Secretary.

Gumla, 3 rd Dec.1938

Enclosed we may send you one copy of our plan for a new girls-school in Gumla which we wish to start next year from the I rst of March. - We hearty request to help us by taking interest in this school.

Jisu sahay!

Yours sincerely.

A. Diller H. Schmidt.

गुमला में लड़कियों के लिये एक नये ढंग का स्कूल।

घरबन्धु में एक बार लिखा गया था कि "प्रत्येक मण्डली में जवानों की सभा होनी चाहिये ॥ पास्टर की सलाह से इन लोगों को खुद अपनी सभाएं और प्रार्थना—मीटिंगें चलानी चाहिये जिन में उन की निजी बढ़ती और मण्डली की उन्नति के लिए सब कामों में उन की अगुवाई की जाय ॥ ऐसे काम हैं गिर्जे में फूल रखना, पर्ब्बों में सजाना, बीमारों के पास जाना, अन्य—धर्म्मावलम्बियों के बीच में सुसमाचार प्रचार करनो इत्यादि। वे खेल और नाटक का भी प्रबन्ध कर सकते हैं" यह सब कुछ ठीक है और हमारी मण्डलियों की उन्नति के लिए बहुत आवश्यक है ॥ पर यह पढ़कर पूछना चाहिये कि लड़के—लड़कियां यह काम आप ही आप कैसे कर सकती हैं ? क्या वे इन कामों को करने के लिए स्कूलों में कुछ सीखती हैं ? कहां ? किस के द्वारा ?

लड़कियों पर दृष्टि करके कहना है कि उन की शिक्षा के लिए एक दूसरा लक्ष्य चाहिये ॥ गांवों में अनेक लड़कियां हैं, जिन्हों ने पांचवीं कक्षा pass की हैं और वे आगे भी सीखने मांगती हैं ॥ पर तब उन के लिए केवल एक मार्ग है अर्थात the middle-स्कूल ॥ पर middle-स्कूल एक विशेष स्त्री-शिक्षा नहीं है ॥ वहां लड़के-लड़कियां बराबर सिखायी जाती हैं ॥ middle-स्कूल विशेष करके उन्हीं के लिए चाहिये, जो nurse या mistress का training चाहती हैं ॥

पर उन लड़कियों के लिए, जो यह काम नहीं चाहती हैं, middle स्कूल को pass करने से क्या लाभ निकलता है ? लड़कियां स्कूल से निकल कर अपने टोलों में लौटती हैं। तब लड़कियां किसी उन्नति के लिए क्या करती हैं ?

क्या ये लड़कियां मण्डली की उन्नति के लिए कुछ करती हैं ?

क्या वे बच्चे और जुवति लोगों के लिए समाज चलाती हैं ?

क्या वे बालकों को अच्छी तरह और भक्त रीति से शिक्षा देती हैं ?

क्या यदि वे शादी करेंगी तो काम—काज की उन्नति के लिए कुछ जानती हैं ? (जैसा चूल्हा बनाना, घर में चीजें कैसे रखना ? परिवार का चंगापन और घर की सफाई और सजाने के विषय में कुछ जानती हैं ? अपने कपड़े को मरम्मत करना ?) क्या लड़कियां अपने हाथों के द्वारा कुछ कमा सकती हैं ?

पूछना चाहिये : लड़कियां अपने टोले, या घर, या मण्डली की उन्नति के लिए क्या करती हैं ? अब तक कुछ नहीं ! कभी, कभी लड़कियां घमण्डी हो जाती हैं और फलाना-फलाना काम को करना नहीं चाहती हैं ॥

चाहिये कि लड़कियों को बिलकुल दूसरी शिक्षा मिले, जो लड़कों की शिक्षा से भिन्न है ॥

चाहिये कि लड़कियों को ऐसी शिक्षा मिले, जिस के द्वारा वे घर के कर्त्तव्य-कामों को करने, बालकों को शिक्षा देने और मण्डली को सेंतमेंत सेवा करने की योग्यता रखें।

ऐसा लड़की स्कूल चाहिये, जिस में लड़कियों को न theoretical और न European विद्या पढ़ायी जावे, परन्तु जिस में उन को सेवा करने को, काम करने को और भक्त रीत-दस्तूर पालन करने को शिक्षा दी जावे।

इस स्कूल का लक्ष्य European विद्या को सिखलाना नहीं है, पर यह है कि हमारा प्रभु यीशु का राज्य स्त्रियों के छोटे और विश्वास-योग्य कामों के द्वारा फैलाया जावे ॥

भक्त रीत-दस्तूर, भक्त स्त्री-पुरुष, भक्त लड़के भक्त दास-दासी गोस्सनर कलीशा की मण्डलियों के लिए बहुत जरूरत हैं ॥

इस लड़की स्कूल का काम-पत्र नीचे लिखे मोताबिक होगा।

(१) बाइबिल का काम।
(इतिहास, गीत, काटेखिस्म, इत्यादि)
(२) हिन्दी (लिखना, पढ़ना, बर्णन बनाना और बतलाना)।
(३) गणित (केवल जो काम के लिए चाहिये)।
(४) बालकों की शिक्षा,
(५) बालकों का पालन करना, nurse का काम।
(६) चंगापन, सफाई, बीमारी के विषय में।
(७) घर का काम, (चूल्हा बनाना, इत्यादि)
(८) बगान का काम।
(९) खाना पकाना।
(१०) मण्डली की सेवा (गिर्जा सजाना, बिमारियों के पास जाना, बच्चे लोगों के लिए समाज चलाना)।
(११) किन्डरगार्टेन चलाना।
(१२) मिश्र इतिहास।
(१३) खेल, नाटक, गाण, drill
(१४) हाथ का काम, सिलाई का काम, जिस के द्वारा वे कुछ कमा सकती हैं ॥

हम लोग गुमला में लड़कियों के लिए एक मण्डली-स्कूल १९३९ के मार्च महीने में १ ली ता: से शुरू करेंगी, जिस में इन सब बातों के विषय सिखाया जायगा ॥ हम लोग पास्टर, प्रचारक, और मास्टरों से बिन्ती करती हैं कि आप लोग यह बात अपनी मण्डली में सुना दीजिये; टोले की लड़कियों से उस के विषय में बात चीत कीजिये और उन को भेज दीजिये ॥ चाहिये कि लड़कियां अपने विषय में कुछ लिख कर १ ली February तक भेजें ॥

(लिखना चाहिये ॥ लड़की का नाम ?
गांव या टोले का नाम ? उमर ?
किस स्कूल में पढ़ा ?
किस कक्षा तक ?
उस गांव या टोले के पास्टर, या मास्टर, या प्रचारक का नाम ?
किस इलाका से ?

(I) स्कूल का मतलब है।

(१) मण्डली की उन्नति के लिए लड़कियां मण्डली में सेवा करने को train की जायंगी (सिखायी जायंगी)। मण्डली की सेवा है, जैसे, बिमारियों के पास जाना, बिमारियों को सहायता देना, किण्डरगार्टेन चलाना, बच्चे और जुवतियों की समाज को चलाना, गिर्जा सिंगारना, खेल और नाटक का प्रबन्ध करना, अन्य धर्म्मावलम्बियों के बीच सुसमाचार प्रचार करना इत्यादि ॥

(२) घर और घराने की उन्नति के लिए लड़कियों को अपने प्रति दिन के कर्त्तव्य काम को पूरा करने को शिक्षा दी जायगी ॥ जैसे, चूल्हा बनाना, खाना पकाना, नये कपड़े सिलाई करना, कपड़े मरम्मत करना, कपड़े धोना, घर साफ रखना ॥ लड़कियां अपनी जीविका के लिए हाथों के द्वारा कुछ कमाने को सिखायी जायंगी ॥ जैसे, सिलाई का काम, खिलौने बनाना, चटाई बनाना इत्यादि ॥ लड़कियों को यह भी सिखाया जाएगा जैसे, बच्चों को शिक्षित करना, उन को पालना, पोसना, सम्भालना आत्मिक और धार्म्मिक शिक्षा देना; चंगापन, सफाई, बीमारी के विषय में इत्यादि ॥

(II) स्कूल का काम-पत्र उन विषयों के अनुसार होगा ॥

(III) लड़कियां, जो इस स्कूल में भरती होना चाहती हैं, हमारे पास चिट्ठी भेजें और अपने विषय में कुछ बतलावें।

(IV) Boarding fees 2/8/- Rs. (पैसों या चावल में लाना है)।
स्कूल–fees -/६/- (मासिक देना है)

(V) ये चीजें लाना है, बिछौने, कपड़े, १ चाटई, धर्म्म पुस्तक, गीत-पुस्तक, खाने का बर्त्तन इत्यादि ॥ एक टोकरी, या box चीजें रखने के लिए ॥

इच्छा है, कि इस स्कूल से स्त्रियों और लड़कियों के लौकिक और आत्मिक जीवन की उन्नति होवे, कि उन के द्वारा घर, टोले और मण्डली की उन्नति बढ़े ॥

इस स्कूल के लिए एक Mistress दरकार है। जो इस काम के लिए तैयार है, वह शीघ्र अपना जीवन चरित्र और certificates हमारे पास भेजे ॥

A. Diller, H. Schmidt,
Gumla P. O., Dist. Ranchi,
German Mission.

File

लुथेरान चार्च कौंसिल
रांची

महाशयगण।

आप लोगों को हम बहुत बहुत आपकी हरवाटोली-

प्रचारकपन को भाई लोगों का यीशु सहाय
आगे हम लोगों को आशा है कि हमारी यह प्रचारक
पन गुमला इलाके से देख भाल करने में
बहुत मुश्कील हुआ करता है क्योंकि
हम लोग गुमला से बहुत दूर केवल नदी पर बोर्डर में है
सो हमारा यह थोरा प्रचारकपन लोहरदगा इलाके
में मिला दिया जाय जो हमों के नजदीक सेरेंगा
प्रचारकपन तक है।

आप लोगों के आधीन
आपकी
सही प्रभुदास किन्डो प्रचारक हरवाटोली

१ नेयुसप टोप्पो
२ मारटीन एक्का
३ युनाथन एक्का
४ घमावास लकड़ा
५ सहीजीवन
६ सही

मंडली प्रचारक हरवाटोली

No objection to Harratoli being given to the Lohardala Ilaka.
J. J. Tiga
Chairman, Lohardala Ilaka
18/1/1937

सच है इस प्रचारकपन को गुमला इलाके से देख भाल करना मुश्कील होता है, सो यह इन भाइयों की सलाह है कि लोहरदगा इलाके में मिला दिया जाय।।
Rev. H. E. Kujur
6.1.37

Address:- Prabhu das Kindo
Village Akri Harvatoli
P. O. Vishunpur
Dt. Ranchi

Chu...
Received 19.11.36
Register No. 458
Date........
File 3 ... 52
Reply No........
Date........

File

महाशय,

लुथेरान चर्च कौनशिल को हमों की ओर से रघुनाथपुर अथवा नवागढ़ पेरिश का यीशु सहाय पहुंचे -

अब यह जानके कि - दिसम्बर १९३६ से ले कर आइन्दे हमारे प्रगना के भीतर में कोई पादरी नहीं रहेंगे, हमों को बहुत दुख हुआ है याने हमारे ही पेरिश ही से लुथेरानों का आरम्भ हुआ औ जब से मण्डली फैलना आरम्भ किया तब ही से एक पादरी बरबर दिया गया जिसे हमारी आत्मिक और लौकिक कि दशा दिनों दिन बढ़ती जाती थी अभी हमारे पेरिश में कोई नाव प्रचारक पन है जहां से हम लोग एक पादरी का प्रति पालन कर सकते हैं अब ऐसे पादरी की घटी देख कर हम आप से यह निवेदन करते हैं कि १९३७ को जनवरी से हमारे पेरिश के लिये रघुनाथपुर डकयोली में एक पादरी दिया जय - जिस कृपा पर आप का बहुत धन्यावादी बना रहेंगे।

II - यदि हमारे लिये एक पादरी ना दिया जय तो हमें गुमला इलाके से अलग होने का इजाजत दिया जय जिस्से आप की कृपा पर बहुत २ धन्याबादी रहेंगे

सिसाराय तिर्की उचडीह
सा: जोवालन एक्का कचड़ा ह
~~सं तोषल उयडेड~~
जुमीण उयडेह
J Narmai Xaxa
जीवन रोयोर रघुनाथपुर

महाशय

सुपीरान चार्च कौनशिल की हमों की ओर से रघुनाथपुर अथवा नवागढ़ पेरिश का यीशु सहाय पहुंचे आगे हम रघुनाथपुर पेरिश भाइयों की ओर से चार्च कौनशिल के सामने हाथों जोड़ कर आर्ज दरख्वास्त हम पेश करते हैं। कि इस मण्डली (पेरिश) को काम से काम पचास साठ वर्ष होगया। सुरु ही से यहां हमका पाद्री इस पेरिश में काम करते चले आ रहे हैं पर अभी १९२६ दिसम्बर से सुनते हैं, कि इस पेरिश का पाद्री उठाया जा रहा है और फिर मिलने का काबिल नहीं है सो हम लोगों को निवेदन है कि इस पेरिश का पाद्री न उठाया जाय जो इस हाल में जोहन टोप्पो इस पेरिश में (रघुनाथपुर टुकूटोली) पाद्री काम करते हैं इस के आने के पहिले इस पेरिश और समुचा गुमला इलाका की दशा बहुत ही बुरी थी जो कहने को योग्य न थी, लेकिन मातवर जोहन पाद्री के आने से समुचा गुमला इलाका की दशा कुछ बहुत सुधर गयी, और आशा है कि इस के रहने से मण्डली की उन्नति बढ़ेगी। इस लिये समुचा रघुनाथपुर टुकूटोली पेरिश का मतलब है कि मातवर जोहन टोप्पो बदली न किया जाय। अगर हम लोगों की यह आर्ज दरख्वास्त चार्च कौनशिल के सामने मंजूर न होवे तो इस पेरिश को छोड़ देवे, जैसे चार्च कौनशिल छोड़ देवे वैसे ही रघुनाथपुर पेरिश भी कहती है कि चार्च कौनशिल कौन है नहीं जनती है। सो चार्च कौनशिल उचित बिचार करे। और यह बात पूरी होवे तो रघुनाथपुर पेरिश धन्यवाद करेगी।

ता: १८-१२६६

जय मंगल गिद्धड़ दुकरोली

सिरस्ती मासह दुकरोली

कुशल खरखरा रघुनाथपुर

कुन्तीलाल पुरा रोपा

रघुनाथपुर

Gideon Lakra Raghunathpur

हविल खरखरा

नागरा

जोसेफ लकड़ा रघुनाथपुर

विश्वनाथ कुजूर तिग्गा रघुनाथपुर

सतीश तिर्की मासड़ोली

सौदी लाहू प्रकाश तिर्की लहारगोली

सफेन कुजूर

नोआग

बिरस्नाथ टोप्पो जोगा

जुलियस तिग्गा लहारगोली

जसमन मिंज पीबू

दीवा प्रकाश

समुल तिर्की मक्का टोली

प्रभुदयाल कर्केट्टा

पत्रस मुण्डा एक्का महारथी

अहीर: पाण्डेयकुल पदयोगी आहजार मझगाँव

जीवन एक्का

पीबो

न कोई सलकड़ा नवलगढ

तोरा तोदस

जयामा एक्का नागरा

अनिरुद्ध नागवड़ा पीबो

जकेरिया तिर्की

नागरा

आमुस मींज

जरजटा

श्री सुधि नाग एक्का

मौ० नागरा

कविरदास टोप्पो नागरा

कुशन

जोहन उरांव नागरा

धर्मदास कुजूर नागरा

साहो मसीचरन टोप्पो पकरटोली
कुसलामय टोप्पो
Masihprakash Toppo
प्रभुदयाल टोप्पा पकरटोली
पतरस टोप्पो
जुनाथान टोप्पो
इम्मानुएल टोप्पो
सिमान टोप्पो
Philip Minz Pakartoli
मानसीद मिंज पाकरटोली
मर्टीन मिंज पकरटोली
कोनराद मिंज पाकरटोली
हान्नुक कुजूर पाकरटोली
Nirmal Kujur Pakartoli
नाबासीत कुजूर
लिन्या मोन तिर्की
मुनीमानतीत
Mansidh Toppo Turidih
हानन मिंज तुरिडीह
ममसीमिंज तुरीडीह
~~आनुस~~
याकूब मिंज तुरीडीह
पतरस टोप्पो
जसैयाकुजूर तुरिडीह
राबेल टोप्पो बांसडीह
दाउद डुन्डो बांसडीह

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L. CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

----------oOo----------

No:976/36/F.-3.

Dated Ranchi, the 20th November, 1936.

Gumla Ilaka Chairman ko Yishusahay!

Ap ko malum howe ki Raghunathpur Mandali ke bhaiyon ki or se 17-11-1936 ko ek chitthi mili we likhte hain ki yah purani mandali hai aur wahan 9 Pracharak Pan hai aur ki mandali ko ek Padri ko palan karne ka samarth hai so unko ek Padri diya jawe.

Council ne Ilake ki darkhast par ki wahan do Padri karmmchariyon ka nirbah karna kathin hai aur ki Ilake men jan sankhya kam hai aur ki Padriyon ki kami ke karan Padri Johan Toppo ko Govindpur Ilaka badli kii hai so ap log janch kar khabar dijiye ki (i) Raghunathpur ka kam Gumla se chalaya ja sakta hai ya nahin

(ii) Raghunathpur mandali ek Padri ko pal sakti hai ya nahin

(iii) Aur Mandali kitna tak ek Padri ko de sakti hai.

Yadi ek Padri sambhala ja sake to Council wahan ek Padri bhejne ki cheshta karegi.

Ap ka bishwast,

[signature]

Fle 19/9

For full council

Church Council
Received 21.9.36
Register No. 357
Date........
File... 3.
Reply No........
Date........

To

The Church Council

Lutheran Church, Ranchi

महाशयगण,

आप लोगों को हम दीनदासों का बहुतर यीशुसहाय।

आगे हम लोगों को अपना दुःख बताये बिना चुप रहना असहनीय है, सो हम लोग अपना दुःख जनाते हैं कि आप लोग हमारे दुःख को घटावें।

I हम नहीं जानते हैं कि दोनों जन इसी इलाके में रहेंगे अथवा एक, और यह सिर्फ छः महिना या साल भरके लिये या कोई थोड़ा वक्त समय के लिये रहना है, सो हम इन बातों को ठीक नहीं बुझते हैं, और हमारा मन गड़बड़ी में है।

II और दूसरे इलाकाओं में केटेरिय डेढ़ दो हजार ईसाईमंडल जन हैं पर हमारे इलाके में डेढ़ हजार भी ईसाईमंडल नहीं हैं तो यह बिलकुल असहनीय है कि दो पादरी और १५ प्रचारकों को सम्भाल के स्कूल को ७) महिना (स्कूलों में) दे सकें।

III बीते महीनों में पादरियों को ६) और प्रचारकों को महिना २) करीब एलाउन्स मिला है; यदि हम स्कूल को दिये होते तो हमों को क्या मिला होता। ६)/७) हमों से आप

परिवारों को कैसे प्रतिपालन करें, कैसे बाल
बच्चों को सिखावें पढ़ावें या खबर कागज पढ़
देके पढ़ें, हमें तो अपने बालबच्चों का दुःख
देख, कृपा कार्य ही करना पड़ता है पर यह
कृपा कार्य कैसे चल जायगा।

स्कूलों में रची मास्टरी कर्मचारियों
के लड़का को Privilage नहीं है और उन्हीं
स्कूलों के लिये इतना कोशिश करता है, उन्हीं
स्कूलों के लिये हमें इतना चालाकी है कि यही
को चलो नहीं तो स्कूल उठ जायगा माने
कि कर्मचारियों ही का स्कूल है।

सो हम लोग जब तक दो जन हैं
स्कूल के लिये कुछ दे नहीं सकते हैं
और आखिरी हमारी अरजी है कि हमारे
कृपा कार्य करने को हमें सिर्फ २
मदद दिया जाय जिस कृपा पर हम
आप का बहुत २ धन्यवादी होंगे।

आप का सेवक—

H. E. Kujur

[signature]

इलाका चेयरमैन / इलाका सेक्रेटरी

Gumla—

Ilaka के मंजूरी से।
यह दरखास्त भेजा जाता है।

The Secretary,

Church Council

Ranchi.

Gumla the 18th Sept. 36.

महाशय,

आगे हम १५.९.३६ की इलाका बैठकी में दो पादरियों + स्कूल के प्रतिपालन के की विषय जो विचार हुआ सो जनाते हैं।

नं० १; I इलाका दो पादरियों को प्रतिपालन करने में असमर्थ है।

II इलाका स्कूल को मंडली आमदनी से 7) सात रुपैये मदद्दारी देने में असमर्थ है

III पादरियों के प्रतिपालन के गुमला मिशन जायदाद १९३६ से इलाका को दिया जाय

U. E. Kujur
चेयरमेन

[illegible]
सेक्रेटरी

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G. EL. CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.

-----------oOo-----------

No: 681/36/F.-3.

Dated Ranchi, the 19th August, 1936.

To,
Babu Junas Bara,
Board's U.P. School,
Murkunda.

Babu Junas Bara,

Ap ka Post Card ta: 12 August ka mila ap khulasha bat nahin likhte hain ki ap ka darkhast kis bishay waste tha. Phir itni purani bat [ke liye] abhi nai Council ko usi darkhast par karrwai karna kathin hai so yadi awashyakta hai to ap dobara apna darkhast bhejiye.

Ap ka bishwast,

To
The Church council of the
G.E.L. Church in
Chotangpur & Assam.
Ranchi.

Dated the 12th August.
1936

महाराज

आप के N. 170/32 dated 24/5/1932
7-5-5

के अनुसार मुझे मालूम हुई कि मेरा दरखास्त जिसको ता. 3-2-32 ई. में मैंने आप के पास लिखा था तो आप को मिला। इसका जवाब पाने की आशा, मैंने इतने दिनों तक देखा पर अभी तक नहीं आया है। फिर भी मैं आप की भेजी हुई चिट्ठी अनुसार इलाका में लिखता हूं। अगर वे आप के पास भेजने में देर करें या भेजने की आशा न होवे तो उनसे मेरी लिखावट जो मैं उनको लिख भेजा हूं, उसे मंगा कर हुजूर मेरी उचित विचार करने की दया करेंगे। आइन्दे हुजूर मालिक हैं।

Church Council
Received 17.8.36
Register No. 3...
Date 16.8.36
File ...
Reply ...
Date ...

INDIA
POST CARD
WRITING SPACE
ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE
NINE PIES

RANCHI
16 AUG 36
P.M.

Junas Bara
S.P. B's U.P.
School Murkunda
P.O. Gumla
Dist Ranchi.

The Church Council of
The G.E.L. Church
in Chotangpur & Assam
G.E.L. Mission Ranchi
P.O. Ranchi.

THE ANNEXED CARD IS INTENDED
FOR THE ANSWER

Secretary

Church Council

Sullivan Compound

Ranchi

महाशय,

मैं आप को जनाता हूं मोहन बाग का दरख्वास्त जो प्रधान भेजे है, सच में वह दु:ख का मुश्किलतों में पड़ा है भी अच्छा होता कि बेचार को गुनता होता कोला का चौकीदारी काम दिया जाता जिस निमित्त हम आप का बहुत धन्यवादी होंगे।

आप का विश्वस्त-

Gumla

20/6/36

J. K. Kh[illegible]

पादरी

मान्यवर सेक्रटरी,

चार्च कौंसिल, लूथेरान चार्च राँची।

महामान्यवर महाशय, ~~आप~~

आप हुजूर को मुझ दीन की ओर से बहुत यीशुसहाय पहुँचे।

आगे मैं आप का दास हुजूर से यही अर्जी बिन्ती करता हूँ कि अभी मैं कोई ६५ वर्ष का होके याने इतने दिन तक मिशन में रह के मिशन काम करते बुढ़ा हो चला पर अभी मैं बिना काम भुख वो तकलीप से लाचार पड़ा हूँ। मैं मिशन का बालपोस रह के बढ़ा वो उन्हीं से जीता था। मुझ को सैडनेस साहब देहात से लेके बालपोस बढ़ाया वो काम दिया, फिर टकरमा से गुमला में कसटेन साहेब पलादरी किया याने वे ही सादी ब्याह करके माली काम में रखे, बाद दाऊद पाद्री बाबू वो मिस्स हैन्तजे के पास रहे बाद ऐसा ही मिशन में वो जहाँ कहीं रोकाड़ी काम करके जीता था। अभी एक पैर की कमजोरी से कोई भी काम जल्द नहीं देते हैं। हुजूर अभी मेरी स्त्री बाल बच्चे सब मर गये सिर्फ एक लड़का नटोस है, मेरा न घर न एक बित्ता जमीन ही है। अभी मिशन घर में यहाँ के पाद्री बाबू के दया से ऐसा ही रहता हूँ हुजूर मैं बहुत ही दुःख में हूँ। आजःकाल पाद्री दाऊद कुजूर के यहाँ रोकाड़ी करता हूँ। मैं हुजूर को जनाता हूँ कि मैं माली काम वो चौकीदारी हाता बँगला का अच्छी तरह कर सकता हूँ।

सो हुजूर से दोहाई यही है कि गुमला में मिशन चौकीदारी या कोई दुसरा काम दिया जाय। जिस पर मैं हुजूर का जीवनप्रान्त धन्यवादी बना रहूँगा।

आप का दीनदास ——

ता: २७, ६, २६,

योहन बागे
लूथेरान हाता
गुमला।

P. Kandulna
Secretary,
G.E.L. Church.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.EL. CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.
PURN CHURCH COUNCIL KI BAITHKI KA MANTABYA.
Ta: 19 May, 1936.
---------oOo---------

7. PADRIYON KA TRANSFER AUR POSTING.

Tippani:- (e) Gumla Ilaka abhi ekhi Padri ke jimma rahe jab tak koi dusra bandobast na howe.

Memo no: 311/36/F.-3.
Dated Ranchi, the 20th May, 1936.

Extract from the Minutes of the full Church Council of 19th May, 1936 forwarded to the Rev: Johan Toppo, Lutheran compound, Gumla, for information, guidance and compliance.

P. Kandulna
Secretary,
G.E.L. Church.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L. CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM
KARYYAKARAK SABHA KI BAITHKI KA KARYYBIBRAN.
Ta: 29 June, 1934.
---------000---------

3. BAGHIMA AUR GUMLA.

Baghima Thana Palkot ke Christiyan bhai log bisheshta we jo khariya hain darkhast bheja ki Mahasabha ke samay men yah bichar hua ki yah mauza Govindpur Ilake ke Kotbo Parish men laya jay parantu adhikansh Khariya bhai log jo hain unka kahna hai ki Gumla se hamon ka pura sambandh hai, Kachahri bhi wahin hai aur Gumla najdik hai so wahin se unka dekh bhal howe.

SANKALP: Ki bhawishyat men samucha Baghima gaon Gumla Ilake ke sambandh men rahe aur wahin ka Padri use dekh bhal kare.

Memo nos: 210-12/34/F.-3.

Dated Ranchi, the 20th. July, 1934.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of 29th. June, 1934 forwarded to the Revds: J. Toppo, J.J.P. Tiga and Dharmdas Kujur for information, guidance and compliance.

Secretary,
G.E.L. Church.

Church Council
Received 27.1.34
Register No. 640
Date 25.1.34
Reply No.
Date

३

गुमला-२५.१-३४

पियारे भाई बाबू पिटर हुराद आप और परिवारों को हम सभों का बहुत २ येसु सलाम पियार होवे —

आपका ता॰ [illegible] का पत्र मिले हैं और आशा रखते हैं कि प्रभु परमेश्वर आपको भी भला चंगा रखे -

मैं आपको पत्र पा के जो मीटिंग के बारे लिखते थे — और एक नोटीस रवानह के बारे जिस को आप किस मतलब से भेजे हैं सो खुलासा नहीं लिखे हैं — जिस में तो मेरा राय है कि पुरुष को दूसरा साथी करने का इजाजत दिया जाय क्योंकि सब बातों से साबित होता है कि लड़की का दोष से बिवाह बन्धन तोड़ा जाने मालूम हुए ——

आगे मैं मंडली की खेत सलवरी — की लोहरदगा इलाका के बारे कुछ लिखता हूँ — आप जानते हैं कि पद लिखे अगर कौंसिल में सब बातें पेश होने के लायक आप के विचार में है तो पेश कीजिये नहीं तो नहीं अगर उन में से कोई बात पेश होने लायक है तो चांटर के पेश कीजिये — पर यदि पेश भी हो तो खुलासा बयान न होवे पर कौंसिल प्रचारक पत्र में आ जोता पार के सब बातों का जांच खूब रीत से और बायबल का पंच में न लौटाया जाय पर कौंसिल के आदेश होने आवेगा सो हे आपके साथ लेके गांव में जांच करे — तब मंडली की पक्षा ~~और~~ बाकी चारियों को बातों का पता

रोगियों को मंडली में किस तरह काम किया जाता है

मैं आपको बताता हूं कि गिरजा मंडली और लोहरदगा खास-परोस की दशा बहुत ही सोचनीय है खराब से खराब होती जाती है और इसके रहते से सब कुछ भी टूट जायेगा और मंडली की दशा भी दिन-ब-दिन खराब होगा ~~का~~ लोगों को डर से काम चलाया जाता है कि इनको हम से यानी पापा से बिगाड़ नहीं वे पर ईश्वर को डर व सच्चाई से काम नहीं किया जाता है— इस आसपास भी गुंजायश कोई दिखावटी व्यवहार की चिन्ता की सेवा किया जाता और उपवास व्यवहार में रहता है जांच करने से ठीक पता लगेगा— मैं एक चिट्ठी जो एक अध्यक्ष जी से मंडली की दशा के बारे लिखा है आप को पास भेजता हूं यदि हमारे कोई बातें आप पर शक होता तो यह चिट्ठी भी रख लिया जाय—

आगे रुपैया के बारे बड़ा मुश्किल है कि यदि महीना के लिये रुपैये चाहती है और एक महीना तो बीत गया फिर दूसरा महीना बाकी है एक महीना में एक हफ्ता आया आप भी मुश्किल होगा पर आशा है कि किसी प्रकार यही बात आपके पास लिखा होगा—

प्रेम से आपका
पादरी अलफ्रेड

लुधर. १५-१-३४ ई:

मान्यावार - माहाशय धर्मोपदे बाबु पान्डे प्राऊपकुमार

आपको खोपी मंडली के भाइयों से बहुतर योशुसहाय

को नमस्कार होवे

आगे मंडली का हालत तो बहुत ही खराब है

ठीक कर्मचारी के न होने से दिन्तर मतवालापन

बढ़ते जाता है सो आप को मालूम होवे

बात है कि हजूर से अरज है कि बैंक के पास कुछ पाई

रांची से आये हैं तो कृपा करके समुचा से। को सोसाइटी को

कुछ को तुरंत ये पाकुब रक्खा के हाथ में दीजिये तो मैं

आप का बड़ा धन्यावादी बनूंगा

प्रभु की कृपा से इन दिनों मैं तो अच्छे हैं

लि: आनन्दमसीह बरवला सेक्रेटरी

पाधो बाबू

धाउरा कुजुरे

गुमला

Lohardagga

१ थोड़े दिन बीत गया कि मैं लोहरदगा गया था और वहां सुने और कई एक आदमियों से जांचने से मालूम होता है कि लोहरदगा खास परिस में बहुत गड़बड़ मालूम होता है लोग अपने पादरी से अप्रसन्न हैं - निज मंडली के लोगों से और अंग्रेजी मिशन के आदमियों से मैं सुना कि यदि पादरी के यहां रहने से थोड़े बरसों में तो विश्वासी मंडली को बहुत खराब होगा अंग्रेजी मिशन के लोग भी कहते हैं कि कई गांव के लोग उन्हों के पास आते जाते हैं पर नाश करने से रुके हुए हैं सो आकर बातें उस परिस में हैं कौंसिल से जांचा जाय—

२ कोई प्रचारक पन में प्रचारक लोग जवान युवतियों को नाचडेग करने से मना करते हैं पादरी लोग एक किसिम से हुकुम देते हैं कि नाचडेग मना नहीं है धर्मपुस्तक के पुराना नियम से दिखाया जाता है कि मरियम नाचती थी—

३ कोई २ स्थान में पादरी लोग बोलते हैं कि पीना दोष नहीं है बूढ़े थोड़ा २ पी सकते हैं पर जवान नहीं—

ऐसा शिक्षा देने से जवान युवती लोग पादरी को प्रचारकों पर ऊचित टोके करते हैं कि पादरी मना नहीं करते हैं पर प्रचारक लोग मना करते हैं इसलिये और बातों में भी उन पर विश्वास करने नहीं चाहते हैं—

ये दो बातें यानी २+३ ठो का शिक्षा है वा मंडली के दिन से खराबी है मिहरबानी कर कोई सभा का निपटारा कौंसिल से किया जाय—

पादरी पाउल खुसुर

२५.१-३४

श्रीयुक्त माननीय चर्च कौंसिल को मेरा बहुत २ यीशु सहाय होवे—
मैं कौंसिल का मेम्बर होके मंडली की नई अवस्था और व्यवहार देखके और सुनके कौंसिल के आगे पेश करना उचित जानके कई बातें पेश करता हूं जिससे कौंसिल की ओर से सुधारने की कोशिश किई जाय कि मंडली में आत्मिक जीवन होवे—

१ करीब आठ मास का समय बीत जाता है मैं ने सुना और दरयाफ्त किया कि खड़ीपड़ा में कितने जवान को पुलिस पकड़ी हैं जिससे नगमतिया जाने वाले आपस में से नागमतिया विद्या सीख लिये और जो लोग उनके पकड़ा में नहीं मिलते हैं उनको डराने लगे कि अगर वे तो हम लोग सीख लिया है हम लोग तुम लोगों को जान मार के मीरा देंगे — यह बात स्थानीय पादरी को सुनाया गया कि पंच पंचैत करके इस बात का सबूत करें पर आज तक कोई पंच पंचैत नहीं किया गया पर मुलतवी रखा गया — इसी वजह से आमोतला उस गांव में खिस्तानों के बीच में दो भाग होके चला आता है- खड़ीपड़ा के खिस्तीयान और उसके आता को आमय किजाबत सफाई से जांचा जाय—

२- आजकल मंडली में विश्वासी को मतवालापन को नाच जहां २ इससे विशेष बढ़ जा रहा है — कहीं २ पंच लोग गिर्जा करते हैं कभी २ गिर्जा का भी ठिकाना नहीं होता है, गिर्जा के लिये ठहराया हुआ जन गिर्जा करने के लिये हाजिर नहीं होता लोग गिर्जा में जमा होते तब कोई उसी समय उठके गिर्जा करता- जैसा जरजरा में पंच लोग एक लड़के को गिर्जा करने के लिये कहते वह भाग चला गया सब लोग गिर्जा में हाजिर आये लड़के का पता नहीं तब कोई उसी समय बिना सोचे बूझे उठके गिर्जा करने लगे — मुकदमा का प्रचारकों से जांचा जाय—

३- आत्मिक बातों के बारे कोई विशेष देख भाल या जांच नहीं किया जाता है — पंच के लोग जमा करते और अपने काम में खर्च करके कई महीनों तक हिसाब किताब का ठिकाना नहीं अथवा कहीं २ कई महीनों तक जमा भी नहीं किया जाता है — प्रचारकों से दरयाफ्त करने से मालूम होगा

४- एक गांव में योहन व्यभिचार के दोष में दोषी ठहराये गये पादरी से पंचपंचैत किया गया उनसे जरवाना भी ठहराया गया पर मंडली सजा नहीं दिया गया —— गम्हरिया—

५ कई स्थानों में जवान लोग बातें जाने हंस भी दिखाये जाने के ऐसा मालूम होता है — डाहूटोली — बबु सिमलिया प्रचारक से जांचा जाय
ये उपरोक्त बातें प्रकट तौर से, गुप्त में पाइ ले जांचा जाय कौंसिल की ओर से ——

पादरी ठाकुर —— ता: २५·२-३४

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L.CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM.
PURN CHURCH COUNCIL KI BAITHKI KA KARYYABIBRAN.
Ta:14 February, 1934.

-----------oOo-----------

14. JULIUS TIGA KI BIMARI MEN JHARPHUNK.

Padri Daud Kujur ne yah report dii ki Babu Julius Tiga ne apni bimari ke samay men jharphunk panso mauja ke kisi Ojha se karwaya tha ityadi. Is report par batchit hui ki isko lene men uttam upay kya hota. Sthir hua -

SANKALP: Ki Julius Tiga ke sambandh ka Daud Padri ka report usko phiraya jay aur uske bishay Ilake men wah is bat ko dale wa na dale so uski ichchha par chhora jay parantu Council is bishay ko note kar leti hai.

Memo no. 842/34/E-3.
Dated Ranchi, the 15th. February, 1934.

Extract copy from the Minutes of the Church Council of 14th. February, 1934 forwarded to the Rev: Daud Kujur, Lutheran Compound, Gumla, for information.

Secretary,
G.E.L. Church.

OFFICE OF THE COUNCIL OF THE G.E.L.CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM
CHURCH COUNCIL KI KARYYAKARAK SABHA KI BAITHKI KA MANTABYA.
Ta: 16 October, 1933.

----------ooo----------

11. WILLIAM TOPPO, GUMLA.

Gumla Ilaka ke Chairman ne wahan ke ek bhai William Toppo ke byabhichari hone ke sambandh men Panch ke ijhar aur phaysla bhej diya ki Council apni ray dewe. Bataya gaya yah bhai dand se bachne ko Angreji Mission bhag ke jana chahta hai.

SANKALP: Ki Gumla ke Padri ko likha jay ki William Toppo shighr hi mandali dand men rakha jay aur Council uske sambandh men Bishop sahib ko likh kar jana dewe.

Memo No. 592-93/33/F.-3.
Dated Ranchi, the 15th. December, 1933.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of 16th October, 1933 forwarded to the Rev: Johan Toppo, Gumla, for information, guidance and compliance,

[signature]

Secretary,
G.E.L. Church.

(3)

File

2

15.3.33
653
20.2.33
3.

Report of Gumla Commission appointed for verification of certain church property which the Ilaka Panch said were with the late Chairman Rev. Daud Kujur.

We the members of the Commission went to Gumla on the11th January 1933. As soon as we arrived there we sent a man with a letter to Rev. Daud Kujur requesting him to attend the meeting to be held at noon but he did not come. We were told that he was to attend the Court. We therefore talked with the Ilaka Panch about Swapalan work within the Ilaka.On enquiry we found that in some Pracharakpans there was a slight increase of income from Gharasirni but in most of the Pracharakpans there was no increase. This is due to the fact that persons appointed to look after collection were not doing their work in right earnest. We again instructed them to mind their respective duties and to go from house to house,to have prayer meetings and request every house-owner to contribute something that lies in his power towards the support of our church.

Next day Rev. D. kujur came to us in the morning. We told him why we went there and requested him to attend the meeting that was to be held half an hour later so that everything might be settled amicably and the misunderstanding between them removed. He said that he would come. But when the bell was rung he did not come. As we had requested him verbally only half an hour before we did not think necessary to send to him a man again. When we were leaving Gumla he met us on the way near his house and complained that he was not called in the meeting,he did not go as he thought we might have taken some other subject at the beginning. We made our enquiries regarding the articles claimed by the Ilaka Panch in the absence of Rev. D Kujur with the following result;-

Items nos 1 to 3.(Mandli khajana register,school khajana and Boarding khajana registers for1916 to 1923.).

The Ilaka Panch withdrew their claim upon these registers saying that they would no longer be of any use to them.

Item no 4. (Swapalan and Prabhuprit lands). From enquiry we found that church was never in possession of any other lands except those purchased during the time of Missionaries. These very lands were entered by Rev D. Kujur in his account book as Swapalan and Prabhuprit lands.

pump
Item No 5 (Magic lantern). The Ilaka Panch says that it is still with Rev. D Kujur. He may now hand it over to the present Chairman.

Item No 6. Danr land worth Rs 60/) This is the land bought for school playground.

Items no 7,10,11,12,14 None could say that these things were still in existence and as they are things that easily break Rev D. Kujur's explanation regarding them may be accepted.

Item No 8 (Phori land). This land was in possession of the old owner who as Mokro Pracharak said returned the money some 4 or 5 years ago.

Item no 9.(Table & 3 locks) . This table is with the present Ilaka chairman

Item no 13. All the documents are with the Board of Trustees

In the above circumstances and as we found in the course of conversation that the feeling between the two parties was dying out we recommend that Rev D Kujur's explanations regarding items nos 1 to 13 may be accepted and regarding Item no 14 (Arrear rent) C. C may decide who is responsible for it.

Samuel Purti
20/2/33
N. [illegible]
23/2/33

We the members of Gumla Commission called for the account books kept by Pastors as well as by the Pracharaks on the 11th January 1933. The two pastors produced their books but 4 Only out of 13 Pracharaks produced their books. So the following books were before us - 2 Parish account books, 4 Pracharakpan account books, 1 Ilaka account book and 1 Acquittance roll. The entries in the Pracharakpan account books were found to tally with those in the Parish account books; the entries in the latter also agreed with those in the Ilaka account book and the entries in the Ilaka account book on account of pays also agreed with the figures in the acquittance roll. We found that the Ilaka account book was written up to June 1932 only. The Chairman said that the book was with the C.C. Treasurer from whom he received it back early in December and so he could not enter in it the amounts centralised from July 1932 to date. The amounts centralised by Raghunathpur Parish were shown in a rough copy only. We instructed him to write it up at once. The Pastors centralised their incomes monthly but out of the Pracharaks some centralised their incomes monthly while others did so in two months.

Samuel Purti
20/2/33

N. [illegible]
23/2/33

Church Council
Received 11.7.32
Register No. 132
Date 8.7.32
File 3.
Reply No.........
Date.........

[illegible] 11/7/32
2517

माननीय चर्च कौंसिल सेक्रेटरी को यीशुसहाय।

ज्यों कि आप की चिट्ठी नम्बर ३४४/३२ ता: ६ जुलाई १९३२ जो कि नम्बर १९२-९३ के बारे में है आप का विचार इलाके पंच के जरिये इस प्रकार किया गया —

कि Executive ता: २७-५-३२ के नम्बर १ — कि बाबू दाऊद कुजुर पादरी का दरखास्त पढ़ा गया और मरीवत के वितर्क के उपरान्त इस प्रकार का फैसला किया गया —

२ — (क) कि पादरी बाबू दाऊद कुजुर मिशन जमीन का जोत कोड़ इलाके के चेयरमैन की हैसियत पर करते थे और न कि शागिर्दान की हैसियत पर।

(ख) कि पादरी बाबू दाऊद कुजुर का चेयरमैन का काम जब इन्तकाल हो गया तब ही से मिशन जमीन के किसी तरह के बन्दोबस्त का भी इन्तकाल हो गया; इस कारण मंडली पंच उसको मिहनत वो पैसा खर्च को नहीं जानता है। इस बात का फैसला तथा चर्च कौंसिल की बैठकी ता: ६-५-३२ नम्बर १९६-९७ और चर्च कौंसिल की बैठकी ता: ३०-५-३२ नम्बर १९२-९३ पढ़े गये और अत्यन्त सोच और विचार के बाद यह फैसला किया गया —

संकल्प — पादरी बाबू दाऊद कुजुर के खेत कोड़ाई और मिहनत का खर्च दिया जाय। परन्तु Exe. के मंडली की चीजों को दावा के जांच के मुताबिक नीचे लिखी चीजों को मालिकों के देवें —

— चीजों की फिहरिस्त और खर्च।

१ - मंडली खजाना बही १९२६-१९३२।

२ - स्कूल खजाना बही " — "

३ - बोर्डिंग खजाना बही " — "

[illegible]

४ — खपालन और प्रमुप्रीत खेत।
५ — मैजिक लालटेन और पम्प।
६ — डांड़ जिसका दाम रु०) १९३०, ११ महीना।
(ख) डांड़ जिसका दाम रु०) १२ महीना १९३२।
७ — पिरीच प्याला।
८ — फुड़ी खेल।
९ — टेबल और तीन ताला।
१० — दवाई शीशा।
११ — फाउन्टेन पेन आठ।
१२ — ड्रेसिंग बेग (क) सूटकेस (ख) बेग।
१३ — कानूनियत, लागत १५॥)
१४ — हुक्का तीन।
१५ — जमीन, जगहों के बीते बरसों की मालगुजारी लगभग ४०)

J. Jaffer
8/7/32
Chairman
Gumla Ilaka

B.S. Ekka
Gumla Ilaka Panch Secy.
8-7-32.

इन चीजों का समझौता
किया जाय — जिससे झगड़ा शांत रहे।

J. Jaffer
8/7/32

The Secretary,
Church Council,
Lutheran Compound Ranchi.

Gumla the 8th Sept. 32.

महाशय,

इलाका के फैसलानुसार (19-5-32 No 5) अर्ज यह है कि गुमला मिशन जमीन का बकाया माल कौंसिल से दिया जाय, क्योंकि जमींदार + राजा का तहसीलदार बार २ दिक कर रहे हैं, जिस कृपा पर इलाका आप को बहुत धन्यवाद होगी.

आप के विश्वासी
J. Tappo
Chairman

सेड्यूल + रसीदानुसार बकाया —

1.	गुमला हाता + कबर —	१९३२ का	4-8-6
2	नवाटन चट्टी खेत	"	9-6.3
3	ढूंढूरिया टांड़	१९३०-32	19-6.6
4.	गुमला खेल मैदान	१९३२.	1.0.0
5	चेटरे का खेत	"	4.8.0
			Rs 38-13.3

Thirty eight Rupees thirteen annas and three pies only.

चीजों की फ़िहरिश्त और खर्च

४. स्वपालन और प्रभुप्रीत खेत:— रु० आ० पा० तारीख

क.. स्वपालन खेत का धान बिक्री ... २४-०-० — १५.६.१९२२

ख.. स्वपालन खेत का धान बिक्री .. ४९-०-० — ८-५-'२३

ग: प्रभुप्रीत का खेत ... ४२-१-९ — ८-५-'२३

घ: गुमला स्वपालन खेत ... ११५-०-० — ७-५-'२४

च: स्वपालन खेत ... ५०-१४-० — २२-४-'२५

छ: प्रभुप्रीत ... ३४-१२-० — २२-४-'२५

ज: १ स्वपालन व प्रभुप्रीत पैदा धान .. ८१-०-० — १-४-'२६

२ " " " गोड़ा धान .. १९-८-० — १-४-'२६

झ: प्रभुप्रीत खेत पैदा ... ५७-३-६ — २६-६-'२७

मीजान ४६७-७-३

(५) मैजिक लालटेन का पम्प और बत्ती .. ४९-०-० — १७-४-'२६

४९ रु०. केवल

(६) क. टांड की कीमत ... ३०-०-० — १७-५-'३०

ख. टांड की कीमत ... ३०-०-० — १६-११-'३०

ग. टांड की कीमत ... ३०-०-० — १-१-'३१

जमा ९० रु. केवल

(८) फूड़ो खेत का पैदा ... ५-११-० — १०-७-'२५

जमा ५-११-०

(१४) छटको ३ ... ९-९-० — १-१२-'२०

जमा ९-९-०

(१३) कबुलियत ... १५-८-० — ४-११-'२२

जमा १५-८-०

(१०) दवा स्याक:—

... १४-०-० — ९-७-'२४

(क) दवा ... ०-१२-० — ७-२-'२५

(ख) " ... ७-०-० — ७-७-'२५

(ग) " ... ५-०-० — २-२-'२७

(घ) " ... १-५-० — १०-'२७

(च) " ... १-२-९ — १-४-'२८

(छ) " ...

जमा २९-१०-९

कृपाकर उलटाइये।

दवा स्टाक :-

		रु०	आ०	पा०	
	B.F.	२९	१०	६	
(ज)	दवा	०	१	३	१-५-१९२८
(झ)	"	५	११	०	४-७-'२८
(ट)	"	१	४	०	७-७-'२८
(ठ)	"	२	११	०	११-११-'२८
(ड)	"	१	४	०	१-७-'२९
(ढ)	"	१	२	०	~~६~~-१-'३०
(त)	"	२	६	०	५-८-'३०
(थ)	"	१	२	०	१-९-'३०
(द)	"	२	५	०	३-३-'३१
(ध)	"	४	६	०	४-'३१
(न)	"	२	३	०	७-७-'३१
	मीजान	५४	१	९	

(११) फौन्टेन पेन्स :-

		२	४	०	१९-१०-१९२४
१.	फौन्टेन पेन	२	४	०	१९-१०-१९२४
२.	" "	१	१	६	२-९-'२५
३.	" "	३	८	०	२३-५-'२६
४.	" "	४	८	०	२-२-'२७
५.	" "	०	२	०	८-२-'२८
६.	" "	३	८	०	२-४-'२९
७.	" "	३	८	०	१-७-'२९
८.	" "				
	मीजान	२०	११	६	

(१२) टूरिङ्ग बैग्स :-

१.	टूरिंग बैग	१	१०	०.	५-९-'२८
२.	" "	५	०	०	११-११-'२८
	जमा मीजान	६	१०	०.	

Church Council
Received 25.10.32
Register No 340
Date........
File...... 3 ......
Reply No..........
Date..........

24/10/32
24 OCT. 1932

श्रीयुक्त माननीय कौंसिल को मेरा बहुत २ यीसु सहाय होवे -

गुमला इलाका पंच की ओर से कौंसिल के पास इत्तलाय किया गया हिसाब किताब के बारे में और कौंसिल की ओर से मुझ से कैफियत तलब किया जाता है मैं दीनतापूर्वक जो सच्चा और वाजिब है कौंसिल के पास अपना कैफियत दाखिल करता हूं -

३ मंडली खजाना बही १९२१ ई - १९२३ —— जब से मैं पादरी सीर साहेब से चार्ज लिया उस समय मुझ को कोई हिसाब की बही नहीं मिली सिर्फ रुपैया मिला। सो मैं अपनी बुद्धि अनुसार केवल एक कैशबुक किताबों में मिआर प्रकार के हिसाबों को लिखता रहा जैसा मंडली खजाना, स्कूल फीस और बोर्डिंग फीस इत्यादि - हमारे हिसाब बही पंचों से जांच होता था - ऐसा ही काम १९२३ तक चलता रहा। ये सब एक कैशबुक बही अलग रहे और पुराने होकर जब दरकार नहीं हुआ तब छोड़ दिये गये और फट फाट गये क्योंकि मुझ को मालूम नहीं था कि बराबर इनको हिफाजत के लिये रखना होगा - पीछे १९२४ में मालूम हुआ कि हिसाब किताबों का बड़ा बही रखना चाहिये उस समय से बड़ा बही रखा गया - स्कूल और बोर्डिंग का हिसाब मेरे समय में बहुत दिनों तक कोन्सरा के पादरी लौरेन्सियुस लकड़ा लिखते थे और रखते थे और मैं सिर्फ जांच करता था उसे आप लोग पूछ सकते हैं वह आप लोगों को बता सकेगा कि हम लोग कैसा बही रखते थे ——

४ स्वावलम्बन और प्रभुप्रीत खेत —— स्वावलम्बन जमीन जो गोलाचान डिक्की के रुपैया से लिया गया था और मलदह चट्टी का जमीन जो प्रभुप्रीत खजाना से लिया गया है ये सब जमीन स्वावलम्बन और प्रभुप्रीत खेत है और उन्हीं जमीनों के पैदा के बिक्री का दाम लिखा गया है -

५ - मुजिक लालटेन का पत्थर और बत्ती —— पत्थर और बत्ती कलकत्ता से मिशन ही काम के वास्ते लिया गया ये दोनों चीज अभी तक मौजूद है —

६ - डांड का कीमत —— स्कूल डांड को लेने के समय मिञ्जर समय में जिलेदार को रुपैया दिया गया सो ही बही में दर्ज है ——

७ पिरिच पियाला — पिरिच पियाला लिया गया था क्योंकि सेन्टर होने से बड़े छोटे लोग हर समय आते जाते हैं बेसब टूट फूट गये —

८ फोड़ी खेत — फोड़ी खेत लिया गया वहाँ में दरज है वहाँ से बहुत दाना पैदा नहीं आता था क्योंकि उस जमीन में तनाजा था —

९ टेबल और तीन वाला — टेबल पादरी के घर में मदजूद है वह सकार को लिये बनवाया गया था — एक ताला और चाबी उसको दिया गया था पर उसको वापस फिरा दिया वो ताला खराब हुआ —

१० दावा स्टोव — बिमार समय में दावा लिया गया था खरीद के बनाया गया — यह दावा बोर्डिंग आदि मंडली को आपने सरकार के वास्ते खर्च किया गया

११ फौंटेन पेन ~~[illegible]~~ — फौंटेन पेन कई का लिया गया था सिद्धान्त के काम के वास्ते यह बेशी कीमती वाला नहीं या कई एक टूट गया और कई एक जल्दी खराब हुआ. उसमें मरामती को परट को सियाही आदि लोगों में जो खर्च हुआ सो सब बाहों में फौंटेन पेन लिखा गया है फौन्टेन पेन का सिद्धान्त के वास्ते बहुत ही दरकार होता था जालम दीवान लेखाना नहीं चलता था —

१२ हुरिंग बेग — हुरिंग बेग चमड़ा का मजबूत वाला नहीं था परटट का बोरा का था फट गया दियां खाया —

१३ कागुलियत का बगल — स्कूल डांड लेने समय में कागुलियत दाखिल करने में जो खर्च लगा सो ही बाहों में दर्ज है —

१४- लालटेन — चाल रखने के वास्ते लिया गया था फट गया दियां खाया —

१५ जमीन जगहों के बीते बरसों की मालगुजारी लगभग ४०) १९३१ का मालगुजारी नहीं दिया गया है क्योंकि १९३० हो से मंडली में मरी गोलमाल ~~[illegible]~~ हुआ जिसके वजह से नाना प्रकार की आमदनी गिर गई - और जो थोड़ा थोड़ी आमदनी मंडली और खेतों से हुआ कार्यकारियों के वलय में सिन्हा लिया गया जिसके वजह से मालगुजारी बकाया पड़ गया — साहेबों के जाने के समय मोटरसा हुआ था पर मैं आहिस्ते भर दिया —

पादरी दाकर बहादुर

4 ✓ ✓

OFFICE OF THE SECRETARY LUTHERAN CHURCH COUNCIL CHOTANAGPUR & ASSAM.
PURN CHURCH COUNCIL KI BAITHKI KA KARYYABIBRAN.
Ta: 18 January, 1933.
----------ooo----------

14. JULIUS TIGA GUMLA.

Secretary ne Gumla Ilake ke Babu Shantiprakash Bakhla Ilaka Secretary ki chitthi parh sunai jismen Nathaniel Lakra aur Kushal Kanshi aur Babu Julius Tiga ke mandali men grahan kiye jane arthat unke upar ki mandali saja uthane ka samachar likha tha. Is ke sath sath ~~[illegible]~~ *ek dusra* report usi bishay par ka parha gaya . Kaick prakar ke bhaon aur nitiyon par aur sthaniya bartman dasha par bat-chit hui aur niptara hua ki -

SANKALP: Ki Babu Nathaniel Lakra, Kushal Kanshi aur Babu Julius Tiga ke mandali men bhitar kiye jane ka jo samachar mila hai uski yatharthta par tatha grahan karne ke bidhi-bidhanon ke sambandh men Secretary Gumla ke Padri se puchhpachh aur tadaruk karen jisten spast jana jay ki sab kam niyamit riti se kiya gaya hai athwa nahin.

Memo no: 1267-68/33.
F.-3.
Dated Ranchi, the 23rd. January, 1933.

Extract copy from the Minutes of the full Church Council of 18th. January, 1933, forwarded to *the Revds. J. Toppo & D. Kujur* for information, guidance, and compliance.

[signature]

Secretary,
G. E. L. Church.

महाराज चरण कौशल का इसी
सोपा-मनुष्य को आशीर्वाद पायो था
अगर दूसरों का होगा
लाभ ने का मतलब नहीं
है - कि - इन लोगों का
मतलब - जैसा धारणा में बहुत
स्वरूप होता है - त्याग का
नहीं है - मोटा प्रचार
नहीं सुनते हैं - पाकर - लोग
भी - साल भर में एक दिन
भी - मुश्किल से नहीं सुनते
है - का हिन्द पाकर ही ठीक
है - का - रखना आपको
था - और रही का भी कागज पर
न पाओ
इसलिए आज - हम लोग
ज्यादा [illegible] दूर से पास बोले

INDIA POST CARD

WRITING SPACE REPLY. ADDRESS ONLY

[illegible]

महासभा मे दोनो

[illegible]

रांची
पो:
दी. रांची

1266/33.
F.-3.

4th. February, 33.

K

Manyawar Padri Daud Kujur,

Ap ko mera bahut Yishusahay !

Ap kar ka Card mujhe mila aur sab hal malum kiya. Bishesh bat ki ap ki chitthi pakar main Gumla ke Padri ko phir bhi likh diya hun ki wah kisi se abhi jaminon ka bandobasti na kare jab tak Council ke thahraye huwe ang bandobast karne ke liye na jawen. Ap John sahib se likha parhi karke Gumla ki tarikh thik kar lijiye.

Age shubh,

[signature]

5 ✓

1264/33.
F.-3.

4th. February 33.

Padri Johan Toppo,
Ilaka Chairman Gumla,
Gumla.

Ap ko Church Council ka bahut Yishusahay !

Ap ke pas main Church Council ka sankalp no: 14 bhejta hun jisko dekhne se ap ko malum hoga ki is bishay par ap se kya manga jata hai Jisten bishay adhik spasht ap ke liye howe mujhe Council se kaha gaya hai ki main adhik bistarpurbbak ap se puchh pachh karun. So main nimn baton ko Council ko jankar rakhne ke liye puchh pachh ya tadaruk karta hun arthat :-

1. Ap ko spasht malum hai ki Babu Julius Tiga ka mandali se alag kiya jana Church Council ke adesh par hua. Council apne tinon Paddhariyon ko bhej kar aur Deputationon ko bhej kar uske sambandh ki baton par tadaruk kii aur har samay yahi paya ki Julius ke kam aur bichar mandali ke niyam aur riti aur bidhanon ke biprit hai aur is liye usko Prabhubhoj se alag karna awashya hai jisten wah sudhre. Usko mandali se alag karne ke karan ityadi ap ki Ilaka Minute Book men bhi darj hai. So jab ap jante the aur ap ko bataya gaya bhi hai ki Council ki ray par wah mandali se alag kiya gaya to uchit hai ki uska mandali men phir grahan karna Council ki anumati se howe. So Council ab janne chahti hai ki ap usko Ilake Panch ki puri sammati aur manjuri se khud, Aradhana ki bidhi bidhan anusar mandali men grahan kiye hain wa nahin? Phir yadi ap usko ap hi khud mandali men grahan kiye hain to usne apna pap kaisa man liya. Ilaka Secretary ne jo likha hai ki Babu Julius ne in baton ka uchcharan kiya ki "main biti hui baton ko bhul jata hun ityadi" yah to man lena nahin hai. So ap ne usko girje men bidhan anusar papchhama diya ki nahin aur usne apna pap man liya ki nahin isko saph saph likh bhejiye. Aur jab ap jante hain ki Council ki anumati se wah mandali saja men rakha gaya hai to ap kyon Council se usko bhitar karne men anumati nahin lete hain. Aisi bhari bat Ministerium men bichar ke liye lai ja sakti hai kyonki padri ke kartabya ki bat is men lagi hui hai.

2. Phir waisehi Council janne chahti hai ki Nathaniel Lakra aur Kushal Kansi ya Jaydhar ko mandali men Kalisa ki Aradhana ke anusar apne grahan kiya ki nahin. Arthat bidhi anusar jis samay men mandali grahan karte hain usi samay ap ne unko grahan kiya ki nahin Ap ne usi din men Chaha ganw ki ek stri ko grahan kiya kya usi chhan men in ko grahan kiye athwa girja ke ant men unko bulaye? Kya apne chhama dene ki bidhi ko parh ke unko punargrahan kiya athwa Bhajan Sanhita 23 ko kewal parhe ? Kya bidhan anusar unhon ne ap ke samhne apna pap man liya ?

3. Ap ko age janaya chahta hun ki abhi sab Ilakon ki jaminon ko shayka men bandobast karne ke liye Council ke ang thahraye gaye hain Ap ko hukm mil chuka hai so ap girje men yah samachar sunwaiye ki jamin shayka men lagaye jayenge so lenewale taiyar rahe. Samay bataya jayga. Ap kisi se bandobast na karen so takid janiye.

Age shubh,

[signature]

Church Council
Received 16.1.33
Register No. K94
Date 13.1.33
File 3
Reply No.
Date

16.1.33.

श्रीयुत मान्यवर चर्च कौंसिल को मेरा बहुत २ येसु सहाय होवे—

श्रीयुत चर्च कौंसिल को मालूम होवे कि आज कल गुमला मंडली में बड़ी गलती होरही है और हो गई है जो मंडली के नियम के विरुद्ध है और सारी लूथेरान मंडली के लिये ठोकर का कारण और बुरा नमूना साबित पड़ता है— क्या अपने यहां का पादरी और लोकल पंच कौंसिल की अनुमति से लिये वा अपनी मन इच्छा वा मतलब से लिये— सो का बात के इसका निपटारा किया जाय— लूथेरान मंडली में ख्रीस्त बपतिस्मा पाने का नियम रखा गया है वा एक दूसरे का प्रार्थना पाने के लिये धर्म कर्म प्रचार वा नियम कानून मंडली में रखा गया है वा हर एक पंच वा पादरी अपनी मन इच्छा से मंडली के नियम कानून की रीति विधि को अदल बदल करके अपनी मन इच्छा वो मतलब से मंडली में रीति विधि वा आइन कानून बना सकते हैं— कोई पादरी वेदी के सामने चोरी के छल कपट को कर सकते हैं वा मंडली के नियम के अनुसार कर सकते हैं— इलाका पंच से कौंसिल का सम्बन्ध है कि जेतम पंच बनके बिना इलाका पंच के किसी बड़ी रवानों का निपटारा कर सकते हैं—

मैं कई एक लेख की बातों के द्वारा मालूम कराया कि गुमला के स्थानीय— लोकल पंच पुलिस और उसके दो साथियों ने मंडली सभा को उठाने का परिश्रम करते हैं और अनपढ़ और गांवर लोगों को नाना प्रकार की छल चतुराई की बातों से राय में लाके मंडली सभा को उठाने की चेष्टा कर रहे हैं तब कौंसिल में विचार हुआ कि मंडली सभा उठाया नहीं जा सकता है जबरदस्ती करके उसको मंडली के सामने मान लेके मंडली भीतर होने होगा—

I कौंसिल को जनाते हैं कि ता० २२-२२ प्रभु के जन्म पर्व के दिनों में पादरी चोरी की छल कपट से मंडली के नियम के विरुद्ध तथा मिसल को ये चार बदी को मंडली भीतर लिया— जिसको ~~[illegible]~~ ये निकाल बैठने हर में नहीं जानते हैं कि क्या हो गया है इन लोगों के विषय में इलाका पंच में मंडली भीतर होने का कोई पंच पंचैती नहीं हुआ था वे अचानक मंडली भीतर मंडली के आइन के विरुद्ध ग्रहण किये गये— अर्थात पादरी वहां गांव के एक स्त्री को ~~[illegible]~~ मंडली के सामने वेदी के पास बुलाके मंडली के नियम के मोताबिक ~~मंडली~~ में पहिले ग्रहण किया— तब गिरजा के अन्त में आखिरी बिन्ती के लिये मंडली उठ गई तब एक जन उन दोनों को ~~मंडली~~ वेदी के सामने हाजिर किया तब पादरी मंडली ग्रहण होने की आराधना विधि को न पढ़ के धन्यवाद गीत के २२ वें गीत को पढ़ा और उनको मंडली भीतर किया— गिरजा में मंडली के लोग कुछ नहीं जानते हैं— मंडली में गिरजा में इस बात के विषय एक बात तो नहीं [illegible] मंडली को जनाया कि वे मंडली ग्रहण

किये जाते हैं– सारी मंडली को दखल है जानती है कि आमियों का रोग है
मंडली के लोग दखल नहीं जानते हैं कि वे मंडली भीतर हुए वा नहीं ऐसा दखल
देने की चतुराई की चोरी आचरण ईश्वर के वचनों के साहब ने किया जाता है
यह बात फैल जाने से सारी मंडली के बीच विकार का आसरा होगा
लोग तुरन्त बोल उठेंगे जब मौका मिलेगा कि पादरी लोग भी दखल का काम
करते हैं वेदों के साहब ने सच्चाई का प्रचार होता है दखल करना किसी के तरफ़ से
का व्यवहार नहीं प्रचारा जाता है हरएक पादरी अपने मतलब से काम करते हैं
कि मंडली के नियम को मतलब का काम किया जाता है– यदि अब कोई अपने निज
इच्छा से काम करेंगे तो अपने तरफ़ वाले लोगों को अपनी इच्छा से जैसा चाहेगा
वैसा को नियम से पहला करेगा और दूसरों को दूसरे नियम से तो मंडली में
एकता और मेल मिलाप का व्यवहार कभी नहीं हो सकेगा

II ता॰ १२.३२ को गुमला हाता में इलाका पंच की कई मेम्बर की प्रचारक की कई बड़े
दिहात लोगों का पंच बैठी थी जिसमें पादरी नूपर एक्का सेक्रेटरी था उस में चाहा जाय
कि फुलियुस टिग्गा को पंच के द्वारा मंडली भीतर होने को समझाया गया तब
वह पंच को जवाब दिया कि आप लोग मंडली भीतर करने चाहते हैं तो हमारे
अनमोल धन को जो हमने पाया आप लोग हम से छीन लेने मांगते हैं– हम तो
आगे से जानते थे कि हम मंडली बाहर होंगे इसी लिये इस काम को शुरु किया और
प्रेसीडेन्ट को भी बोला कि आप मुझे समझा दिये और यदि ऐसा नहीं करते हैं तो
आप अन्याय करते हैं अब तो हम अपना पवित्र प्रतिज्ञा रखने चाहते हैं– उस समय
मंडली दराड उठाने का कोई भोट वा विचार आचार नहीं हुआ पर मंडली भीतर होने का
समझाने बुझाने का विचार हुआ ता॰ १२.३२ को बैठकों में राय हुई कि वह
मंडली के साहब के मान लेके मंडली भीतर होने का– फिर ता॰ १२-३२ पंचैस के बाद
सिलमना माइर आर्चिएहाम फुलियुस के घर जाके उस को समझाने लगा तब वह
उस को पास बोला कि हम मंडली भीतर नहीं होंगे हम धर्म को विरुद्ध नहीं
किया है पर कलीसिया को आइन को विरुद्ध किये हैं–

III ३१-१२-३२ गुमला की गिरजाघर में फिर बैठकी हुई– इस में चन्द्रमोहन इन्सपेक्टर
योहन डान्डर और लूथर एक्का लरको पूर्णचन्द्र नाथसी मुख्य थे– इस पंच में पादरी नहीं
था जो कि वह मंडली का चेयरमैन है आपने बदले में पूर्णचन्द्र नाथसी को चेयरमैन
का आसन दिया– पंच बैठने का कारण हुआ कि फुलियुस का दराड उठाया जाय–
बड़ी चतुराई से फुलियुस पेटा के लोगों से दस्तखत दिया गया कि उसका दराड उठाया
जाय– पंच बुलाने को लिये एक नोटिस दिया गया जिसमें कौन पंच में हाजिर होंगे
उनका नाम दिया गया था चाहे कोई किसी पंच का मेम्बर होवा नहीं– जिसमें दत्ता
डाकूटोली चरा चेटर आसपास के नज़दीक गाँव के लोग थे– पंच में सवाल
हुआ फुलियुस की से मंडली भीतर किया जाय तब कई मुख्य जनों को छोड़ आधीत
चन्द्रमोहन, डान्डर, एक्का को पूर्णचन्द्रनाथसी कई जन को छोड़ सभों ने भोट दिया
किन्तु जिन्होंने मंडली के साहब को मान लेके हाँ किन्हों ने दस्तखत पेश किया
वे फिर सवाल में सामिमिल होने भोट दिये– और यह भोट किसी रजिस्टर में नहीं
लिखा गया पर एक साधारण कागज में लिखा गया–

यह बात देख के चन्द्रमोहन, डान्डर, एक्का फुलियुस के दराड उठाने को
बात किया और बोले कि अगर वह वेदों के साहब के न जाय तो काउन्सिल
किया जाय तो किन्तु बोले उसका सब का उठाया जाय– फिर सवाल हुआ कैसे
उठाया जाय तब चन्द्रमोहन बोला कि हमारा विचार है कि किसी मंडली को सुनाया जाय

कि उसका मंडली सभा उठाया जाता है तब पीछे सभों का राय हुई कि उसका मंडली सभा उठाया जाय — और चोन्दहम बोला कि मंडली में यह बात तमाम फैलाया जाय जिससे सभों को मालूम होवे और पंच का कोमन मोशन पास किया कि उसका सभा उठाया जाय — किसी ने कहा क्या जबराई किसी को मंडली मेम्बर करना चाहिये — थोमस बोला कि कोई पानी पीना नहीं चाहता है तो जबराई उसको पानी पिया जाता है वैसे ही जो मुलियुस नहीं चाहता है तो भी जबराई करना होगा —
कितने बोले कि मंडली की नियम को मोता कि मंडली मेम्बर करना चाहिये तब चोन्दहम लूथर आदि बोलने लगे मंडली का कायदा कानून कुछ नहीं है जैसा हम लोग चाहेंगे वैसा कर सकते हैं — ऐसा करने से भी सिल इस बात को मंजूर करेगा — चोन्दहम आदि बोलने लगे हम लोग जैसा चाहेंगे वैसा करेंगे चाहे सभा उठा सकते हैं चाहे रख सकते हैं इसमें भी सिल का क्या अखतियार है — डाक्टर बोला कि भी सिल मौत के पूर्व रीति मंडली सभा उठा देवे — भी सिल को बात कहाँ हुई और कहाँ सुनाई जाती है भी सिल को छोटी सी गलती पर लोगों का विशेष ध्यान होता है यह जो और का कारखाना और पुराना मुना है ——

जब मुलियुस को सभा उठाने को बात स्थिर हो गई तब चोन्दहम बोला कि अभी तो हम लोग मुलियुस का सभा उठा दिये हैं तो आगे मुलियुस जैसा मंडली में पहिले काम करता था वैसा ही फिर करेगा वा नहीं सो मुलियुस को क्या राय है तब मुलियुस बोला हम मांगने नहीं आया पर जब आप लोग देते हैं तो लेंगे — आप लोग जो फैसला हमारे बाबत किये हैं उससे हमारा जी बहुत खुसी है इसके वास्ते हम आप लोगों का बहुत धन्यवाद करते हैं पर इस बात से मुझ को थरथरी हो रही है और एक बड़ा परिवर्तन का बोझा सा मालूम हो रहा है हम तो पहिले पक्के ख्रिस्तान थे पर बीते साल से आधा ख्रिस्तान और आधा संसार और इस साल से पूरे संसार होंगे — अब हम इस साल से आप लोगों से बिदाई चाहते हैं अब आप लोग मुझ को नहीं देखेंगे हमों का आत्मा तो एक है पर शरीर अलग होगा — तब लूथर बाबू बोला कि आप ऐसा बिदाई का बात बोलते हैं तब मुलियुस बोला आप लोगों को पास पाक प्रचारक हैं पर अब हम संसारिक होके संसारियों के बीच में धर्म प्रचार करेंगे तब आप लोगों से अलग होंगे —
आखिर फैसला हुआ कि मुलियुस का मंडली सभा उठाया जाय और गिरजा में सुनाया जाय तब कितने बोले यदि मंडली आइन मोताबिक नहीं किया जाता है तो मंडली में धर्म नहीं है तब नथानियल और कितने बोलने लगे धर्म तो है ही नहीं मानते धर्म न मानते कुछ नहीं है अन्त में मुलियुस बोला यदि मंडली सभा का नियम पालन किया जाता तो बड़ा मुसकिल होता —

तब इतवार नये साल को गिरजा में पादरी नहीं पर शांति प्रकाश मास्टर पादरी को बदले गिरजा किया और सभा उठाने को बात मंडली को सुनाया कि ता० १२-३२ इलाका पंच से और २१-१२-३२ इलाका पंच से गजेटियर कीस्थानिये और गांव पंच से मुलियुस का सभा उठाया जाता है वह अब पहिले के समान मंडली में काम करे इतना कह के समाप्त होने पर गिरजा को साम को बम गोला छोड़ा गया ता० १२.३२. को पंचेस में मंडली सभा उठाने का विचार कोमोन नहीं हुआ था इलाका पंच का सेक्रेटरी होके हाजिर था

ઉસીસે જાંચનેસે માલુમ હોગા ઇસ પ્રકારસે ગાંવોં મેં ઝૂઠી બાત સુનાઈ જાતી હૈ
ઔર ૩૧-૧૨-૩૨ કુરાકુલા(?)કા પંચ નહીં થે ઔર ગાંવ પંચ મેં સમુચા [illegible] ઇલાકા
કે ગાંવ કે પંચ નહીં થે સમુચા ઇલાકા ઇસ બાત કે વિષય બિલકુલ અનજાન
હૈ ઐસા માલુમ હોતા હૈ કિ [illegible] કા ધર્મ ઔર નિયમ ખેલ તમાશા હૈ
ધર્મ ઔર વિશ્વાસ કા નહીં હૈ પર એક દૂસરે કો ડાહ ભી દિખાને કે લિયે હૈ
યદિ સચ્ચા [illegible] પર રહના ઔર પંચોં કા [illegible] જીવન હોતા તો [illegible] અવસ્થા
કે નિયમ પર ખેલ તમાશા નહીં કિયા જાતા — ઔર મૌસિલ(?) કો બિના સલાહ
મશ્વરા(?) નહીં હોતા ઔર કિસી કો જબરદસ્તી સે મંડલી ગઠન(?) કિયા જાતા
[illegible] કિયા ગયા હૈ તબ તો [illegible] કા ધર્મ ઠીક હૈ જો દૂસરોં
કે [illegible] મેં આ ગયા ઇસમેં મુખ્ય ચલાને
હારે [illegible] મોહન [illegible] બાબુ હૈં જિન્હોંને પુલિયુસ(?) કો
મંડલી બિગાડને કે લિયે બનાયે પર જબ ઉસકા મન કઠોર હોને લગા
તબ વે ઉસકા [illegible] કે લિયે ઉસકા [illegible] કે લિયે
લોગોં કો [illegible] —

૨·૧·૩૩ શ્રી [illegible] માષ્ટર [illegible] કે આંગન મેં [illegible]
માષ્ટર જબ ઉસે પુલિયુસ કા મંડલી સભા [illegible] જાના કો [illegible] કિયા
તબ શ્રી [illegible] માષ્ટર ઉસકો બતાયા કિ મૌસિલ હી પુલિયુસ કા મંડલી
સભા [illegible] હુકુમ દિયા કિ [illegible] પંચ કો [illegible] સો [illegible] ઉસમેં
સામિલિત ન હોવે- [illegible] ઇસી લિયે [illegible] ૩૧-૧૨-૩૨ કો પંચેત મેં હાજિર
નહીં હુઆ ઔર [illegible] કા આસન નહીં લિયા ઔર પુલિયુસ કો મંડલી
સભા [illegible] કે દિન [illegible] નહીં કિયા ન [illegible] પર ધ્યાન દેને કે લિયે
[illegible] મેં હાજિર હુઆ — [illegible] માષ્ટર સે યહ બાત જાંચા જાય યદિ યહ
બાત સાબુત હોગા તો હર સ્થાન કા ઝગડા [illegible] હારા ઔર મંડલી નિયમ
તોડવાને હારા મૌસિલ હી હૈ — [illegible] પાદ્રી [illegible] પાદ્રી [illegible] બાબુ
કો [illegible] કિ મૌસિલ કે [illegible] કિ [illegible] પુલિયુસ કો જાંચે
કિ વહ મંડલી ગઠન હોને ચાહતા હૈ વા નહીં — [illegible]
મૌસિલ કો [illegible] હૂં કિ મૌસિલ ઉપરોક્ત બાતોં કો જાંચે
ઔર વિચાર કરે કિ [illegible] પાદ્રી [illegible] ઐસે બડે [illegible] મતલબ સે
[illegible] સકતે હૈં કિ [illegible] નિયમ હૈ — મૌસિલ જૈસા ઉચિત સમઝતા
હૈ વિચાર કરે — તા: ૩૧-૧-૩૩

પ્રેમસે
[illegible]

No 112 G. 1/2

9.1.33

Received 9.1.33
Register No. 477
Date 3.1.33
File 3
Reply No.
Date

महामान्यवर,
सेक्रेटरी चर्च कौंसिल, रांची।
गुमला ता. ३-१-१९३३।

महाशय,

चर्च कौंसिल के सब मेम्बरों को गुमला इलाका पंच की ओर से यीशुसहाय।

आगे ता. ६-१२-१९३२ दूसरी इलाका को, जुलियस तीगा बाबू को मराङली में ले लेने की सम्मति वो तारीख ३१-१२-३२ इलाका कार्य्यकारिशाहे, मराङली पंच वो गांव-पंच की सम्मिलित बैठकी की, बाबत, ४० मराङली मुखियाओं की जुलियस बाबू को मराङली में ले लेने को अपील के फैसले का नकल आप को पेश किया जाता है।

बहुत देर लों तर्कवितर्क वो वादाविवाद के बाद यह फैसला हुआ।

संकल्प — जुलियस तीगा बाबू मराङली में ले लिये जावे और यह बात चर्च कौंसिल वो दूसरे इलाकाओं को लिखित बजरिए जनाई जावे।

इसपर जुलियस बाबू ने अपनी इच्छा प्रकाश कर इन बातों का उच्चारण किया — "मैं बीती हुई बातों को भूल जाता हूं और आगे मैं पुनः मराङली में मिलकर नये बल और नये उत्साह के साथ काम करूंगा।

ता. २५-१२-३२ को बाबू नथानिएल लकड़ा और कुशल कांसी और ता १-१-३३ को बाबू जुलियस तीगा - ये तीनों मराङली में ले लिये गये।

आप का विश्वस्त -
S. T. Bakhla Secy
Ilaka Panch.

File

Church Council
Received 3.10.32
Register No. 301
Dated 1.10.32
File 3.
Reply No. ....
Date ....

Lutheran Mission
Gumla.
1/10/32

My Dear Sir,

This is to inform you that I am not going to make "Confession" and so no hope of entering into Church. Meantime I was arranging for marriage which, however, to due to excommunication I could not carry on and so the marriage has been cancelled on the 25/9/32. I wanted to have the national (Oraon) form of marriage while the girl stood for church one. I had no other alternative. I am given to know that the girl is denying further betrothal to another person. I am sorry for her yet I cannot do anything. She would not like Court marriage nor Oraon Marriage. I think this a point to refer to Church authorities. I hope its is an interesting yet pitiable story.

Yours Sincerely,

Julius Tiga.

D. O. 945/32.
E. - 3. 15th. Nov: 32.

Dear Mr. Purti,

Herewith connected papers on the subject of <u>Church Property verification</u> of Gumla Ilaka. The list supplied by the Ilaka with their notes and Rev: Daud Kujur's explanation on the subject are in these pages numbering 7. The resolution of the Church Council has already been forwarded to you.

Please return these papers when done with along with your report

Mr. S. Purti,
Convener,
Gumla Self-support
Propaganda,
Ranchi.

Yours sincerely,

OFFICE OF THE SECRETARY LUTHERAN CHURCH COUNCIL CHOTANAGPUR & ASSAM.
CHURCH COUNCIL KI KARYYAKARAK SABHA.
Ta: 28 October, 1932.

-----------ooo-----------

11. GUMLA KE KITNE SAMPATTI.

Gumla Ilake ne likha tha ki wahan ki purani Bahiyan tatha kitni chijen ab tak purane Padri ya Chairman se nahin jimma dii gai hai. Un sab ka phihrisht bhi bheja gaya tha. Padri Daud Kujur se iske bare likh kar puchha gaya. Jo jabab diya gaya hai so parha gaya is bat par thori batchit hokar niptara hua.

SANKALP: Ki Gumla Ilake ke liye jo Commission swapalan ke sambandh men thahrai gai hai wahi Commission Padri Daud Kujur ka jabab aur Ilake ke kagjaton ka aur chijen ki phihrisht par dekhbhal aur janch kar apna report dewen.

Memo no. 891-894/32.
F.-3.
Dated Ranchi, the 4th. November, 1932.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of 28th October, 1932 forwarded to Mr. S. Purti, Mr. N. Soy, Revds. D. Kujur & J. Tiggo for information, guidance and compliance.

[signature]

Secretary,
G. E. L. Church.

6

~~ ~~ 10/9/32

From, No 19

The act. Secretary Ilaka Panch, Gumla.

Church Council
Received 10.9.32
Register No. 245
Date 8.9.32
File 3
Reply No.
Date

To The Secretary, Lutheran C.C. Ranchi,

Dated, Gumla the 8th Sept., 1932.

Dear Sir,

I beg to send you the copies of the resolution of the Ilaka Panch and the copy of the list of furniture and articles agreed with the value or price shewn in the different registers and the copy for land revenue due till 1931.

Hope you would kindly ack: the receipt of them all.

Yours Sincerely,

S. P. Bakhla

act. Secretary Ilaka Panch

पूर्ण इलाका पंच की बैठकी

गुमला

ता० ६-९-१९३२

डिपुटेशन के आने के पीछे गुमला स्कूल बगान के तनाजा के बारे जो लिखा पढ़ी हुई है और फिर डिपुटेशन के यहां आकर काम करने के विषय, गुमला इलाके के चेयरमैन की रिपोर्ट जो बोर्ड आफ़ ट्रस्टीज के पास ता० १४-७-१९३२ को भेजी गयी उस पर C.C. के सेक्रेटरी की कार्रवाई की बाबत इलाका कार्यकारिणी कमेटी की ८-७-३२ का फैसला दृढ़ाते हुए जवाब दिया जावे।

मान्यवर सेक्रेटरी C.C. को गुमला इलाका पंच की ओर से यीशु सहाय।

आपकी चिट्ठी न० ४८६/३२ / एफ़-३० और न० ६७२/३२ / एफ़-३० जो गुमला इलाके के चेयरमैन की चिट्ठी न० ६६ ता० १४-७-३२ जो ट्रस्टी बोर्ड के सेक्रेटरी के पास भेजी गयी उ जिसपर आपने इलाका चेयरमैन पर विशेष कै कार्रवाइयों की बातें लिखी और कैफियत मांगे हैं इसपर इलाका पंच कार्यकारिणी सभा की तारीख ८-७-३२ के फैसले को समर्थन करती हुई अफसोस के साथ आपको ट्रस्टी बोर्ड की चिट्ठी न० २३०/३२ वो डिपुटेशन की चिट्ठी तारीख २७-६-३२ वो आपकी चिट्ठी न० ३२९-३३३/३२ / एफ़-३० और चर्च कौंसिल का फैसला तारीख २०-१०-१९३२ (१९३१ ?) न० ९८२-९८३/३२ / एफ़-३० पर ध्यान खींचती हुई इलाका जानना चाहती है कि उसपर अभी भी क्या फैसला हुआ।

Sd/ Rev. J. Toppo
Chairman
9.9.32

Sd/ Rev. L. Ekka
6.9.32
Secretary.

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

LUTHERAN COMPOUND.
RANCHI, (Behar) India.

Secretary: **P. HURAD,**

No. 344/32
F/3

Dated the 4th. JULY *19*32.

Rev. J. Toppo.
Gumla.

Dear John Toppo,

I wish just to draw your attention to this office Memo. No. 192-93. dated the 31st. May last, as the same jas not been acknowledged yet nor any reply received thereto. In short, I have come to know that no payment has been made to the Reverend Kujur so far. In this particular case, the Ilaka must pay the due expenses incurred by the Rev. D. Kujur in ploughing and tearing up the lands and the Council's order must be complied with, else you will be held responsible for non-compliance of the order and its subsequent consequence.

I trust you have been using your good influence in bringing about a healthy atmosphere and thus establish peace and order in the congregations. Let our Lord give you strength and wisdom to overcome the extremes which are harmful to the cause of the Church, specially at this stage.

With all goodwishes and hearty Yishusahays,

Yours sincerely,

P. Hurad

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845.—Autonomous 1919.]

LUTHERAN COMPOUND.
RANCHI, (Behar) India.

Secretary: **P. HURAD,**

No. 297/32.
F. - 3.

Dated the 27th. June, *19*32.

The Head-Master,
Lutheran U.P. School,
Gumla.

Your letter regarding School garden received. You all know that this question is being handled by the Church Council. You need not be in hurry about it. The Council and the Rev: D. Kujur have come to a understanding already. Now a Commission of the Council will go and in the presence of the Rev: D. Kujur will make a demarcation of the piece of land which will be then recorded and a registered document executed for it. The Ilaka will then take possession of it & formally. It would be unwise on your part to fence it or bring it into possession without documents. I would ask you to put a stop to all rash acts in the name of the Church Council.

[signature]

Secretary,
G.E.L. Church.

OFFICE OF THE SECRETARY LUTHERAN CHURCH CO UNCIL CHOTANAGPUR & ASSAM
CHURCH COUN CIL EXECUTIVE KI BAITHKI KA MANTABYA.
Ta: 30 May 1932 Somwar.
-------------ooo-------------

GUMLA KI JAMINON KI KHETI

Padri Daud Kujur ka darkhast parh kar suna gaya. Malum hua ki Gumla ke logon ne sthaniya Panch men pramarsh karke un jaminon par dhan bun diya jin par Daud Babu ne jot kor kiya tha aur jinke liye Council ne likha tha ki jot kor ho jane ke karan is sal ke liye Ilaka Padri Daud Kujur ko likhaparhi karke dewe. Abhi Padri Daud Kujur ki arji hai ki jotai korai karne men jo unka kharch hua hai so unko de diya jay kyonki we age iske liye jhagarne nahin chahte hain.

SANKALP: Ki Gumla Ilake ne Council ki anumati anusar jamin ki kheti ka prabandh nahin kiya to uchit hai ki Padri Daud Kujur ko un jaminon ki jotai korai ka kharch Rs 19-2-0 Ilaka shighr de dewe jin jaminon par Ilake ne dhan bun diya hai.

Memo. No. 192-93/32.
F.-3.
Dated Ranchi, the 31st. May, 1932.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of the 30th. May, 1932 forwarded to the Revds: Johan Toppo and Daud Kujur Gumla for information, guidance and compliance.

Secretary,
G .E.L. Church.

7 8

Church Council
Received 31.8.32
Register No. 225
Date 27.8.32
File 3
Reply No. ....
Date ....

31/8/32

The Secretary
Church Council, Lutheran Church
Ranchi.

Gumla the 27th aug. 32.

महाशय,

आप की चिट्ठी ता० २६ अगस्त ३२ Memo No 672/32 / F. 30 जो Council executive की २५+२६ अगस्त का निर्णय है, जिसके जवाब में मैं जनाता हूं कि Deputation जो आई थी उसके सम्बन्ध में गुमला इलाका कार्यकारिणी से अर्थात कमिटी के राय और मंजूरी से (पादरी जे. टोप्पो) चेयरमेन जरिये सेक्रेटरी ट्रस्टी बोर्ड को लिखी गई जिसमें Council executive ने Deputation सिर्फ पादरी उपर आपत्ति मुझ को दोषी जान के केवल मुझ को जवाबदेही करती और मान लेने कहती है। पर वह मेरे जरिये आई कि मेरा बात नहीं है न कि मैं केवल उसमें हूं, इसलिये मैं सिर्फ मान ले नहीं सकता हूं। क्योंकि इस को सभा ने विचार और लेख की मंजूरी करके भेजी गई, उसमें मैं अकेला कैसे नाम लिया जा सकता हूं।

(ख) फिर जो explanation सेक्रेटरी कौंसिल को इलाका कार्यकारिणी द्वारा

उसकी बैठकी में विचार को लिखा जाके
चेयरमेन जारिये भेजी गई पर कौंसिल
Executive सिर्फ मेरा नाम लेके ऐसी
बातें लिखती है, सो मेरा प्रार्थना यह
है कि यह बात इलाका गुमला कार्यकारिणी
को लिखा जाय। (चेयरमेन जारिये)
जिससे यह बात मालूम हो जाय।

आप का विश्वासी
Johan Toppo

No 16

~~19/8/32~~

Dated Gumla, the 9th August 1932.

Dear Mr. Hurad,

I wrote to Mr. Sanna direct regarding to demarcation of land at Gumla because from his letters and also verbally from him I learnt that I am an agent as chairman of the landed property of the mission direct under the Board of Trustees. So far I know that Church Council is a body just entrusted to look after its general administration but the direct authority to deal with it rests with the Board.

I find various correspondences regarding the very school garden and other lands of the mission direct coming from the Secretary Board of Trustees in reply to various letter sent from here. Copies of the letters will be forwarded to you if asked for. Now from all these it is apparent that there is no bar for me if I made direct communication regarding the land with the Secretary B'OTs.

2ndly. You accuse me for the wordings I gave in my letter regarding the movements of the Deputation of the Church Council. My wordings as also appears in ~~my~~ your ~~lettery~~ letter are "~~It~~ walked this way and that way and talked here and there but did nothing". I donot understand how you charge me as being the master of the executive and its deputation. If I were or had any such notion in me I would not have remained silent merely watching the proceedings of the Deputation. I would have either tried to command or done something of the kind.

I did nothing of the kind and so I am not prepared to accept your remark noted above.

As for the wordings I can still say the same in the absence of any communication made to me even till now as chairman regarding either of the deliberation and the action taken by the deputation. Till now I know nothing what has been decided regarding the land. You can well realise my position. I am to look after the interest of the congregation and to answer them as chairman and agent and not doze them and thus make the condition of the Gumla mission from bad to worse.

I donot think that you are unaware of the existing fact of the mission. So I in communicating to the Secretary B. of Ts. I wrote out in the most plainest terms which expressed what was visible to me and to my congregation. There is nothing in the wordings which appear to be more or less inorthing what we observed from our naked eyes.

We never meant to insult the deputation to the Secretary nor we want to do so. But I in my anxiety for the welfare of the mission property I wrote to the Secretary B. of Ts. communicating him how far the matter came to a progress.

I can not boast of my knowledge in English and according to my education certainly I know less than yourself but I think in what I wrote I expressed correctly what was visible. So I think you unexpectedly misunderstand me and so I can not accept your remark.

3rdly. You accuse me for not reporting to you the fact that Revd. Daud Kujur sowed some seeds to the School garden. I think you learnt it from the deputation. But I think you should have learnt about it fully from the deputation for it is reported to the deputation by me when it came. We could not report earlier as it was done one day or so before the deputation came here. So when we personally reported the fact at the earliest opportunity I did not think it necessary to report through post office.

4thly. You again accuse the mission for fencing before the arrival of the Church Council.

But I respectfully beg to state that this was done in the instruction contained in the letter dated 29th June 1932 of Mr. Panna.

Lastly I beg to point out that the letter I wrote to the Secretary Board of Trustees was done in full consultation of the executive of the Ilaka Panch and so you can not insult me

singly as you appear to do so. But now I won't fail to say that I tried my best to clear your misunderstanding and I hope you will be satisfied.

With yishusahay.

I am.

Yours Sincerely,

John Toppo

OFFICE OF THE SECRETARY LUTHERAN CHURCH COUNCIL CHOTANAGPUR & ASSAM
CHURCH COUNCIL KE KARYYAKARAK SABHA KI BAITHKI KA MANTABYA.
Ta: 14 July (Brihaspati) 1932.

-----------ooo-----------

7. ORGANISER KA BETAN

Gumla men Head-Quarter rakh ke Organiser ka kam karne ke liye Padri Daud Kujur February mahine se lag aye gaye the. Ap ne us samay se Organiser ka talab pane ka darkhast diya. Is bishay par khub bichar aur soch kiya gaya aur ant men men yah sankalp hua -

SANKALP: (k) Ki Padri Daud Kujur jab se Organiser ka kam kiye tab se lekar apne kam ka pura pura report nahin diye hain so ap ko likha jay ki ap un mahinon ka pura report apne kam ka Council ko dewen.
(kh) Ki ap ko A kewal April ke ant tak Organiser ka talab diya ja sakega kyonki April men Mahasabha ki agya se ukt kam ka ant kar diya gaya.

Memo No. 441-442/32.
F. - 3.

Dated Ranchi, the 20th. July, 1932.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of 14th. July, 1932 forwarded to the Rev: D. Kujur & Rev: M. Oreha, Treasr, for information, guidance and compliance.

[signature]

Secretary,
G. E. L. Church.

OFFICE OF THE SECRETARY LUTHERAN CHURCH COUNCIL CHOTANA GPUR & ASSAM
CHURCH COUNCIL KE KARYYAKARAK SABHA KI BAITHKI KA MANTABYA.
Ta: 14 July (Brihaspati) 193 2.
-----------oOo----------

17. GUMLA MANDALI KI CHIJON KA PAWNA LIST.

Gumla ilake ko likha gaya tha ki wah padri Daud Kujur ko Rs 19-2 ana mission jamin ki jotai korai ka dam de dewe. Iske pratyuttar men kuchh baten likhi gain xxxxx aur ek phihrisht mandali ki chijon ki bhi bheji gai jo Council ke age pesh hu i. Bichar hone par yah phaysla hua -

SANKALP: Ki Padri Daud Kujur ko Gumla se b heji hui phihrisht ka ek nakal diya jay aur unse un chijon ke sambandh men puri riti se tadaruk kiya jay aur ilaka se bhi yah janch kiya jay ki in chijon ka pata unko kahan se mila so praman sahit pratyek chij ka pata batlaya jay aur un chijon ka kya kimat hai so bhi puchha jay.

Memo No. 426-27/32.
F.-3.

Dated Ranchi, the 21st. July, 1932.

Extract copy from the Minutes ofthe Church Council Executive of 14th. July, 1932 forwarded to the Revds: J. Toppo & Daud Kujur, Gumla. for information, guidance and compliance.

Secretary,
G. E. L. Church.

File

Church Council
Received 2.7.32.
Register No. 115.
Date 1.7.32.
File 2.
Reply No.........
Date.........

2/7/32

India Mission of
CHURCHES of CHRIST
in Great Britain.

CHRISTIAN MISSION.
DALTONGANJ, E. I. R., BIHAR.

June 28th 1932.

Rev. Joel Lakra.

Ranchi.

My dear Joel Lakra,

Your Padre Urbanus Kujur, of Lohargada, is here, and has made known to us the decision of your Council with regrad to the promising field of Christian service in Ranka riyasat, Palamau district. It is evident from his remarks that you consider this your territory. He says that he has had orders to proceed to work there. We have had two long talks over the situation. He admits that as regards the nearness of the field to Daltonganj we have the prior claim, . As this matter is urgent, I have already written to Mr. Helland, stating the position and requesting the Executive to appoint one or two arbitrators to decide the point for us. I shall be glad if you will approach your own Church Council. If we can decide the matter without the aid of a third party so much the better. I shall be glad to hear from you or the secretary of your Council at your earliest convenience.

With greetings,

I remain,

Yours sincerely,

R. P. Pryce

Referred to the C.C. for action

[illegible]

Pls. transmit a P.C. to Rev. R. P. Pryce informing him.

[illegible]

P.C. written to Mr Pryce informing him that his letter is being forwarded to C.C. ~~[illegible]~~ Action. vide this office No 167 d/ 1.7.32. [illegible]

Church Council
Received 29.6.32
Register No. 108.
Date 24.6.32
File 48 or 3.
Reply No.
Date

29/6/32

श्रीयुक्त मान्यवर चर्च कौंसिल को मेरा बहुत २ येशु सहाय होवे-
आगे अरज गुजारिस ऐसा है कि चर्च कौंसिल के तरफ से मुझको
हुकुम मिला मंडली के ओरगेनैजर काम के लिये सो मैं फरवारी
महिना के १७,१८ तारिक में ओरगेनैजर का काम आरम्भ किया
कई जगहों में- परसीडेन्त मिंट को रोकटोक के कारण और २ जगहों
मुलने नहीं सका तीन महिना से ऊपर उसी काम में रहा- जून
महिना के १५ तारिक से कौंसिल की ओर से बदली का हुकुम
मिला- पर आपने घर के जरूरी काम के कारण मान्यवर कौंसिल के
पास छुट्टी का दरखास्त किया है- आज्ञाधीन कर्मचारी का
दीनता पूर्वक अरज है कि कौंसिल की ओर से ओरगेनैजर काम
के लिये जो बेतन ठहराया गया है- सो फरवारी १८ से
माहवार का बेतन दिया जाय जिसमें आज्ञाधीन कर्मचारी और
उसके परिवार का परवारिस होवे- आइन्दे हाजुर मालिक हैं

ता: २४-६-३२

पाद्री दाऊद कुजूर
लूथेरान मिशन हुमला-

From: 62 G. 8 File 27/6/32
The Headmaster, Lutheran M.S. School, Gumla.
The Pastor Supervisor Lutheran Mission, Gumla.

Church Council
Received 27.6.32
Register No. 102
Date 25.6.32
File 3.
Reply No.
Date

To,
The Secretary Lutheran Church Council, Ranchi

Sir,
With regard to the letter no 939 S/25/6/32 of the Head Supervisor of Schools, I beg to put a few lines before you for your favourable consideration and order

That I am in an urgent need of a school garden for nourishing and planting divers sorts of plants and seedlings and start the experimental works regarding agriculture and horticulture and so on in the School. I have been instructed departmentally to do the same.

That the garden existing just close to the school on the east is meant for the same purpose. Perhaps you know that this garden was well fenced with green thorns and wires, but one or two years elapsed the fence is wholly destroyed by the late Ilaka Chairman. The Local Mandli Panch or the Ilaka has determined to fence it and make the garden serviceable. But I regret greatly to inform you that although the boundary lines of this plot is prominant yet there seems to be uncertainty and dispute of the same.

P.T.O.

That is to say the old fencings clearly show that the mission acquired this whole plot. To make the garden free from the attacks of cows and other animals the Panch started the fencing work. The late Head master, Babu Ignatius Lakra began the same, beginning from the eastern side. He finished enclosing it with the wire but some how or other the wire got broken. In this way it remains without fencings and it is the time for fencing. I hear this eastern boundary line is the disputed portion. I hope the C.C. has taken the matter in its hand and has settled the matter.

Under the above mentioned circumstances I pray that you would kindly write me the resolution of the C.C.'s meetings or send me the copy of the resolution of the decision about the garden of Gumla at your earliest convenience, for which act of kindness I shall ever remain grateful to you.

Gumla. 25.6.32.

I have the honour to be,
Sir
Your most obedient servant,
Shanti Prakash Bakhla
Luth. U.P. School, Gumla.

Rev. J. Zoppo
25/6/32

Church Council
Received 30.5.32
Register No. 49
Date 26.5.32
File 3.
Reply No. ....
Date ....

9 File

श्रीयुक्त मान्यवर चर्च कौंसिल को मेरा बहुतर यीशु सहाय होवे —

मैं आप लोगों के पास अपने इज्जत को रखा के लिये कि कुमला के मिशन जमीन को एक वा तीन बरसों के वास्ते काबुलियत शीर्षक करके आधा बटई में बन्दोबस्त किया आपके लिये दरखस्त किया था — और पादरी मोहन टोप्पो को मोजब वह कौंसिल में आया था समझा दिया गया था। विशेष करके जोत कोड़ किये हुए जमीन को इलाका पंच में फैसला करके सभा में बन्दोबस्त किया जाय जानकर के वास्ते काबुलियत लेकर के — पर वहां इलाका पंच में कोई बात विचार न होके स्थानिया पंच में फैसला करके मेरे भायों और मुसमोहना से जोते कोड़े तैयार किये हुए जमीन में शांति प्रकाश मास्टर तीन चार गांवों के लोगों का ३०, ४० हार जमा करके फौजदारी के तौर मुझको बिना नोटिस दिये बिना जनाये जमीन पर बिहन जबरदस्ती से बुनवा दिया — आप लोगों से मेरा अरज है कि मेरा जो जमीन तैयार करने में खर्च बरखवा लगात हुआ है जो दुनिया के दस्तूर मोताबिक हो सो दिया जाय जैसा मैं पादरी मोहन टोप्पो और कौंसिल को मोजब वाजीब हिसाब दिया हूं — मैं झगड़ा तकरार से बाज आता हूं तैयार किये हुए जमीन पर जबरदस्ती से बीज बोया गया फौजदारी करके मुझ को बिना जनाये सो तो झगड़ा बढ़ाने का रास्ता निकाला जाता है — जैसा दुनिया का दस्तूर है विचार किया जाय — २६-५-३२।

प्रेम से
पादरी दाऊद पुजुर

— कमरसेन पांडे पोहन टोप्पो की इत्ला का पंचनामा —

गुजारिश यह है कि फिदवी ने मिशन की अराजियात में से खेत के मवाज़ी पांच आना ज़मीन दोन को गलावे हाता के अन्दर जो डीह बहुत ज़माने से सख्त में जाता आता था को इसका दस्तूर साबिक इस साल में खर्च व मेहनत करके दो आना ज़मीन दोन को हाता के अन्दर ठूकाट के डीह को जोत कोड़ लिया है अब कुछ पर बाकी रह गया है लेकिन कल ह से ता: २३-५-३२ शांतिपुरकाधा मास्टर मौजेरवाड़ियापड़ा, डूमर टोली को चेटर से 20, 30 हार लेनवाले लेकर आगये हो फिदवी अराजियात मज़कूर को जुतवा रहे हैं — हालांकि फिदवी उसमें बहुत खर्च कर चुका है को फिदवी को अभी तक कोई इतलाय छोड़ने के वास्ते नहीं दिया गया है इसलिये फिदवी दरख्वास्त देकर उम्मेदवार है के बराह ख़ामिन्दी या तो फिदवी को इस साल पर अराजियात मज़कूर अधबटाई पर खेती करने दिया जाय - या न हो तो फिदवी का मौजूदह खर्चा जुतवाने व खेत तैयार करने में हुआ है - वे फिदवी को दिला दिया जाय - फिदवी खेती कर के मिशन के आदमी को साहब ने कामिल बांट देने को तैयार है —

नीचे तपसील खर्ची जोतफोड़ वो जमीन तैयार करने में लगा है

दोआना दीन—

१ जोत ३ बार ...... छ रोज ...... फी बार ३ आना के दर ...... ३।=)
२ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ... ३।=)
३ ,, ,, ,, ४ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, २।)
४ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, २।) ११।)

डांड १

१ जोत ३ बार २ रोज ...... ,, ,, ,, ,, ,, ।।।)
२ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ।।।)
३ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ।।।)
४ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ।।।) ३)

डांड २

१ जोत ३ बार २ रोज ,, ,, ,, ,, ,, ,, ।।।)
२ ,, ,, ,, १ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ।।-)
३ ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ,, ।।-) १।।=)

दो जून लो ३ रोज ४ आना के दर ...... १॥)

ढेला फोड़ाई चार आदमी २ आना के दर ३ रोज ...... १॥ ३)

कुल मीजान — १९=)

Daniel Kujur

23.5.32.

10

१९३२ की महासभा

(६, ४, ३२) में भागी मत होईये।

(सही) जुलियस तीगा
गुमला
२०. ३, ३२

Babu Bijay Kujur

C/o. Rev. D. Kujur

[illegible]

[illegible]

[illegible signature]

2-4-32

श्रीयुत मान्यवर – वचनों सिलको मेरा बहुत २ प्रियमुस हाय होवे—

आगे विन्तापूर्वक आप लोगों को जनाता हूं कि यहां का गोलमाल दिनों दिन
१ और बढ़ता जाता है – जब से योहन पादरी गुम लाया तब से जूलियस पादरी
और मेरे विरोधियों का उत्साह और बल और पराक्रम जोरों से बढ़ता जा रहा
है – मुझ पर चढ़ाई करने के लिये रोज बरोज पंचैत से हल्ला गुंज रहा है। पादरी
२ उचार पंच और मेरे विरोधियों का पंच बनाके पंचैत में लगा हुआ है मुझ
पर दोष लगाने और मेरे और मेरे घरों को दुर्दशा करने और मेरे परटियों को
लचलाने के लिये ऐसा देखा जाता है कि मैं उसका पूरा दुशमन को बैरी हूं
उसकी दृष्टि में मैं विनीत और शुद्ध हूं जो कुछ पंच होगा सो मेरे और
मेरे घराने और मेरे परटियों के विरुद्ध – मंडली भलाई के बातों में नहीं
पर एक दूसरे को गिराने के बातों में – मैं नीचे आप लोगों को जनाता हूं
आप लोग कृपा करके विचार करके देखिये यह मंडली का हो रहा है—

१- आजकल देखा जाता है कि जूलियस पादरी का मुख्य अगुवा
हुआ है उसको हर एक पंच का मेम्बर बनाया है – क्योंकि उसी के घर हो में
जाके सलाह समत करता कई बातों का परामर्श लेता और पादरी उसके मोताबिक
चलता और करता है – वह कई पंचों में मंडली बाहर आदमियों को पंच
३ का मेम्बर बनाके उनके संग बैठके सलाह विचार करता हर दम बैठता उठता
जैसा खिस्तोदास तिगा जो दो, बिरस से मंडली बाहर है और जूलियस को कौन्सिल
पंच बनाया है और जोलियस को मैनेजिंग कमिटी का मेम्बर भी बनाया है और २ पंच
में भी जोलियस हाजिर होता है। जब २ मेरे विषय की बातचीत होगी जूलियस
४ जरूर पंच में हाजिर होके उसका सलाह देने वाला होता है – और पादरी उन्हीं
के संग बैठके सलाह विचार करता है मंडली बाहर का कोई नियम आचार
आप ही नहीं मानता तो मंडली के गवांर कहां तक मानेंगे उनके लिये तो ठोकर
का कारण है – जैसा कहा भी करते हैं कि बड़े २ लोग और पादरी ही लोग तो नहीं
मानते हैं – जब कोई पादरी के पास सलाह विचार करने आते हैं तो पादरी जूलियस
के पास उनको भेजता है – जैसा हुंजरोलो के भाई – जूलियस तो ऐसा चाहता ही
है कि लोग उसके पास आवें और ऐसे भाइयों को नाना प्रकार की बातों से अपने
राय में लाता है—

२- पाद्री जीनियुस कोन्द्स, योहन डब्बर, योहन पन्ना और मास्टर लोग और डकूटोली
के बाइबल मिलके चेले को बहुत से संसारियों और खिस्तानों का पंच कुला के-
मोकतारवाले जमीन पर नाना जातें के लिये ता: २४-३२ जुम्मा को पंच बैठे और
उनको उसका बहुत सा [illegible] किये — और किनको से सहा और
आंगुठा निसान लिये पर किनने तो जबरदस्ती करने से मोसद्दो नहीं दियेन
6 आंगुठा निसान दिये — दखल करने को लिये — किन जाने रचकर हुक्म जाम
किये और रुख संसारियों को [illegible] चलाये किन हुम हमीं आगो वा होंगे तो हमारे
जमीनों में जो मोकतारवाले बगान में सामील है निकाल देंगे — और
पाद्री [illegible] के हुक्म उन्हें [illegible] राय पर चलने [illegible] डिपुटी के पास जाके
दखल करने का विचार किये — यदि उसका सारा दिल रहता तो न जाके
6 हारी बातों में हाथ न डालता और उनके मत पर न हो चलता — और क्यों मिल
से तय किये हुए बातों पर बिरोधियों से चलाने से फिर झगड़ा उठाता है —
और झगड़ा तकरार का कारण कुछ न है —

३- मोकतारवाले जमीन के पर कोन्द्स, योहन डब्बर जीनियुस योहन पन्ना
और मास्टर लोग मिलके १.४.३२ पंच बैठके जमीन को दखल करने का विचार करके
किये — सनीचर के दिन जीनियुस गुरु मास्टर को [illegible]
होनेवाला है तुम जानते हो वह [illegible] नहीं — तब जीनियुस डब्बर के घर गया और
डब्बर के संग दोनों स्कूल घर के तरफ जाने लगे और कोन्द्स बाबू भी अपने घर से
निकल के उनके संग स्कूल घर तरफ आये और पाद्री भी वहां हाजिर हुआ और
वे हेड मास्टर को स्कूल से बुलाये और IV + V क्लास के लड़कों को स्कूल घंटा के भीतर
ही में छुट्टी देके [illegible] काटने [illegible] और [illegible] में लगाये
और [illegible] से जब सब [illegible] निकाले तब बाकी तीन पीरियड स्कूल
न करके — बाकी तीन घंटा समय का छुट्टी देके काम करने यानी फौजदारी
करके जमीन दखल करने में लगाये — स्कूल छोड़के और बाद में साती
घंटा का हाजरी लिखे — यदि फौजदारी [illegible] न हो होता तो क्यों ऐसा
करते — पाद्री आप ही [illegible] बनता है और क्यों [illegible] सफाई किये
हुए बात मान के [illegible] पंच और मास्टर को राय पर चलके सब मास्टरों
और लड़कों को काम में लगाके स्कूल घंटा के भीतर फौजदारी करने को
चलाते हैं और स्कूल सब इन्सपेक्टर भी साहब ने बड़ा देके काम करवाता है
यही इन्सपेक्टर [illegible] जाने का [illegible] था — [illegible] छुट्टी देने से
[illegible] इन्सपेक्टर [illegible] रिपोर्ट करता [illegible] रिपोर्ट नहीं करता है यदि मैं

वहां होता तो अपनी चित के मुताबिक दावा पेश करते क्योंकि वे कौंसिल द्वारा करने को मुस्तैद
थे— यदि मैं तुरन्त जाके कचहरी थाना में जाके इतलाय करता तो पाद्री को माफ़ी
को इस पेपर और लड़कों का मामला दर्ज होता और आपस और मिल्या कुनिया
मैं कौंसिल की ऊपर डांका मारा जाता। पर मैं चुपचाप रहा न लेकिन कौंसिल पर
अपवाद लगे क्योंकि ये तो दगा है सो करते हैं मुझको बेइज्जती करने के लिये—
कौंसिल के पास बिना दरयाफ्त बिना सोचे मुझे रिपोर्ट किया— किस लिये कि
सरकार से लिक पाद्री बगान के गाछ कटवाया— बगान के काटा को कटवाया—
अपना [illegible] पाद्री हमेशा गाछ जिसमें लाह लगता है फिर एकदम सब गाछों को जड़
से कटवाया था और एक पूरा गाछ को कटवाया क्या तो कौंसिल से या बड़ा
साहब से इजाजत लिया था नहीं फिर अपने आप विचार से कटवाया सो कौंसिल
को मालूम होगा— मैं तो बड़ा साहब से इजाजत लेके काटा क्योंकि बगान
ट्रस्टी बोर्ड के अन्दर है पादरी किससे इजाजत लिया— एक ही रोज के भीतर में
इन सब बातों से भी जान सकते हैं कि यहां पाद्री का राज कैसा चलता है—

४— फिर वह एक ही पक्ष के लोगों से जो मेरे विरुद्ध हैं नाना प्रकार का प्रपंच रचता
है और मेरे पक्ष के तरफ के लोगों को अलग किया जाने का बोलाया है ये पाद्री के
पक्षवाले हैं क्या ही [illegible] चलते हैं क्या कौंसिल ऐसा ही अनुमति देके
उनको यहां काम करने के लिये भेजा है— वह विरुद्ध पार्टियों का पंच बनाके मुकदर
थोड़ा मतलब लगता है कि पाद्री कुछ रोज के पहले [illegible] जमीन [illegible]
और हाता की जमीन के बारे— लोगों को मेरे विरुद्ध ~~बनाके~~ बनाने के लिये
६. उनको बदलवाके लोगों से कहता है कि पाद्री जमीन को गड़बड़ करता है
और मिशन के जमीन का बरबाद करवाता है जिससे लोगों का विश्वास मेरे
तरफ से हट जावे— और मानो सब लोग मेरे विरुद्ध होवें— मैं आप लोगों को
जनाता हूं यह बेबुनियाद झूठी बात है जमीन बरबाद का कोई सबूत वह
नहीं दे सकेगा— पाद्री बिना दरयाफ्त विरोधियों की राय पर चलके मेरा
विरोधी होता है— लोगों की बात सुनके यदि वे मुझसे पूछ पाछ करता मगर
मैं नहीं बताता तो कौंसिल में इतलाय करता पर विरोधियों की राय में चलके
मेरे विरुद्ध उठता है— मैं [illegible] के जमीन के बारे किसी [illegible]
दखल करने के मतलब से नहीं पर बैरियों से बेइज्जती से बचाने के लिये क्योंकि
वे पहिलों से जमीन पर दांत लगाया तो ये और रुपया [illegible] जमीन को अपनी
दिखलाने से मैं कार्रवाइयों को रोका— मैं मिशन का नौकर हूं इसलिए
करके से कौंसिल कमेटियों का हुकुमत से पालन करने में बोध सकता हूं—
पर एक गंवार आदमी को कुछ नहीं कर सकते हैं। यदि वह आपत्ति कुछ में रहेगा— मैं मिशन के
जमीन को बचाया— रखा किया। मिशन जमीन को आमदनी में बढ़ती किया तो कैसे—

आसामी को बरबाद किया — ऐसी वे जो बातों से एक दूसरे को बहकाना और एक दूसरे के विरुद्ध बनाने से पीछे मंडली चलाने हारे आप पक्षपात में बन्ध जायेंगे और बिना दरयाफ्त किये विद्यार्थियों की बात पर कान धर के मेरे विरुद्ध करेगा — पीछे वही बात जो आम मास्टर साहब मानता है पीछे विपरीत जायेगा — क्यों कि गांवर माहि लोग भी पुरानी बातों को ख्याल करते हैं — पादरी बिना सबूती बातों पर मातहतों के आगे
१० दोष देके मुझ पर तोहमत लगाता है — क्या ऐसा ही करने को कौंसिल उसको मुल्क भेज दिया है कि तुम दस बीस झूठ रचना रच के लोगों को बहकाव — इसी से मुझ को झूठ मूठ के बदनाम करने का उपाय निकालता है — कि किसी रीति से पादरी को शिकस्त करे —

५ — एक रोज गांव में मिलन की जगह वीटर की कई भाइयों से पादरी ने कहा, कि और कितने मास्टर खेत के बारे पंच किये कि पादरी खेत की गड़बड़ करता है उसे आसामिन को छुड़ावेंगे तो भाई लोगों को देंगे इसलिये आसामिन को पादरी के हाथ से छुड़ाना चाहिये — वह किताबों में ईश्वर का वचन प्रचारता और मिलन की जुगुत विरुद्धता की बात उचारता है — तो उपदेश करते समय में भी तो उसको बिना खेत में और उसकी विरुद्धता मेरे ऊपर उसके मन में भरा है इसी लिये खेतवारी भी एक दूसरे के बैर विरुद्ध की बातों पर विचार आचार करता है और जैसा उसके लोग पंचनों को बहकाकरने को तैयार होता है जिसमें पुरान पादरी आसामों के आगे बेइज्जत होवे और वह दोषी ठहराया जावे —

६ — वह विद्यार्थियों का एक कलकत्ता के कोय में गया और वहां ठाकुर लोगों के साम्हने मेरा बेइज्जत किया — यदि वह आके मुझ से बात चीत करता तो नहीं बनता — और विद्यार्थियों का दल बन्ध कैलाना का सरीकर था — पादरी भी मेरा काम था — वहां कितना दिखाव ~~बनाव~~ बनाव की बात बोली गई — तो पादरी मंडली में मेल मिलाप करने को आया कि झगड़ा को बढ़ाने आया — आगे विद्यार्थियों
११ की दिखाव बनाव की बातों को सुनके सब हिन्दू मुसलमान छी छी थू थू करते हैं कि अपने पुरोहित के ऊपर ऐसी दिखाव बनाव और बेइज्जती की बात कही जाती है डिपुटी बाबु भी उनको बोला — कि ऐसी बेइज्जती बात आपस कभी नहीं
१२ बहुत भोग है बोलना उचित नहीं है इस बात को तो आपुस में सफाई करते — क्या भी सिवल उसको विद्यार्थियों ही ने पंचवना के मंडली चलाने का हुकुम दिया है कि नियम के अनुसार पंचवना के चलाया जाता है — क्या इसलिये और ही मंडली के अंग हैं और उन्हीं से मंडली चलाई जाती है यदि सो हानवाबु का कौंसिल से ऐसा ही हुकुम मिला है तो और दिहातों हिन्दुस्तान कोई भी मंडली के अंग नहीं हैं तब तो हालाकडू टोला ही एक मंडली है —

७- आखिर और विरोधी पटेल राव, मेरे और मेरे घराने को ताक देखते रहते हैं कि
किस प्रकार से पापरी और उस के घराने को लजवाये और दुःख दिया और बेइज्जत करें
ता: २८.३.३२. हाता और डाकू टोली के लोग घर २ से चावल दाल और पैसा जमा कर के
जोखिम ने पंच के पीछे ऐसा निकाल गये जमा करने और कारकारज ने के लिये पाद्री
प्रुलियूस को मुखिया बनाया - वह घर २ से चावल दाल वगैरह जमा करवाया और
आप भी जमा किया पंच के लोग पाद्री के साथ प्रुलियूस के घर जा के पंच पे बैठे
किसी - कि बीसार कार बार किया जायेगा - मैं और मसीहदास और भाई घर के
लोग - पैसा की घटी के कारण चन्दा नहीं दिये - इसलिये हमारे और मसीहदास
और भाई घर के लोग मिल मिला नहीं गये - जोखिम ना पंच रोज सांझ के समय
लड़के लोग लड़वा बनाके रखाये बाजा जाने थोड़ा थोड़ी बजाया था जिसको
लड़की लोग अपने घर में रखे थे - मिल मिल से फिर के शांतिप्रकाश
मास्टर बखरी बनी और गड़ने लगा कि तुम लोग और पाद्री के घर के लोग
२३ मिल मिल नहीं गये थे तुम ही लोग लड़कियों को लड़वा कर वाये और बखरी बनी
के साथ बहुत झगड़ा हुआ और उसी बात में बखरी बनी को माई के साथ भी बहुत
झगड़ा हुआ - तब से जेस मास्टर पाद्री को बताया पाद्री बिना सोचे मुझे मास्टर को अपमान
२४ के मेरे बेटे और मसीहदास के बेटे को नोटिस दिया पंच में हाजिर होने के लिये नोटिस
मकबूल है पंच के लिये ठहराये हुए समय में गये पर पंच नहीं हुआ - उपरोक्त बातों
से भी मालूम करेंगे कि पाद्री और विरोधियों की ओर से मेरे और मेरे आदमियों
पर अत्याचार निरन्तर हो रहे हैं इससे भी देखा जाता है कि पाद्री अपने बुद्धि से
२५ काम नहीं चलाता - पर जैसा जो उसको कहेंगे करने को तैयार होता है चाहे वह भला
हो कि बुरा हो - ऐसे बिन सोचे बूझे काम करने से बखेड़ा, झगड़ा भी बढ़ जाता
~~और~~ और ऐसा ही समय में हंगामा होने का डर होता है - और पाद्री होके जन का
तरफ़दारी लेता है उसको तो सभों को एक समान जान के न्याय और सत्य के काम में
हाथ लगाना चाहिये था - कोई जन मिल मिल जावे कि न जावे हर एक की खुशी
की बात है न जाने के कारण झगड़ा करना बिरुद्ध न्याय का कारण है फिर पाद्री
२६ भी चौकीदार के बेटे को डांट कर कहता है कहे नहीं गये जवाब आपने पे आय भी हैं
पीछे अत्याचार बात सुनाओगे - अर्थात लोगों के मुंह से नाना किसिम की बात सुनाओगे -

८- जूलियस, पोहन पाद्री का अगुवा होने से लड़कों कोठियों में आना जाना शुरू किया है - उसके आवागाहों में एक दफा भारी गोलमाल हुआ - इसलिये उसको वहां जाने से मना किया गया - परन्तु भी पाद्री से हेलमेल होने से भी फिर जाना शुरू किया है
१६ और नाटक भी शुरू किया है - ता: २४।३।३२ स्कूल घर में नाटक हुआ जिसका चलाने हारा और साबर करने हारा जूलियस जो मंडली बाहर है - और पाद्री भी उसकी बात में सहमत है — नाटक करने वाले जवान लड़कों को नाटक का कपड़ा पहनाने को लिये मिस्ट्रेस लोग बुलाये गये उस में टकरमा की एक मिस्ट्रेस और तुमला की दो मिस्ट्रेस थीं - यह भी बड़े लाज की बात है कि जवान लड़कों को जवान लड़कियां कपड़ा पहनाती हैं - उसी समय रांची का एक
१८ लड़का प्रमोद नाम का जो चौन्हस बाबू का भतीजा था वहां हाजिर था जिसने में आता है लड़का मिस्ट्रेस लोगों को लिटका मिट को भी करता था और वह मिस्ट्रेस लोगों का सामान भी उसे सौंपा — जब नाटक खतम हुआ तब जूलियस जयमसीह किजय, जूलियस सिना और प्रमोद एक साथ जाते थे - तब प्रमोद लड़कों से कहा कि हम गिर्जा घर तरफ से जाते हैं और गिर्जा घर भी और गया - मिस्ट्रेस आगे जाती थीं और प्रमोद कुछ पीछे रह गया और गिर्जा घर के पश्चिम कोन में एक बिजली गाछ के नीचे खड़ा हुआ कुछ देर तक - मिस्ट्रेस उसको देखे और चिन्हों भी कि वह प्रमोद है - थोड़ी देर के बाद वह सिटी बजाया - और चौन्हस के घर तरफ चला गया - थोड़ी देर के पीछे मिस्ट्रेस खाना पीकर सो गये - कुछ देर के बाद वह मैदान में आके मुरली बजाने लगा कुछ देर तक बाद सिटी बजाया - मुरली और सिटी का आवाज मिस्ट्रेस सब भी सुनी — उसके बाद लड़कियों के घर में हल्ला हुआ अर्थात कोई आदमी लड़कियों के घर में प्रवेश करके लालटेन भी बाहर फेंक दिया - जब कोठरी में अन्धकार हुआ तब कोठरी में प्रवेश किया - और एक बड़ी लड़की
१९ मोरचा नाम की के पांव को पकड़ा तब वह डर के मारे दूसरी लड़की को हिलाई - तब दूसरी लड़की ऊं किई तब वह निकला और द्वार में सिकड़ी लगाया - बाद मिस्ट्रेस लोगों के द्वार को खोलता था - तब मिस्ट्रेस जाग गई और गाली सुनाने लगीं तब वहां के द्वार का सिकड़ी भी लगा के भाग गया तब लड़कों लोग चिल्लाने लगी - तब पाद्री उनके घर जाके द्वार की सिकड़ियों को खोल दिया -

ઔર સમોં કો અપને ઘર મેં સોને કો લે ~~ગયે~~ ગયા — ફાજીર કો પાંડે પ્રમોદ કો બુલાયા ઔર
પૂછ પાછ હુઆ સો માલુમ નહીં હૈ — કરોબટવજ પ્રમોદ ઔર રામદાસ કો મિસ્ટ્રેસ સ્કૂલ મેં
રાંચી ચલા ગયા — સેકેન્ડ માસ્ટર મિસ્ટ્રેસ કો બોલા કિ સબ બ્યાન લિખ કે દીજીએ કો
વહ મિસ્ટ્રેસ જુઠ બયાન લિખ કે પાંડે કો દિઈ — હાતા ડાકૂ ટોલી મેં ઘર ૨ સબ કોઈ
20 ઇસ બાત કો જાનતે હૈં ઔર સમો અનુમાન પ્રમોદ કે પર હૈ ઔર મિસ્ટ્રેસ આસાન
મેં પ્રમોદ હી કે ઉપર હૈ — પાંડે સબ બાતોં કો જાનતા હૈ ઔર મિસ્ટ્રેસ કો જોર
સે જુઠ બાતોં કા લિખવા પાયા હૈ તો ભી કોઈ પંચ પ્રપંચ નહીં કિયા હૈ
22 સબ બાતોં કો ચુપચાપ માટિયા કિયા હૈ — યહ પ્રાયઃ સાબુત સાબુત બાત હૈ
ઔર પંચ કે બિના જાંચ ઉસકો જાને સે મોન હીં રહના — માનો અમીર-
સુનાવતા હૈ કિ પાંડે ને ઉસકો મનાયા — ક્યોં કિ વહ ચોન્દસ બાબુ કા
ભાઈ હૈ ઔર પાંડે આમદાની હૈ સુમેં આતા હૈ કિ યદિ પંચ પ્રપંચ
હોગા તો ચોન્દસ બાબુ કા બેઇજ્જતી હોગા ઔર ઉસકો મિલ્કા હોગા ઇસ લિયે
મુંહ દેખી બાત કો ઉપાય કિયા ગયા કિ બે સાબુતી બાત હૈ ઔર ફૂલકિશુન
કો ઉસકા મુખ્ય આગુઆ હૈ — ઉસકા કહના હૈ કિ ઉસકા કોઈ સાબુતી
નહીં હૈ ઇસ લિયે પંચ પ્રપંચ નહીં હોગા — મેરે લડકોં કો સુના સુનાઈ બાતોં પર
તુરન્ત પંચાયત કા નોટિસ દિયા પર અભી એક સાબુતી બાતોં કા બિચાર ન કરકે બે સાબુતી
કહા જાતા હૈ ઇસ મેં આપ હી લોગ બિચાર કીજિયે યહ કૈસે ન્યાય માનો ઔર
પાપ કો છિપાને કા ઉપાય એક પાંડે કો ઔર સે કિઈ જાતી હૈ વહ એક પંડિત
કા પદ લેકે દોષો કો ઢાંપને કા ઉપાય નિકાલતા — ઔર બે સાબુતી બાતોં પર
તુરન્ત નોટિસ જારી કરતા હૈ — જો વિસ્તાર ઔર સાબુતી બાત વિરોધિયોં કો દાબ પર
22 ચલકે બે સાબુતી બતાતા હૈ — હાં ઉસમેં ભી મેરે બેટે પર જૂઠા કલંક લગાયે
જાને પર થે — પરંતુ લડકોં કે બોલને પર રુક ગયે — ઉસકી દૃષ્ટિ મેં મેં ઔર મેરે
ઘર હી કે લોગ સબ અપરાધ મેં ફંસે હૈં ઇસી કો જાંચને ઔર બિચાર કરને
કો નયા પાંડે કો શિમલા સે ભેજા ગયા હૈ કિ પુરાને પાંડે પર ખૂબ દોષ લગા કો
ઉસકો જડ સે ઉખાડો — મેરી પ્રાર્થના પૂર્વક અરજ હૈ કિ કોઈ સિલ્ક આકે
સબ બાતોં કો જાંચ કે નિપટારા કરે — પાંડે મેરા ઔર મેરે ઘરાને કા દોષ ઢૂંઢને
કા આગ્રહ કરતે ઔર મુજ કો ઔર મેરે ઘરાનોં કો દોષ દેને કો ~~[illegible]~~
ઔર ન્યાય કરણ સો આયા હૈ કિ ધર્મ કા પ્રચાર કરને ઔર મેલ મિલાપ
કરને કો — નહીં ઉપરોક્ત બાતોં કો બિચાર કરકે સોચિયે કિ વહ ઇહાં કામ કર સકતા
હૈ યા નહીં ઇસ પ્રકાર કે વ્યવહાર સે મંડલી મેં ઔર ભી ગડબડ ઉઠેગા કિ

23 यहां से निकलते ही थोड़े ही दिनों में [illegible] और [illegible] होवेगा — और इस में आपकी को सिंह होना होगा — मैं बार बार सिंह को आगे बनाया, पुकारा और लिखके किसी किन्तु पाण्डे जी न हों पर कुछ ऊसर वाले और कुमिया पटेवालों को आगे हारा और वह मंडली में बहुत दिनों तक काम किया हुआ हो — को सिंह मुझ मनाया न — मिजाज़ कुछ की बातों पर ध्यान न देके समझवान पाण्डे को भेज दिये हैं मेरी दुर्दशा को देखकर करने को दिन में — अब तो मुझ को पाण्डे से लड़ना रहा है अब उधार पंच से मेरा कुछ सम्बन्ध नहीं होता है, अब पाण्डे ही उधार पंच
24 के तरफ से खड़ा हुआ मालूम पड़ता है और सब को ठे वह बैरियों का एक पंच बदल बना के मुझ पर धावा करने में दिन रात लगा है — को जिवह जिसमा वालों के नियम को छोड़ के — उधार पंच और विरोधियों का एक पंच बनाया है, और सब कुछ मैंने ही सिरहाने बातों होपर विचार आचार करता है — क्या जाने को सिंह उसको ऐसा ही सिखाके भेज दिया है कि पुराना पाण्डे जो ठेकादारी बड़ा दुष्ट बदमास है उसको गिराने से सब दुरुस्त होगा — यदि यही बात ठीक है तो मेरी दोस्ताना प्रार्थना [illegible] है पीछे पाण्डा को सिंह आवे और जैसा को सिंह को आप देखेंगे मुझ से नाराज़ मैं सब बात में राजी हूं — आपने समाज से अलग कर दें तो भी राजी हूं निकाल देवें तो भी राजी हूं मेरा सर्बस लेवें तो भी राजी हूं जैसा उचित समझें मुझ से वार मैं बेकबूल खुस हूं क्यों कि रोज रोज नानाप्रकार को झिक झिक — झगड़े की बातों से तो मन बेचैन और दुःख से भरा रहता है — जब ही गोलमाल शुरू हुआ — मेरे और मेरे घरवालों को बाल
25 जिना बन्द हो जाता है; यदि पाण्डे को आपने से मन [illegible] पर तीन रुपया पोष्टेज से बढ़ गया है — मैं पाण्डे को अपना लड़का और [illegible] समझा पर इसको उलटा — मेरा दुश्मन और बैरी सा — उसका व्यवहार है —

२६ — पाण्डे को सिंह के पास रिपोर्ट देता है कि [illegible] और उसके संगियों का मंडली से उठाने से मेल मिलाप होगा — यदि इस मंडली बाहर आदमियों के यही कहेगा कि मंडली से उठाया जायेगा तो ऐसा [illegible] होगा तो मंडली [illegible] के समान है, और ऐसा [illegible] बात
26 है — पाण्डे लाल पोस्टकार्ड [illegible] कहने को मोतीलाल उधार पंच के आंखों को मला [illegible] को प्रत्युत्तर दिया — ध्यान, बचन दिया और पाण्डे आश्वासन दिया कि वे अब फिर आवेंगे — और अब सब ठीक हो गया है

क्योंकि मुकद्दमा साबिक का फ़ैसला था — पर दूसरी दफ़ा वही जो पहिले उन्होंने
जो हिन्दुस्तान के फ़ैसले में हाज़िर थे और साबिक फ़ैसले वाली हुआ — और आइन्दे भी
ऐसा ही होता रहेगा — यदि वो सवाल में कोई खुलासा का कोई कहता नहीं है —
26 खुशी की बात है — पर मंडली सभा उनसे मिल जायेगा यह तो भाई लोगों का विशेष
मतलब और कहना है क्योंकि वे ही लोग उसको पूरा देख सकते और फ़ैसला करवायें —
आम जनता मंडली सभा उनको आदर करते हैं और यही बात से ठीक हो मुआमला
को ठीक तरह और सच्चाई से तय करने की बातों पर मिलता
है — सुनने में आया है कि उस पंचायत कि जितने लोग जो हिन्दुस्तान के पास जाके
बैठ आपके फ़ैसले में आदमी न हो लगता है हम इस फ़ैसले को छोड़ के साबिक
फ़ैसले जायेंगे — जो हिन्दुस्तान की पंचायत कि जनता तो देखेंगे कैसे जाते हो — फिर
कहीं पुरविस्तर मिलनों का हाल हो में ध्यान और हद करना ही दिया —
इसको आदमी सब इलाका में इन्साफ़ से मिलता है कि यह है — यह महात्मा
में मतलब का कुछ फ़र्क नहीं है — उनका आम रस्म में भी ऐसा ही किया —
यह और मज़हबी रस्मों से हम और रोग मनुष्य में पैदा होता है जो जल्दी
नहीं छूटता है वैसा ही जानी आदमी को सच्चा होने से — मंडली की सुधारना
काम नहीं होगी — और ज़ियादा होने से उस रोग को पैदा
करेगा — आजकल उधार पंच और साबिक फ़ैसले जाने वाले हिन्दुस्तान
22 हिन्दवी लोग थे — यह भी बात में पर मज़हबी ध्यान — इस बारह साल से साबिक
फ़ैसले में ध्यान हुआ सारा सच्चा अपना जो हिन्दुस्तान के लोगों को सिखाते हुआ —
जो फ़ैसला साबिक का है जैसा यह है तो सबका है ऐसा यह भी करता है आपको
बात है पर आज में देखने से ये एक रंग दिखलाई देगा — जो हिन्दुस्तान आपना मत
छोड़ेगा नहीं छोड़ेगा — जैसा आप बताया गया है यह आपने मन में आ गये
बदले जाते हैं — मंडली बाहर आदमी को लोग पसंद करने से वे सहन करते
हैं और समझते हैं कि लोग कुछ तोड़ते हैं इसलिये ऐसा वैसा
उपाय करते हैं — गुरु हो जाता है — भाई लोगों को सब उसे
दिखाया किया — उसको लिये यह दूसरा रास्ता बना के लोगों को ठगा और
अपने हाथ में लाया — अब जो सिख भी मेरे हाथ में आया और सुखी किया
पड़ोस रहा है — उनका कुछ हाथ मिलाया — उसका कहना है यदि मैं यों होता
तो सब रहता और बड़ा पाप कैसे हाथ मिलाता — लोगों को ठगा मेरा कुछ
काबू नहीं है और लोग उसकी बात को बात पर विश्वास किया —

29 २०— लिए पारसियों की मिलनी की रिपोर्ट देखना है— हेडमास्टर जो यहां से चलते न करने में मेल मिलाप होगा— और उसके लिये दरखास्त पर दरखास्त जाता है— पादरी आक्लैंड साहब के इंग्लैंड में नहीं पहुंचा है सो यहां से मालूम करना है— वह चार्ल्स, मोहन डाक्टर जोसियस— ~~और~~ हेडमास्टर को मास्टरों से विचार करके दरखास्त करना है उसको साथी करने हारे ट्रस्टी करके हवाला डाक्टर और भेजना है जो. तबदील को कारण मेरे विस्तार हुए हैं जुदा जुदा को साहेब करें ये और दूसरे— बड़े ट्रस्टी में और ट्रस्टियों को जुदा को आपकी लोग इनको बोलते हैं कि हेडमास्टर बदली होता है उनके रहने से स्कूल आदर चलता है उचित— होगा सो हम लोग रोज आने को छिपे पक्ष करते हैं ठीक होगा किन्हीं

30 सलीके और बात नहीं न हो तो स्कूल टूट जायेगा— वे गंवार कहलाते हैं उनकी बातों पर राजी करते हैं इस प्रकार से कारबार किया गया है— इसमें जोसियस का विशेष इच्छा है और उसका पक्ष बराबर है और डाक्टर भाऊ दाजी वैसा सीखने वाला है प्रेसिडेन्ट साहब है हेडमास्टर की देखकर बोल चलता है— चार्ल्स— हेडमास्टर का पक्ष इनसे विशेष किन्हीं को नाहीं है— उसको जोर करके बाकी मास्टर जो बदली नहीं होगा—

31 जब तक हेडमास्टर सेकेन्ड मास्टर थर्ड मास्टर यहां रहेंगे गोलमाल झगड़ा टलेगा बराबर चलता ही रहेगा— चार्ल्स डाक्टर के स्वभाव पर ट्रस्टी चलते होंगे—

चार्ल्स— मोहन डाक्टर— जोसियस— ये तीन जन— हरबात में ~~जोसियस~~ पादरी साहब के चलाने को जो मन करें के लिये विशेष जोर देते हैं इन्हों का विशेष मतलब यह है कि स्कूल के लिये मोहन बाबू काम करना— इन्हों के जोर से— खिलाड़ियों के ऊपर दोष आरोपण करना है— और हेडमास्टर सेकेंड मास्टर, थर्ड मास्टर— पञ्चमोहन— इन्हों को विशेष सहकारी हैं ये हैं। सात आदमी पादरी के विशेष चलाने हारे हैं और इन्हों ने बाहर का पंच स्कूल पंच- आयत का पंच को पाने सब पंचों को मुख्य हैं जैसे ये चाहेंगे वैसा पादरी को घुमाते फिराते हैं— और इन्हों से सब गड़बड़ उठता है और ये हो लोग मेरे मुख्य विरोधी हैं— और बल चढ़ खाई पापड़ आदि जगह को लोग इनको उसका जड़ करने से राय में लिये जाते हैं——

32 जोसियस का परकार— पादरी का मुख्य आगुवा सो मोहन वेकला उसका हां सोना— उसी के हाथ में होता है पटना मंडली के लिये डॉक्टर का कारवा है

33 मुकिमुस पादरी के साथ उठने बैठने को हम मिलते मानो भाइयों को मिलने वाला हो। कि उद्धार पंथ और सामिन संडलों में जुदा जिनका नहीं है—

अन्त में मेरी आरजू है - कि पादरी यहां से उठाया जाय - वह एक तरफा

34 विचार करने हारा है इसके रहने से झगड़ा और बैरता बढ़ता है जाहिर एक तरफ मेल होगा तो दूसरे तरफ बैरता बढ़ेगा - इसके एवज में एक उमरवाला जो आदिवासिन से मंडली में काम लिया हो रखा जाय — चाहे विलायती पादरी भेजा जाय - चाहे - यहां कोई पादरी न रखा जाय सिर्फ एक प्रचारक रखा जाय और वाहे वास्ते एक मास्टर जो जिम्मेदार है और प्रजा गोपनादिक को सिखाने कोई मास्टर मोहिनार चाहे, पोर मोहल्ला में एक रखा जाय - चाहे - यः यः मोहल्ला वास्ते कोई उमरवाला पादरी भेजा जाय — जैसा कि मिशन उचित समझे न्याय के साथ - उपकार किया जाय - कौंसिल हो सकता मालूम है — मगर जिस बात में इसके से कौंसिल ~~...~~ तो मैं आरजू पूर्वक माफ मांगता कृपा माफ किया जाय - आइन्दे ~~हाकिम~~ हाजूर मालिक हैं — ता: ३ ४.३२.

प्रेम से

पादरी पावल कुजूर

No: 1088/32
F.-3.

Telegram 21. 4. 32.

Reverend Johan Toppo
Gumla.

Come to Ranchi to-day.

Secretary Hurad.

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT

RECEIPT FOR INLAND TELEGRAM

Class Prefix O   Amount paid. Rs. —/3 P.—   No. 1

Date-Stamp.

21 APR 32
CHURCH ROAD

The charges entered upon this form have been duly paid in respect of the telegram indicated by number.

The sum stated includes extra charges, if any, paid for Reply, Delivery, etc.

Should any reference become necessary, the production of this receipt will enable the telegram to be traced by the office of origin within seven days of the date of its despatch—thereafter *Complaints* respecting this telegram and applications for *Refund* involving complaints against the Service should be addressed to the Postmaster-General of the Circle concerned, within two months. Applications for refund *which do not involve complaints against the Service* should be addressed to the Officer-in-charge, Telegraph Check Office, Calcutta.

OFFICE OF THE SECRETARY, LUTHERAN CHURCH COUNCIL, CHOTANAGPUR & ASSAM.
PURN CHURCH COUNCIL KI BAITHKI KA MANTABYA.

Ta: 23 April, 1932, Sanishchar.

-----------000-----------

32. GUMLA KI JAMIN.

Gumla men jo jamin Chetter men aur dusre sthan men hai uske bare Padri Daud Kujur ne darkhast diya tha ki uske sang men wah jamin bandobast kiya jay. Is kathin bishay par bahut der lon socha aur bichar kiya gaya ki kis prakar karne se sab or chain rahega aur kisi par dukh dene aur anyay karne ka athwa kisi ki ijat ko nasht karne ki yukti na samjha jayga so bishay yon phaisla hua -

SANKALP: Ki jab jamin jagah bandobast kisi se kiya jata hai to aisa bandobast phasli sal ke arambh men hota hai kyonki uske pichhe kheton ki jotai korai ho jati hai aur us samay unhen jamin se alag karna achchha nahin hai. Isliye Council Ilake Panch ko sipharish bhejti hai ki is 1932 sal ka bandobast Padri Daud Kujur ke sath men rahne dewe aur usse is baras ka kabuliat likhwa kar le lewe.

Memo No. 116-117 /32.
F. -3.
Dated Ranchi, the 4th. May, 1932.

Extract copy from the Minutes of the Church Council of 23rd. April, 1932 forwarded to the Revds: J. Toppo & D. Kujur, Gumla for information, guidance and compliance.

[signature]
Secretary,
G. E. L. Church.

Church Council
Received ~~6.6.32~~ 19.4.32
Register No. 893
Date 15.4.32
File 3.
Reply No.
Date

File

True Copy.

To,

The Church Council of the G.E.L. Church,

R A N C H I .

15.IV.1932.

Dear Sirs,

Herewith I request the Church Council, to let me have the square part of the garden to the west of the Gumla bungalow so that a separate road can be made to the well and the jungle beyond, and all the people going to the well may not be obliged to go through my garden, and the surroundings of the well may be kept clean.

Yours sincerely,

Sd/- F.Heintze.

[signature]
4.6.32.

Church Council
Received 18.4.32
Register No. 890
Date........
File 3-
Reply No........
Date........

File.

18/4/32

श्रीयुत मान्यवर चर्च कौंसिल को मेरा यीशुसहाय होवे-

कौंसिल ने १९३२ फरवरी महीना से मुझ को आरगेनैजर का काम सौंप दिये थे- दीन कर्मचारी मार्च महीना से अपना- काम आरम्भ किया और मार्च-अप्रील तक सिर्फ चैनपुर इलाका में एक ~~[illegible]~~ जगह और गुमला इलाका में छः जगह आरगेनैजर का काम किया- बाकी समय नसटेक के कामों में लगा रहा- क्योंकि मिशन जमीन की दिहात के प्रचारकपदों में कई एक जगह गोलमाल थे इसलिये कई जगह के सेटलमेंट कैम्पों में इधर उधर दौड़ना पड़ता था- और अप्रील महीना में महासभा की कौंसिल की मिटिंग में हाजिर हुआ-

आप से दीनता पूर्वक अरज बिनय है कि मार्च अप्रील दो महीना का तलब जैसा मुनासिब समझा जाय मुझ दीन कर्मचारी को दिया जाय मैं इस उपकार के लिये आप का सदा धन्यबादित हूंगा

आप का आज्ञाधीन कर्मचारी

पाद्री दाऊद कुजूर-

File

Church Council
Received 18.4.32
Register No. 887
Date 16.4.32
File 3.
Reply No.
Date

सेक्रेटरी बोर्ड आफ ट्रस्टी

मारफत चर्च कौंसिल —

जनाब आली आरज गुजारिश ऐसा है कि गुमला लूथेरान मिशन के हलाके के मौजे नेतर में पांच आना और मौजे मलदम चट्टी में अढ़ाई आना जमीन दान है जिस में से मौजे नेतर के पांच आना जमीन दान को पादरी बहुत दिन से आबादी में कमाते आता है और खेत को भी मिशन और अपना खर्च लगाके बहुत दुरुस्त बनाया है जिससे मिशन को आमदनी का पैदा बेशी पहुंचे। और मलदम चट्टी के दान को दूसरे आसामियों को आबादी में देने से कम पैदा मिलता था इसलिये पादरी वहां के जमीन को भी आबादी कमाते आता है और वहां के खेत को भी अपना ही नीज खर्च करके अच्छे हालत में रखा है जिससे मिशन का पैदा बेशी होवे — आजकल गुमला लूथेरान विश्वासियों के बीच में अनबन है जिससे लोगों के मन में किस्म किस्म का विचार पैदा होता है किस्तियों के उसकाने बहकाने से, इसलिये पादरी उचित समझता है कि बोर्ड से राजीनामा करके आबादी खेती करने का उम्मेद रखता है जिससे जमीन पर खास हासिल करने का किसी के ऊपर सक सन्देह न होवे — पादरी दोनों जगह के मिशन जमीन को खूब जाने सम्भाला और पैदा का आमदनी भी मिशन के फायदे के लिये बढ़ाया है और खेत में कतरा वगैरह लगाके भी मिशन का आमदनी बढ़ाते आया है — इसलिये पादरी विनती पूर्वक आरज बिनय करता है कि बोर्ड को जिस कदर उचित जान पड़े पादरी के लड़के औरतों के नाम से बोर्ड आफ ट्रस्टी का कबूलियत राजीनामा करके पांच वा तीन साल आबादी बन्दोबस्त दिया जाय — आइन्दे हुजूर मालिक हैं — ता: १६-४-३२

पादरी दयाचन्द कुजुर —

OFFICE OF THE SECRETARY LUTHERAN CHURCH COUNCIL CHOTANAGPUR & ASSAM.

KARJKARAK SABHA KI BAITHKI 31 MARCH, 1932.

--------oOo---------

1. GUMLA HATA AUR JAMIN.

Secretary ne Gumla ke padri Johan Toppo ki chitthi jo usne Padri M. Prehn ko likhi thi aur jo ek dusri chitthi Secretary ko likhi thi - ye donon chitthiyan parhi gain. In men Gumla ki don jamin aur bagan aur paster ghar ke bishay men likha tha. Bishay par bishesh dhyan dekar bahut ber lon batchit hui aur unpar kramanugat yon bichar hua.

2. GUMLA KI DON JAMIN.

Gumla men jo don jamin hain jisko padri Daud Kujur Chairman ho ke bahut dinon se adhbatai men kheti karte ate the uske bishay men nap men adhbatai likhne wa likhwane ke sambandh men batchit hui aur yon niptara hua -

SANKALP: Ki Gumla khas ki don jamin ke bishay men Assistant Settle ment Officer ko likha jay ki wah jamin sirph Board of Trustees of the Gossner Church Property" ke nam par likha jay aur kisi ka nam adhbatai men na darj kiya jay kyonki Council athwa Ilake se kisi ke sath aisa bandobast nahin hai.

3. BAGAN KA KANTA.

Bagan jo Gumla men hai so padri Daud Kujur ke hath men hai kyonki wah usko barshik Rs 20/- ki malgujari par diya gaya hai. Is liye yadi ghera ke kante kate gaye hain to we isi liye kate gaye hain ki wah adhik ghana jhar howe jisten maweshi na ghusne pawen. Yadi padri Johan Toppo hata gherne ke liye chahte hain to we padri Daud Kujur se barsat ke samay men mang lene sakte hain. Abhi jo kanta kata gaya hai use padri Daud Kujur ne bagan ki charon or rakha hai ki maweshi na ghusen aur yah kanta ~~g~~ dhup men sukh jayga.

4. GUMLA PASTOR GHAR.

Padri Daud Kujur ne bataya ki jab padri Johan Toppo apne pariwar ko lane ke liye Singhani gaye the usi samay men usne pastor ghar ko khali kar diya sirph 1 kothri ko chhor jismen Chhatka men dhan rakha hua hai jisko abhi nikalna nahin ban sakta hai. Abhi 4 kothri khali hain jismen Johan Toppo padri subhite ke sath men rah sakta hai. Iske alawe chhote bungle men bhi usko office ke liye aur rahne ke liye jagah hai. Donon or se truti yehi hai ki padri Johan Toppo ne bhi pastor-ghar men rahne ke liye padri Daud Kujur se batchit nahin kii aur na manga na padri Daud Kujur hi ne padri Johan Toppo ko ghar khali karke jimma diya. Bichar hua ki Council ka koi Paddhari jake is jimma dene lene ke kam ko bhi kar dewe.

Memo No. 1062/32.
F.- 3.
Dated Ranchi, the 16th. April, 1932.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of 31st. March, 1932 forwarded to the Rev: Johan Toppo for information, guidance and compliance.

[signature]

Secretary.
G.E.L. Church.

नोटिस ।

12

गुअता इलाके के सब तुबेरात भाईयों को जनाया जाता है कि ता० २० और २२ जनवरी, दिन बुध और बिफे गुअता हाता में मण्डली की आम सभा होगी। सभा में दो बातों का विचार होगा।

(१) स्कूल चलाने के लिये कमिटी चुनना और खर्चे का इन्तजाम करना।

(२) मण्डली चलाने के लिये पंच चुनना और आमदनी का इन्तजाम करना।

हरेक घर से कोई न कोई हाजिर होने की कोशिश करे। सभा बुध दिन ११ बजे फजीर में शुरू होगी।

आप का विश्वस्त,

कुलियरा तीगा

गुअता

१०.१.३४

The Gossner Ev. Lutheran Church in Chotanagpur & Assam.

[Mission Estd. 1845. — Autonomous 1919.]

LUTHERAN COMPOUND.
RANCHI, (Behar.)

No. 1038/32 P.- 3. Dated the 31 March 1932. 19.....

The Settlement Officer
Camp GUMLA.
GUMLA.

Sir,

With regard to the Don lands of the G.E.L. Church, I have the honour to say that these may be recorded in the name of the "Board of Trustees of the Gossner Church Property", while the matter of half-share cultivation is a private arrangement to be made between the Council of the Church and the Revd. Daud Kujur of Gumla.

I dont think Rev. Kujur has any intention of getting it recorded in his name on Adh-batai or half-share.

Yours faithfully,

SECRETARY.

For perusal & return

ગુમનામ [illegible]

29/3/32

श्रीयुत माननीय [illegible] को पाँडिचेरी [illegible] मेरा बहुत [illegible]
ईश्वर कृपा से [illegible] कुशल मंगल है—

आगे मैं आप लोगों को बताता हूं कि मैं मंडली की भलाई के लिये आप लोगों की बात को रखने को आप लोगों के कहने के अनुसार जैसा आप लोगों ने मुझे काम सौंपा करने को मैं तैयार हुआ था— पर अब भी मैं पछताता हूं और श्री [illegible] बात से बहुत [illegible] होता हूं [illegible] को दिन रात अफसोस करना— और रोने और विलाप करने का समय पहुंच गया है— क्योंकि अभी आप लोगों का नया [illegible] और विद्यार्थियों से मिलके जैसा वे परामर्श देंगे वैसा [illegible] को तैयार हुआ और [illegible] जिससे मेरा मन अब [illegible] श्री [illegible] की बात पर विश्वास कर गया— अब मैं समझ गया हूं कि [illegible] के द्वारा श्री [illegible] को [illegible] का राय [illegible] किया है क्योंकि [illegible] आपने मुंह से भी बोलता है कि श्री [illegible] ने [illegible] को [illegible] मैं करता हूं [illegible] श्री [illegible] को [illegible] पंच पंचों [illegible] सब काम करो— [illegible] श्री [illegible] [illegible] परन्तु [illegible] बिना [illegible] काम कर रहा है [illegible] श्री [illegible] विद्यार्थियों से पंच [illegible] करने को बोलता है और सब [illegible] को राय के अनुसार करने को बोलता है— यदि ऐसा होवे तो मैं सोचता हूं कि श्री [illegible] को [illegible] [illegible] — [illegible] कि [illegible] में [illegible] विद्यार्थियों को [illegible] काम कर रहा है और [illegible] विद्यार्थी [illegible] करते हैं— ऐसा लगता है कि [illegible] मंडली [illegible] मेरा विचार और मन [illegible] रहा है— मैं आप लोगों को बताता हूं कि [illegible] को मैं [illegible] के समान [illegible] के समान [illegible]

[illegible]

[illegible] तैयार किया हूं [illegible] और [illegible] कि [illegible] तैयार करता है— [illegible] कि भलाई के लिये [illegible]

[illegible] — [illegible] — [illegible]

[illegible] — और [illegible] — [illegible]

[illegible] नहीं [illegible]

[illegible] — [illegible]

[illegible] नहीं [illegible] — [illegible]

[illegible]

[illegible] — मैं [illegible] है [illegible]

[illegible] — मैं [illegible] नहीं [illegible]

[illegible] — [illegible] नहीं [illegible] है [illegible]

[illegible] — मैं [illegible] नहीं [illegible] है [illegible]

[illegible] — मैं [illegible] — [illegible]

[illegible]

[illegible] होगा —

मैं आपके लोगों से [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] होगा —

सो-मेरी [illegible]

आपको है कि.

[illegible] (signature)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

मैं आपके लोगों [illegible]

और आपके लोगों को [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] (signature)

OFFICE OF THE SECRETARY LUTHERAN CHURCH COUNCIL CHOTANAGPUR & ASSAM
CHURCH COUNCIL EXECUTIVE KI BAITHKI KA MANTABYA.
Ta: 30 May, 1932.
---------oOo---------

Miss Heintze ko Gumla bagan men kuchh jamin.

Gumla se Miss Heintze ne bagan ki uttar or kunwe ke pas kuchh chaukon jamin bagan ke bhitar mang rahi hai jisten bagan jane ke liye alag rasta banaya ja sake aur kunwa janewale log Miss Heintze ke naye bane bagan hokar par na howen. Bataya gaya ki bagan padri Daud Kujur ko Trustiyon se bandobast kar diya gaya hai isliye Council usmen ap hastachhep nahin kar sakta.

SANKALP: Ki Miss Heintze ka darkhast Trustee Board ke Secretary ko phaisla ke liye bhej diya jay.

Memo No: 214-15/32.
F.-3.
Dated Ranchi, the 6th. June, 1932.

Extract copy from the Minutes of the Church Council Executive of 30th. May, 1932 forwarded to the Secy. B. of T. and Rev: A. John. HD of Property Deptt. for information and disposal.

[signature]

Secretary,
G.E.L. Church

14

Received from Rev. Prehn
[illegible]
29.3.32

Church Council
Received 29.3.32
Register No. 807
Date
File 2
Reply No.
Date

To. the C.C. Secretary.
~~Rev. M. Prehn~~
Ranchi.

Dabid Gumla Chi 26th March 32

महाशय,

आप से मेरा दीनता पूर्वक यही निवेदन है कि गुमला Mission जमीन का रकबा, खसरा नं. और जमीन किस मौजे में है उसका नकल जल्द भेज दिया जाय।

II Revd. Daud Kujur पहिले मिशन जमीनको मालही आबवाटाइ करते थे और अपनी आपने नाम पर मिशन जमीन के पर्चा पर कायमी आबवाटाइ रैयत लिखवा दिये थे, पर पंच हाकिम के सामने उजूर पेश किया (मराठी स्वेत नियम. खंड ३, नं. ९ ?.३ के समान) सो Settlement Deputy उसको नामंजूर किया - पर दाऊद बाबू का उजूर है कि यदि Council + Trustee Board और आपके अधिकारियों से आबवाटाइ का बन्दोबस्त कागज लिखा लावेंगे तो हाकिम उसके अनुसार कायमी रैयत आबवाटाइ का लिख देवे और हाकिम ने उसकी बातों को मानी और ७ दिन का समय दिया है और हमों को भी कहा गया कि तुम भी आपकी बात के सिफारिश के लिये अपने अधिकारियों से कागज का बन्दोबस्त करो

सो आप से यही अर्जी है मिशन जमीन जो Council इलाके की जिम्मे में Chairman की जवाबदेही पर रखे हैं - सो जैसा नियम है इलाका मालही किसी को तीन वर्ष के लिये [illegible]

सबों का बन्दोबस्त करे — ऐसी बातें कृपया हमें
१ली अप्रैल के भीतर निश्चय भेज दीजिये

(क) Daud Babu, खेत का चार्ज नहीं
टीम से लिये हैं, वे केवल कहते हैं कि आनाजमीन
और हल है - सो हमें कुछ मालूम नहीं देते -
कागजपत्र उन्हीं के पास हैं।

(ख) पादरी का घर भी खाली नहीं किये हैं।

(ग) बगान का एक जामुन गाछ काट लिये
और बगान के चारों ओर का घेरा बांस
काट रहे हैं, वे बगान का लीज भी —
permanent लिखाने चाहा पर Settlement
Sub. Deputy नहीं किया।

इसलिये मेरी अर्जी है कि दादा मराण्डी
को लिखा जाय कि बसीर में खूँटों का घेरा
लगावे।

फिर मिशन में जो चीज है - वह सब
मिशन के नाम में दर्ज किया जावे।

जमीन का आवश्यक Daud Babu को
न दिया जाय क्योंकि यहां का गड़बड़ इसाईयों नाश
हो जायगा।

यह और भी अच्छा होता कि आप
दो घण्टे के लिये ७ दिन के भीतर कोई दिन आ
जाते जिससे मैं आप का बहुत धन्यवाद होऊंगा।

आप का सेवक -

Ch. J. Toppo

Church Council
Received 29.3.32
Register No. 806
Date 26.3.32
File 3
Reply No.
Date

29/3/32

4/4/32

To
The Secretary,
Church Council
Ranchi

Gumla
26·3·32

महाशय,

आप को मेरा यीशुसहाय।

Gumla Mission जमीन जिसको Danel बाबू अपनी अधवराई रैयत कह कर लिखवाये थे पर पंच उजूर किया तो हाकिम उसको नाम दिया (Settlement Deputy) सो अभी मंडली की इस गोलमाल दशा पर यह अर्जी करते हैं कि जमीन इलाका के जिम्मेवारी में रहे और जैसा उसका नियम है वैसा किया जाय. (मण्डली रवैत नियम. पृष्ठ. ३, न०, २-३।) जिसपर मैं आप का धन्यवादी होऊँगा, सो इसका जवाब जल्द हमों को जनाया जाय।

आपका सेवक.

Tokko

Church Council
Received 29.3.32
Letter No. 802
26.3.32
File 3.
Reply No.

गुमला. २६. ३. ३२.

श्रीयुक्त माननीय चर्च कौंसिल को मेरा बहुत २ यीसु सहाय होवे—

आगे मैं दीनताई से आप को जनाता हूं— कि मंडली की भलाई के लिये आपलोगों की बात को रख के आप लोगों की कहे के अनुसार जैसा आप लोगों ने मुझे काम सौंपे हैं मैं करने को तैयार हूं परन्तु अभी तकलीफ के कारण पूरा काम नहीं आरम्भ किया हूं अभी मुझ को पछताना पड़ता है— फिर दिन रात मन अपसोस से भरा रहता है। नये पादरी के आने से मैं समझता था कि चैन वो कुशल से मेल मिलाप के संग मंडली में अपने काम का निर्वाह करूंगा परन्तु अभी बिलकुल उलटा होते जाता है— जिसको तो दोनों तरफ मेल मिलाप रख के रहना और काम करना है पर अभी एक पक्ष का तरफ— दारी लेके जैसा वे परामर्श देते मुझ से करने को तैयार होता है और मुख्य मौकिया है क्या जाने कौंसिल का राय देके गुमला भेज दिये हैं क्योंकि वह कहता है जैसा कौंसिल मुझ को करने को कहा। वैसा मैं करता हूं अर्थात पंच पंचैत करके काम करो— पंच पंचैत करना और ठहराना तो अच्छी बात है। पर एक ही पार्टी से पंच पंचैती करना बहुतों के लिये अच्छी बात नहीं होगी क्योंकि मंडली में अभी एक पार्टी नहीं है— पर दो पार्टी हैं दोनों पक्ष के लोगों से मिल के काम करने से अच्छा हो सकता है— यदि एक ही पार्टी के स्थानीय लोगों से पंच पंचैत करते तो अनुमति उनको मिली है— तो मेरे लिये धोखा का कारण है— पादरी हम से किसी बात के बारे कुछ न जांच के विरोधियों की बात सिर्फ सुन के काम करता है वे तो मेरे विरुद्ध की बात पर उनको अगुवाई करते हैं क्योंकि उनके मनों में तो मेरे विरुद्ध किस किसी भरा हुआ है— अगर पादरी किसी २ बात को मुझ से पूछता और यदि मैं उसे राजी नहीं होता तो जैसा वह चाहे करें इसमें मेरा कोई कसूर नहीं है चाहे वह मुझ पर कौंसिल में रिपोर्ट करें मैं राजी हूं जहां दो जन से सफाई होनेवाली बात है। वहां विरुद्धी पार्टी के दल बल जमा करना— बेकार बात है— आगे मैं आपलोगों को जनाता हूं और पादरी और विरुद्धी पार्टी का व्यवहार देख के जो कुछ मैं किया हूं खातिर के कौंसिल से आगे कहता हूं यदि कौंसिल के दृष्टि में बुरा समझा

Church Council
29.3.32

जाय तो मैं दीनता से क्षमा मांगता हूं और निवेदन करता हूं कि ऐसे अनबन के समय में मेरे इज्जत
पर भी दृष्टि करके उपाय किया जाय — तो चली बातें छल कपट से नहीं लिख गई है पर [illegible]
को उसको याद सो पर लिख गई है — ~~[illegible]~~

मैं फिर आप लोगों को स्मरण कराता हूं कि मैं विश्वास्ता से मिशन को जायदाद खेती बारी
को बचाये रखा — यदि मैं युद्ध में हनन न करके बेपरवाह रहता तो मिशन का बहुत नोकसान
होता — और खेत रखते हुए तो कुछ आमदनी नहीं मिलता है पर हाता के खेत को अपने
हाथ में लेके — हार छोड़ जोताई करके मैं मिशन को लाभ पहुंचाया और अपने परिवार का
जीवन निर्वाह भी किया — साल भर बिना तलब तनखाह के — और हल के नाथ में भी मिशन
के आमदनी पर किसी प्रकार का [illegible] का अधबटाई लिखाने नहीं दिया — न मैं अध-
बटाई लिखाया — न हो को पीछे किसी तरह का बखेड़ा उठे — क्योंकि [illegible] आदमी के हाथ
पड़ने से जो किसी को फुसलाने से नाना प्रकार की बात करेंगे और ~~मैं~~ पीछे दिक्कत होगा —
पर अफसोस है कि मैं विद्यार्थियों की पढ़ाई का व्यवहार देख के — और कई बातें उन के
और अपनी इज्जत की रक्षा के लिये मैं अधबटाई लिखाया — [illegible] को अपनाने के मतलब
से नहीं पर विद्यार्थियों को उसका [illegible] का बात पर — क्योंकि वे मेरे जोत भाड़ की जमीन
पर दूसरे को अधबटाई के बांट की कुछ कुछ की बात बोलते हैं तब मैं अपने विचार से
अच्छा समझा कि अधबटाई लिखाऊं तो वे कुछ बोल नहीं सकेंगे — पर विद्यार्थियों ने
बात तक पहुंचाया और लेख बांच के मेरे विरुद्ध उठे मैं डिपुटी बाबू के साथ होने का [illegible] किया
कि यदि मैं अधबटाई न लिखवाऊंगा तो ये [illegible] मेरे सिर पे [illegible] — इसी लिये अधबटाई
लिखाया तो यदि अधबटाई परचा में न होवे तो मैं तीन बरस का काबुलियत देने को तैयार हूं
तब डिपुटी पूछे कि किसके नाम से — तब मैं बोला मिशन को जो हक है उनके नाम से
काबुलियत लिखवाने को 7 दिन का मीआद पेशकारी — और डिपुटी बाबू मुझको और उनको
भी कौंसिल के पास जाके बातचीत या चिट्ठी पत्री लिखने बोले हैं — सो कौंसिल
से मेरी अरजी है कि कौंसिल मेरा इज्जत रखके मुझसे तीन बरस का काबुलियत लेके
जायदाद देवे — जैसा कौंसिल लिखने को राय देवे मैं तैयार हूं चाहे मेरे नाम से चाहे मेरे
बेटों के नाम से चाहे मेरे सालों के नाम से — क्योंकि अगर [illegible] हो अधबटाई का जामीन
मुझसे किबुलियत लिया जाय तो विद्यार्थियों का सवाल आपो आप बंद जायेगा और मेरी
बड़ी बेइज्जती होगी — तब वो हाहाकार करके मेरे ऊपर टूट पड़ेंगे — यदि मेरे मन में कोई
छल बाजी की बात पीछे होती तो कौंसिल का [illegible] मैं अपने मिशन [illegible]
को [illegible] — पर ~~अब~~ मैं सच्चाई से काबुलियत देने को राजी हूं —

सो कृपा करके इस बात का निपटारा करके मुझको जनाइये कि मैं सात दिन के भीतर काबुलियत रजिस्ट्री करके डिपुटी बाबू के पास दाखिल कर सकूं और परचा में अपराध [illegible] लिखाऊं — और एक झगड़ा रखना बिल्कुल आवश्यक नहीं था — मैं इस झगड़े के स्थान में किसी किस्म के सफाई नहीं चाहता हूं केवल दिनरात मुझको गिराने ही चेष्टा में लगे हैं — इसलिये कौंसिल ही कृपा करके इस बात का निपटारा करें — और मुझको काबुलियत देने का अनुमति दिया जाय — यदि यहां इस बात का निपटारा होने से झगड़ा का अन्त और बातों के सफाई का मौका न होगा — क्योंकि जो ये मेरे असल बैरी हैं सो इन में दाखिल करने वाले हैं — डिपुटी के इजलास में भी मुझ को "खबर लेने" की धमकी दिई गई [illegible] जी की ओर से — ऐसी कई बातों पर सोच विचार करके इस बात को सभाई और निर्णय के लिये पेश करते हैं —
कृपादृष्टि करके सफाई किई जाय — मैं इस बात के लिये कौंसिल का बहुत धन्यवादित होऊंगा —

प्रेम से

पंडित [illegible] —

Church Council
Received 26.3.32
Register No. 728
Date........
File........ 3
Reply No....
Date........

16, [illegible] 4/4 26/3/32 1

શ્રીયુક્ત માન્યવર ચર્ચ કૌંસિલ કો મેરા બહુત ૨ યીશુ સહાય હોવે—

મૈં આપ લોગોં કી રાય કી અનુમતિ સે ગુમલા ઇલાકા કે ચાર્જ સે અલગ કિયા ગયા હું કિ યહાં કી મંડલી કી સ્થિતિ સુધર જાય— અબ તો ઉસકે બારે મેં મુઝે કુછ કહના તો નહીં હૈ— તૌભી જૈસા હાલત હો રહા હૈ દેખકે મુઝકો આપ લોગોં કો જનાના હી પડ઼ રહા હૈ—

આપ લોગોં ને એક નયે પાદ્રી કો મેરે બદલે ભેજ દિયે હૈં— તૌભી મેરા ઉજુર થા કિ જવાન ઔર નયા પાદ્રી ન હો પર ઉમર વાલા જો દુનિયાદારી કી બાતોં કો જાનતા ઔર બહુત દિન મંડલી મેં કામ કિયા હૈ જો સચ્ચા ઔર ઠીક બાતોં મેં સ્થિર રહે ઔર મંડલી કો એકચિત્ત કરે— તૌભી મૈં એક નયા ઔર જવાન પાદ્રી કે આને સે અસન્તુષ્ટ તો નહીં હું ન ઉસે કોઈ દ્વેષ ડાહ કી બાત હૈ યદિ વહ યહાં કી મંડલી કો ઠીક કર કામ કરે— જબ વહ આયા મૈં આનન્દ સે ઉસકો ઠહરા કિયા ઉસકા માન મર્યાદ આદર સનમાન ભી કિયા ઔર ગોલમાલ કે બારે બહુત બાતોં કો ભી બતાયા— ઔર ઉસકો સલાહ ભી દિયા કિ અભી હાતા ડાકૂટોલી કો છોડ઼કે રોજ ૨ ગાંવ ૨ ફિરો ઔર ભાઈ બહિનોં સે હેલમેલ હો જાઓ— ઉનકો સમઝાઓ બુઝાઓ ઔર ઉનકો ફિરાને કી ચેષ્ટા કરો ઝગડ઼ા તકરાર બોલચાલ કી બાત જો કોઈ બોલે તો ઉનકો જવાબ દેઓ જો કુછ હુઆ મૈં નહીં જાનતા હું ઔર ઉસકો સુનને ઔર ન્યાય કરને કો નહીં આયા હું પર તુમ લોગોં કી અરજી પર યહાં કામ કરને આયા હું કિ તુમ લોગ પુરાને પાદ્રી કો નહીં ચાહતે થે— ઇસલિયે કૌંસિલ મુઝકો ભેજા હૈ સો તુમ અબ મિલ જાઓ તુમ્હારી અરજી પૂરી હો ગઈ હૈ અબ તો ઉજુર મજુર કરના નહીં હૈ— ફિર મૈં ને કહા કિ અભી તુમ કો લોગ ઇધર ઉધર ખીંચેંગે ઔર હર કોઈ અપની ૨ નાના પ્રકાર કી બાત કહેંગે ઔર મૈં ભી નાના પ્રકાર કી બાત સુનાઊંગા ઔર મેરે વિરોધી પરટી કે લોગ ભી નાના પ્રકાર કી બાતેં સુનાવેંગે તુમ ન મેરી બાતોં કો ઉનકો બતાઓ ન ઉનકી બાતોં કો મુઝકો બતાઓ પર દોનોં તરફ કી બાતોં કો સુનકે ઉન પર સોચ ધ્યાન લગાકે મન હી મન રખો ઔર જૈસા મંડલી કા કાનૂન નિયમ હૈ ઉસકે મુતાબિક અપના કામ આરમ્ભ કરો જિસમેં મંડલી ચલાને મેં સુભિતા હોવે— તુમ કિસી કી તરફદાર મત હોઓ નહીં તો તુમ મુશકિલતા મેં પડ઼ોગે કહે કિ અભી યહાં દો પરટી ઔર અનબન હૈ તુમકો બડ઼ે ચતુરાઈ સે કામ કરના હૈ યદિ તુમ એક પરટી કી ઓર ઝૂકોગે તો મિલાને નહીં સકોગે— કૌંસિલ તીન ચાર દફા આકે સબ બાતોં કો જાંચા હૈ ઇસલિયે બીતી બાતોં કે બારે તુમકો કુછ કહના નહીં હૈ ન ન્યાય વો બિચાર કરના હૈ કૌંસિલ કે આધીન હો કે ઉસકે

નિયમકો પાલન કરના ઔર ઉસકે નિયમકે મોતાબિક મંડલી ચલાના ઔર લોગોંકો મેલ મિલાપ કરના હૈ જિસમેં મંડલી ઠીકસે ચલે ઔર આમદની કી બઢતી હોવે — અભી મંડલી કો દુરઘટના કે સમય મંડલી આમદની કી બઢતી પર વિશેષ ધ્યાન દેના ચાહિયે — યદિ તુમ બીતી બાતોં પર ધ્યાન લગાકે રહ કે કોઈ એક પરટી કો પક્ષ લોગોગે તો ઔર ભી ગોલમાલ હોગા — કૌંસિલ જિસ કામ કે લિયે ભેજા હૈ સ્થિર હો કે સામર્થ ભર કામ કરો ઔર ઇધર ઉધર ચંચલ કે સમાન મત ડોલા કરો કૌંસિલ વિચાર કરને કે લિયે નહીં ભેજા - યહાં મંડલી ચલાને ઔર મિલાને કે લિયે ઔર યદિ તુમ એક પરટી કો પક્ષ લોગોગે તો તુમ્હારી ગત ભી ખરાબ હોગી — ઔર સલાહ વિચાર મંડલી ચલાને ઔર આમદની જમા કરને કે બારે મુઝ સે પૂછોગે મૈં શક્તિ ભર તુમ્હારી સહાયતા કરૂંગા ઔર ઉપાય ભી બતાઊંગા જૈસા કોન્ડરા કે પાદ્રી બાબુ લૌરેન્ત વિંદુસ કી સહાયતા કરતા હૂં તુમ નયે આયે ભી હો - મંડલી મેં આમદની જમા કરને કા કૌસા કાયદા હૈ તુમ અબ તક નહીં જાનતે હો ક્યોંકિ ઇતના દિન કૌંસિલ તુમકો તલબ દેતા થા· ઇસીલિયે તુમ વહાં બેકાર વાહ થે - પરન્તુ અભી તો યહાં બહુત — પરિશ્રમ કરના ઔર ઉપાય નિકાલના હોગા· કોઈ પ્રકાર કા નયા ચન્દા મંડલી મેં બૈઠાના નહીં ચાહિયે પર જો સાબિક હૈ ઉસી મેં પરિશ્રમ કરકે — ઉપારજન કરના હૈ — ક્યોંકિ કૌંસિલ કા મતલબ નહીં હૈ કિ મંડલી મેં નયા ચન્દા બૈઠાયા જાય —

પરન્તુ ઇસ દુઃખમય સમય મેં મંડલી આમદની કી બઢતી કી બાધા પહુંચને કી નૌબત દેખ કે મજબુર હો કે કાઈ બાતેં તુમકો લિખના ઔર જનાના હી પડતા હૈ ક્યોંકિ ઉસકે વ્યવહાર સે દેખા જાતા હૈ કિ મંડલી કી આમદની બઢને મેં બાધા હોગી — યદિ મૈં સ્થાઈ મંડલી વા પાદ્રી કો કોઈ બુરા સલાહ વા પરામર્શ દેઊં વા કોઈ ઐસી બાતેં કહું જિસસે મંડલી મેં ઠોકર વા બિગાડ કા કારણ હોવે તો વહ ઉસકો ન માને બલ્કી કૌંસિલ કે પાસ મેરે ઉપર રિપોર્ટ કરે — પર યદિ મૈં અચ્છા સલાહ દેઊં જિસસે મંડલી કી આમદની કી બઢતી હોવે તો માને — ઇતના દિન હુઆ વહ કોઈ બાત પૂછને વા બૈઠને ઉઠને કો કભી નહીં આતા હૈ માનો કિ મૈં ઉસકા મારી દુસમન હું પર રોજ વા રોજ વિરોધી પરટિયોં કી સંગ સે લેકે કોઈ બાત કા કારવાઈ ~~કરતા~~ વા પંચ પંચૈત કરતા ઔર ઉન્હીં કી સલાહ પર ચલતા ~~[illegible]~~ ઔર કરતા હૈ — ઇસે પીછે મંડલી કી આમદની કા નુકસાન હોગા સો સોચ બિચાર નહીં કરતા —

અભી દેખા જાતા હૈ કિ જવાન પાદ્રી રહ બિન્યામિન રાજા કે સમાન ઉમર વાલોં વા મંડલી કે અપને સહકારિયોં વા ઇલાકા કી સલાહ પૂછતે ન લેકર બેમજુલ વિરોધિયોં કે પક્ષ મેં ચલને કો સુરત

किया है उसके मंत्री हेडमास्टर सेकेंड मास्टर थर्ड मास्टर - चौन्हस बाबु - मोहन मिंज प्रभु
डाक्टर, नूथर खलखो बाबु और बाबु फुलिमुस तिगा हैं - जो पादरी के यहां पहुंचते
हो इन्हीं के अगुवाई से नाना किसिम को मिटिंग बैठते रहते हैं - जो मेवह
अभी तक समुचे इलाका में नहीं फिर चूका है - न माई बहिनों से हेल मेल
हुआ है न इलाकों का रीत दस्तुर पहचाना है न देखा है - न वह अपने -
सहकारी पादरी के संग बैठ के मंडली विषय का बात चीत सलाह समत किया है - परन्तु
चौन्हस बाबु और मास्टरों के राय से मिटिंग बैठाता है - ऐसा देख पड़ता था -
व्यवहार करता है कि सब आस्मिचारी को इलाका पंच को मैं उसका दुसमन
हो गया हूं - उसको तो पादरी नूथर बाबु से बात विचार को सलाह करके
वो इलाका पंच से कोई सलाह करके कोई बात करना चाहता है -
इनसे कोई राय वा सलाह न लेके सिर्फ स्थाई लोगों का पंच बनाके मंडली में
जारी करने चाहता है - मानों कि ये ही लोग समुचा इलाके के प्रतिनिधि
है -

मजूरों के तलप के बारे - उधार पंच और स्थाई शिक्षितों से पंच बनाके
मिटिंग किया जाता है कि घर २ एक आना महवारी चन्दा बैठाया जाय जिसको
सुनके इलाका में कितने बहुत जगह माइयों के बीच में कुड़कुड़ाहट
फैलता है - स्कूल के बारे विचार आचार करना तो अच्छी बात है पर
थोड़े ~~...~~ एकाही जगह के जनों से नहीं हो सक्ता है पर इलाका और आम
सभा ~~को~~ से - इस चन्दा बैठाने में फुलिमुस का विशेष विचार है और
मंडली में मूजर के कोई जगह है देख मो किया कि मंडली में कोई चन्दा
न लिया जाय सिर्फ घर पीछे एक आना महवारी - यदि ऐसा होगा तो
मंडली आमदनी में बड़ा बाधा होगा और मंडली में और चन्दा मंडली
सम्भालने को मिलता है सो सो ढीला होके बन्द होगा - क्योंकि ऐसी
बातों को सुनते ही मंडली में कुड़कुड़ाहट फैल गई - मैं इसके विषय
पहिले ही पादरी को बोला था - पर मेरी बातों पर कुछ ध्यान न देके विरोधियों
के संग मिलके वहसील के लिये सारी मंडली में नोटिस जारी किये -

मंडली बाहर वालों के सजा उठाने के बारे - सुनने में आता है कि
फुलिमुस तिगा पादरी मोहन टोप्पो के पास मंडली सजा उठाये जाने
और फुलिमुस तिगा जिनको स्नान और छुड़ा करा दिया उनको -
संस्कार करने के विषय - फुलिमुस तिगा इन बातों के बारे यहां के
शिक्षितों के पास अरजी किया था और वे इन बातों पर विशेष जोर
देके मंडली सजा उठाये जाय और स्नान और छुड़ा करा छुड़ाई जावे -
ऐसी बातों का तो किसी पादरी को मिलना उचित नहीं है क्योंकि यह एक
पादरी की बात नहीं है पर कौंसिल की बात है -

बिना पेरिश वा इलाका पंच किसी स्थाई वा विरोधियों के राय से मंडली
पंच चुनना नियम के विरुद्ध है -

5 फिर बिना इलाका की राय से एक मेनेजिंग कमेटी बनाना - सिर्फ उधार पंच और
~~सिर्फ विरोधियों~~ मंडली बाहर और स्थाई लोगों ही के जरिये से नहीं हो सकता
देहाती स्टेशन स्कूल समूचे इलाका से सम्बन्ध रखता है रांची आदि जगह
में बन सकता है पर देहात में नहीं - यहां भाइयों के [illegible] और बोर्डिंग
खर्च की बात होगी तो एक जगह के लोगों से नहीं पर इलाका से सम्बन्ध
रखता है यदि भाइयों के ऊपर कोई लेन देन की भार पड़ेगा तो मंडली में [illegible]
होगा जैसा ऊपर बताया जा चुका हूं — इन सब बातों से देखा जाता है कि
एक पादरी मंडली के अन बन को मिटाने आया है एक पार्टी के अगुवाई
से पंच में बैठ के बात बिचार करता है तो देहाती लोगों के लिये ठीक
का कारखा और उसके काम और आमदनी में बाधा होगा। वह एक पार्टी
की अगुवाई से इधर उधर घुमाया जाता है आगे पीछे क्या होगा बिचार
नहीं करता है ये जो पंच में बैठते हैं उधार पंच और स्थाई शिक्षित लोग
हैं जो भीतर २ मेरे बिरुद्ध हैं

एक पंच में दोनों पार्टियों को मिलाने की बात बिचार किया
गया उधार पंच की राय है कि गिर्जाघर के बाहर गिर्जा होवे पादरी आराधना
पढ़े तो उधार पंच में से कोई उपदेश देवे। यह मिलने की बात नहीं पर
पादरी को अपने राय में लाने और अपने मत के अनुसार करवाने का
मतलब है क्योंकि [illegible] का मतलब तो पहिले ही से था कि पादरियों
से काम लेवे पर उनके आधीन नहीं रहेंगे — ऐसी २ भारी बात एक दो
आदमी चाहे एक ही पार्टी से सफाई नहीं हो सकता है पर इलाका
की बात है - इन सब बातों से जान पड़ता है कि पादरी एक तरफ झुकता है
मेरा कहना है कि पादरी न मेरी राय पर न उनकी राय पर चले पर सारी
मंडली की दशा देखके और मंडली वालों से बिचार करके कोई
बात बिचार करना चाहिये — जिसमें कोई कुछ न बोल सके न कोई
नराज होवे - अभी वह उधार पंच और शिक्षितों इधर उधर घुमाते
हैं और वह समझता है कि यही लोग ठीक करेंगे। यहां के शिक्षित
कोई स्थिती आदमी नहीं है वे आज हैं कल बदली हो जायेंगे मंडली
की क्या नोकसान होगा उनको उतना फिकर भी नहीं है। वे सिर्फ मुझ
को दोहमत देने और तंग करने के लिये लगे हुए हैं और पादरी उन्हीं
के पीछे २ चलता है मानो मैं भी उसका दुश्मन हूं। यदि यहां के शिक्षितों
का साफ दिल रहता तो सुधर हो, मैं भाई बहिनों को समझाते बुझाते —
पर वही लोग उनको भूल और सलाह दिये उन्हीं के घर में पंचपंचैत
होता था वे ही लोग ~~घुस~~ उसके गिर्जा जाते और सिरनी घड़ा भी उधर देते
मंडली बाहर का बिचार न करके संग २ बैठके खाते पीते थे सहाय
करते जो भी जानते थे कि मंडली आइन के बिरुद्ध है - पर अभी
मुझको और इलाका पंच को तंग करने के लिये पंच पंचैती करते

और मंडली के साहबों ने पुलिस को नियत ठहराने के लिये मानो फिर से झगड़ा अनबन उठाने के लिये मैं पाद्रीवाकु तथा मिस्टर के चिट्ठी से साफ साफ देखता हूं कि यहां के रिसालों के सलाह से अनबन उठा है। कौंसिल इसलिये एक हुसैरपाद्री को यहां भेजा है कि सब अनबन मिटे परन्तु उसके व्यवहार से देखा जाता है कि अनबन को बढ़ाने को इरादा करता है क्योंकि वह एक पार्टी को और होके उसकी राय सलाह के अनुसार करने को शुरू किया है। उसके ऐसे व्यवहार को देख के कितने लोग नाप्रसन्न होते हैं क्योंकि जो बात तय हो गई है उसको फिर से जगाना और पंच पंचैती कर के एक पार्टी से विचार अचार करना बहुतों के लिये ठोकर का कारण है — ऐसा होने से अनबन झगड़ा तकरार चलता ही रहेगा —

पाद्रीवाकु योहन टोप्पो गुमला आके काम मोहरा वरह से शुरू नहीं किया है। न अभी तक भाईबहिनों से ठीक तरह से जान पहिचान भी नहीं हुआ है वह आमदनी कह के चिल्लाता है — कि हम कैसे करेंगे कैसे मंडली चलावेंगे व स्कूल कैसे चलावेंगे — पर मंडली और स्कूल चलाने का कोई उपाय न कर के घर ही में बैठ के थोड़े जनों से बात विचार कर के आमदनी पाने चाहता है — इस दुःख के हाल में कोई किसी पादरी को हुंडी सवेला भी मान नहीं दिये हैं — विलायती पादरियों के जाने से देहात के सब पादरी प्रचारकों को दुःख तकलीफ गाली चुप्पा मिल्या गिला सह के उपाय करते जाते हैं एक ही जगह बैठ के आमदनी कह के कोई नहीं चिल्लाये — सब पादरी मंडली के मालिक जैसा घर का मालिक अपने बड़े बेटे बेटियों से सलाह विचार कर के कारबार करते हैं वैसा ही — पादरी लोग प्रचारक प्राचीन पंचों से सलाह विचार कर के नाना प्रकार का उपाय मंडली की रक्षा करते संभालते जाते हैं और कितना घटी दुःख सुख दुःख तकलीफ सहते जाते हैं वैसा पादरी योहन टोप्पो भी पहिले अपने संगी कर्मचारियों प्राचीनों पंचों व देहात के मुख्य लोगों और मंडली के भाई बहिनों से हेलमेल आवाजाही कर के मंडली को ताकतवर बनावेगा तो पावेगा — वह हाता ही में बैठ के और स्वार्थी चार आदमियों के राय पर चल के आमदनी खोजेगा नहीं पावेगा — अलावे सबसे पहिले तो चन्दा बटोरने के पंच में सामिल होके मंडली- आमदनी बटोरने में बाधा डालता है — मंडली में किसी जगह गाड़ा हुआ धन नहीं है जैसा उसको हजारीबाग में था — हर एक कर्मचारियों को कठिन परिश्रम करना है जैसा किसान भूमि में दिन रात परिश्रम करता वह घर में बैठ के आमदनी नहीं जमा करता पर खेतों में परिश्रम कर के पाता है — वह अभी नया आया है सब लोग उसकी बातों को मानेंगे आदर सनमान करेंगे प्यार भी दिखावेंगे और जो सलाह देगा मानेंगे यदि वह सब जगह भ्रमण कर के हेलमेल जान पहिचान होगा — तो जरूर आमदनी होगा — एक ही जगह बैठ के पंच पंचैती करने से आमदनी नहीं पावेगा।

6 અભી તક તો વહ અપને નિજ પરોસ મેં ભી પૂરી તરહ સે નહીં ફિરા હૈ પંચ પંચેસ મેં સિર્ફ દિન બિતાયા હૈ - વહ સિર્ફ વિરોધિયોં સે રાય લેકે આમદની પાને ચાહતા હૈ - વહ અભી તક અપને સહકારી, પ્રચારક - પ્રાચીન પાંચવોં સે કોઈ સલાહ સમ્મત નહીં કિયા હૈ સિર્ફ એક પરટી સે રાય લેતા હૈ - હાલાં કિ પ્રચારક સે ભી સાફ જાહિર હોતા હૈ કિ વહ પંચ પંચેવી મેં ઔર એક હી પરટી કે સલાહ પર ચલતા હૈ - ઉસકા ઉઠના બૈઠના બાત વિચાર કરના ઉન્હીં સે હોતા હૈ - ઇન સબ બાતોં સે ભી દેખા જાતા હૈ કિ વહ એક પરટી કી બાત પર ચલતા ઔર ઉન્હીં કે રાય - મોતાબિક કામ કરને ચાહતા હૈ - જો બિશુસ ઔર ઉસકે પાર્ટિયોં કા મતલબ હૈ સ્કૂલ કો લિયે બન્દ દેના ચાહિયે મંડલી કો લિયે નહીં - મૈં પહિલે કહ ચુકા હૂં કિ ઉસકો કાઈ મંત્રી બને હુએ હૈં જિનકે સલાહ પર કામ કરને ચાહતા હૈ - ઐસા કરને સે કભી મેલ મિલાપ નહીં હોગા પર બરાબર બિગાડ ઔર ટાના ટાની હોતા હી રહેગા ઔર મંડલી કે લોગ ફિર ઇધર ઉધર ખીંચે જાયેંગે ઔર મંડલી કી દશા ઔર ભી ખરાબ હોતે જાયગી—

ગુમલા કે હેડ માષ્ટર ઔર સેકેન્ડ માષ્ટરોં કે વિરુદ્ધ સબ કો ઔર મામુલી બાતોં પર રિપોર્ટ કિયા થા - જો સબૂત સાબુત થા - પર કૌંસિલ બહુત દિન કી બાત કહ કે ડિસમિસ કિયા - જો ભી જાંચ કરતે તીન ચાર મહિના બીત ગયા ક્યોં કિ કૌંસિલ આપ હી સવાલ કરતા કિ ગુમલા મેં ઐસા હુઆ કા નહીં સાબુત ન દેને સે ડાહ સે રિપોર્ટ કિયા ગયા જાનતા - યહ મેરે લિયે કેવલ ખરાબી બાત નહીં હુઈ પર સમુચી મંડલી કે લિયે - મિસ્સા કે બારે ઠીક ર હોગા કિ હેડ માષ્ટર કે ઊપર સબૂત સાબુત દિખલાયા ગયા પર વહ જ્ઞાની વાશીદાત હૈ ઇસલિયે કૌંસિલ માફ કિયા - ચિમ્બાકડ કી સંખ્યા બઢેગા—

સેકેન્ડ માષ્ટર કી બાત તો બહુત દિન કી નહીં થી પર એક મહિને કી બાત થી ઔર વહ સબૂત હેડ સુપર ઐસર કે સાહબ ને ઝૂઠ બોલા ઔર સ્કૂલ - લડકોં કે સાહબ ને ભી - યહ ભી બડે ઠીક કી બાત હૈ - પર યે બાતેં તો કૌંસિલ કો ફૈસલા સે બીત ગઈ ઇસ કામ મેં લોગોં કો દૃષ્ટિ મેં દિખાયા ગુપ્ત સજા ભી મિલા - અર્થાત પ્રોમોશન્ટ ફાન્ડ ઔર મિડિલ સ્કૂલ મેં જાના બન્દ - પર ઉનકી બદલી નહીં હુઈ લોગોં કે મન મેં રહ ગઈ અર્થાત વિશીદાત લોગ કોઈ કરે ઉનકો માફ તો જરૂર મિલેગા - પર અનપઢ આદમી કોઈ દોષ કરે દરાડ તો જરૂર મિલેગા ઐસી બાતેં પ્રચલિત હોતી જાતી હૈ—

અભી યે દોનોં ગુમલા હી મેં રખ દિયે ગયે હૈં અભી યે નાયે પાદ્રી કે મંત્રી બને હુએ હૈં ઔર ઉસકો ઇધર ઉધર ઘુમાતે ઔર મેરા દોષ ઢૂંઢને - ઔર મુઝકો ગિરાને કે લિયે ઉપાય ઢૂંઢતે ફિરતે હૈં ઔર મંડલી કે ચારોં ઓર ભી પરબાત જાહિર હૈ - ઔર લોગોં ઔર પાદ્રી કો મેરે વિરુદ્ધ ઉસકાર ફિરતે હૈં - ઔર ઇન દોનોં કા મેરે ઊપર કોઈ ખાસ કો કિસ કિસી બા વિરુદ્ધતા નહીં ઉઠ ગયા ઉનકે મનોં સે—

અભી હાલ હી કી બાત હૈ બોર્ડિંગ લડકે લડકિયોં કે બકાલની કા તનખા ૧૯૬૨ કે ચાર મહિના કા તનખા બાકી હૈ સેકેંટ માષ્ટર આપ હી આપને

કામ મેં સ્વીકાર કિયા હૈ જબ માષ્ટરોં કા તબાદલા કિયા તબ બબરચીયોં કે માંગને પર જવાબ મિલતા હૈ અગર પુરાના પાદ્રી દેગા તો હમ દેંગે — વહ હમ પર સંદેહ કરતા હૈ — હેડ સુપરવાઇઝર મી. મિરે બિના સલાહ એકદમ સે હેડમાષ્ટર કે હાથ મેં માષ્ટરોં કા તબાદલા ભેજ દિયા — દોનોં માષ્ટરોં કે પાસ બતાયા થા — હેડમાષ્ટર કે પાસ બોર્ડિંગ ફીસ વગેરા બાકી થા ઔર સેકંડ માષ્ટર કે પાસ બોર્ડિંગ ફીસ કા બકાયા થા — ઇનકો છોડ મંડલી પૈસા ઘરવાલૂ પૈસા બતાયા થા — અબ યદિ ઘરવાલૂ કા મૂલ્ય બનાયા પાસ્ટર ગ્રાન્ટ સે લાયા જાયેગા તો ઠીક નહીં હોગા —

~~બિસ સાલોં~~ મેં બહુત દિનોં સે સિરનો ઘડા બોર્ડિંગ મેં દિયા જાતા થા — પર માર્ચ મહીના મેં સેકંડ માષ્ટર શ્રી પ્રશાંત બોર્ડિંગ કા ચાર્જ લેતે હી તુરંત બોર્ડિંગ કે ઘડા સિરનો કો બંદ કિયા સિરનો ઘડા પુરાને પાદ્રી કી બાત હૈ હમ હુકુમ દેતે હૈં સિરનો ઘડા મત રખો ઔર મત દેઓ બબરચીયોં કો ઇને કો રખને સે મના કિયા — આપ લોગ વિચારિયે યહ કૈસી બાત હૈ યહ બેરતા કી બાત અબ તક ઉસકે મન મેં લગા હુઆ હૈ યદિ ઇસ મિશન કર્મચારી ઇસી પ્રકાર મના કરેગા તો પીછે સબ ચો મંડલી મેં તુફાન ઉઠેગા ઔર મંડલી કી આમદની બંદ હોગા — ઐસા તો પ્રુટેસ્ટન્ટ કા પુરા રાય હૈ — કિ મંડલી કે લિયે કોઈ આમદની ન દિયા જાય ઐસા હી યહ ભી કરતા હૈ યહાં એક તરફ સે આમદની બઢાને કી ચેષ્ટા કિ જાતી હૈ દૂસરી તરફ સે આમદની ઘટાને કી ચેષ્ટા કિ જાતી હૈ તો જિસ ઘર મેં ઐસા હોગા વહ ઘર નષ્ટ હો જાયેગા —

જબ તક યે દોનોં માષ્ટર યહાં રહેંગે ટાના ટાની ઝગડા તકરાર વૈર વિરોધ હિંસા કા અંત નહીં હોગા — અલાવે ઉલટા કોઈ લિયે જિન્હોં ને — માષ્ટર કે ઊપર કિતાબ જપત ઔર જરવાના લેને પર ગવા દિયે હૈં — કોઈન કોઈ તરહ સે ઉનકો આખિરી દશા ખરાબ હોગી — ક્યોંકિ વહ નહીં સોચતા હૈ કિ મેરે ભલાઈ કે લિયે પૂરા કામ રોકા ગયા — પર વહ ઉસકો દોષ લગાના સમઝકે નિશ્ચતા કરતા ઔર ડાહ રખતા હૈ — યદિ મંડલી કી ભલાઈ કી બાત દેખને ચાહતે હૈં તો મિહરબાની કરકે ઇન દોનોં કો યહાં સે અલગ કીજિયે — નહીં તો ગોલમાલ કા પુરા અંત કભી ન હો મિટેગા બાહર કે સરકારી કર્મચારી ભી — ચોર ૨ બને હો જાયેંગે — જબ ઉનકા સમય પહુંચેગા પાદ્રી દોનોં કો — હાલ હોમેં દૂસરે જગહ મેં જગહ દીજિયે

મૈં યહ રિપોર્ટ કોઈ ડાહ દ્વેષ સે નહીં લિખતા હું પર પાદ્રી કા વ્યવહાર દેખકે ઔર સિલ કી જલાતા હું કિ વહ હરએક પાટી કા પક્ષ લેને કો શુરૂ કિયા હૈ ઔર માનો મૈં ઉસકા દુશ્મન કે ઐસા સમઝા જાતા હું — જો વહ ન મેરે પાસ ન આતા જાતા ન મેંટ મુલાકાત કરતા ન મંડલી વિષય કોઈ બાત પૂછતા વકીલો પાદ્રી ઔર નાદિર સબ કે પાસ બોલતા હૈ કિ બુડ્ઢે પાદ્રી કે પાસ જાને કા મન નહીં કરતા હૈ મૈં આનંદ કરતા થા કિ મૈં શક્તિભર ઉસકો સંગ મિલકે કામ મેં ઉસકો સહાયતા કરુંગા ઔર ઉસકો અપને બેટે કે ઐસા જાન કે મંડલી

४ और आमदनी प्राप्त करने को तरीका बताऊंगा और इलाका में भी अपने कालतु समय में इसी मंडली के देहात में जाय मैं उसको सहायता करूंगा — क्योंकि वह नया है — पर इन महीना में नहीं बीत गया है वह विरोधी पार्टी से मिलके मुझको अपना दुश्मन को ऐसा समझता है — जितना मेरे विरोधियों से मन में दुःख नहीं मिला और मन शांति नहीं हुआ उतना इस नाये पाद्री को आने से उसके व्यवहार देखके मन बेचैन होता है तो अबतक अब मेरे विरोधियों से नहीं पर इन पाद्री से चलने का अनुभव मुझे पड़ता है उसके ऐसे व्यवहार देखके — जो कुछ वह मंडली विषय कोई बात पूछे या किसी बात में उसको शंका होवे मैं सलाह देने और बताने को राजी हूं — पर खाली सिर्फ विरोधी पार्टियों की ओर पक्ष लेके तो कोई बात बताना या सलाह देना भी बेकायदा है उसे झगड़ा और हो बढ़ेगा — उसको तो किसी तरफ पक्ष लेना नहीं चाहिये सभों के संग मेलमिलाप से रहना और बातचीत करना चाहिये क्योंकि वह आनन्द और झगड़ा को बीच में आमकरने को भेजा गया है उसको पहिले सब बातों को जांचना पूछना और फिर जो कोई झगड़ालु बातया ध्यान देना या सुनके उसके अनुसार करना नहीं चाहिये —

प्रेमसे —

पाद्री दाऊदपुर

17

Recd Juwel Lakra

गुमला २३-३-३२

श्रीयुत माननीय पादरी बाबु यूसुफ को मेरा बहुत २ यीशुसहाय होवे—

आजकल इधर कुशल मंगल है उमेद है कि प्रभु आप लोगों को भी भला चंगा रखे— आगे हाल आप को जनाता हूं कि बगीचा का मुकदमा— अभी बड़ा गड़बड़ हो रहा है सिविल कोर्ट में इजहार पिजहार— जिरह बहस हो गया है पर अभी तक वो हुकुम नहीं सुनाया गया है इस डीओ तसदीक वालों के खतियान पाट नम्बर II को आशा देख रहा है कि बगीचा के बारे सेटलमेंट कानुन के मोताबिक क्या ~~कोरट~~ फैसला— लिखा जायेगा बाद वह फैसला लिख के सुनावेगा— अभी तसदीक वाला डिपुटी जिमीदारों के पक्ष लेकर— और वकील मोकतारों के जरिया फिर से गोवा साबुत का इजहार पिजहार लिखा है— जिमीदार अपने मिलगांव के लोगों को मिला के उनको उसको देके ~~इजहार~~ इजहार करवाया है कि हाता के बगीचा में गाय बैल चाया और बथान नहीं बैठते हैं और चराई नहीं होता है और जिमीदार गाछ बरुआ साल २ काटता है— डिपुटी ~~साहब~~ दोनों पक्ष का इजहार पिजहार लिखा और बोला कि इसको होल्टन साहिब के पास भेज देते हैं वह क्या फैसला करेगा— तब फैसला सुनावेंगे— मा? डिपुटी जो २ बात जिमीदारों के पक्ष में बोला गया सो ही लिखा पर जो हाथियाम्मतवाला बोला गया सो नहीं लिखा— अभी वह इजहार कागज होल्टन साहिब के पास भेजा जा रहा है सो मैं आपसे अरजी करता हूं कि मिहरबानी करके कोई समय में होल्टन साहिब के पास जाके और उन इजहारों को पढ़ के अच्छी तरह से होल्टन साहिब को बताई ये— कि कैसी रइयतों का हक छिपाया जाता है और नाना प्रकार का छेड़छाड़ किया जाता है— और कहिये कि आप ही साबुत निकाले हैं कि बगीचा का ~~...~~ हो गाछ नहीं काटा जावे बगीचा बचाया जावे। और आगा आरत का इजाजत किया जायेगा तो बगीचा एकदम खतम किया जायेगा और कुछ नहीं बचेगा— और ~~...~~ बगीचा निकालम— यह बगीचा शहर के नजदीक है

लोग डेरा डालते – भवानी – वट के ~~व~~ मनुष्य और पशु छाया बैठते हैं —
तो आदमियों का जिन्दगानी का ध्यान होता है – यह जगह जिसे [illegible] मतलब से
आपकी का आदर्श स्वतन्त्र आज चाहता है – सुरक्षित जगह में बड़ी ड्यूटी
आपकी न आदर्श आदि स्वर्ग किया – जैसा कुछ भी हो – वह तमाम ही [illegible] में
और यहां कभी चाहो [illegible] और आदर्श का इस्तेमाल किसानों का देखा है
यदि आप [illegible] किसान का आदर्श [illegible]
तो थोड़े दिनों में आदर्श स्वतन्त्र आयेगा — [illegible]
[illegible] किसानों का [illegible] — मैं आपसे बहुत
आदर्श [illegible] हूं [illegible] जीवन में ~~[illegible]~~ [illegible]
[illegible]
[illegible] – [illegible]
[illegible] —

आपका [illegible] में [illegible]
है [illegible] – यह [illegible] – [illegible]
[illegible] — आज [illegible] बड़ा [illegible]
[illegible] – [illegible] – और [illegible]
[illegible] और ~~[illegible]~~ [illegible]
[illegible] – [illegible]
[illegible] है —

D. [illegible]

गुमला – १९·२·२२.

श्रीयुत मान्यवर बाबू पितर हुराद ओपिरबारों को – ईश्वर का बहुत बहुत सहाय
प्राप्त होवे – आजकल हम लोग प्रभु की दया से भले चंगे हैं और
आशा रखते हैं कि प्रभु आप लोगों को भी भला चंगा रखे –
मैं ने आप की चिट्ठी नं: २१२ लिखा पाया सब हाल मालूम किया –
मैं बहुत अफसोस करता हूं कि नयाचाल उनके संग मिलके मुझे संग
[illegible]ने में लग गया है – मैं आप को जनाता हूं कि जब वह आया –
मैं बड़े मन संग उसको ग्रहण किया – एक साथ बड़े मान मर्यादा से भोजन
कराके खिलाया पिलाया – और यहां के झगड़ा का शुरू से हाल खबर
भी सुनाया और उसको बड़े प्रेम से बोला कि तुम नये आदमी हो – अभी
तुम इधर उधर खींचने को चेष्टा करेंगे – सो तुम बड़ा चौकस रहो मंडली
की जो आज्ञा नियम है उसी में स्थिर रहो – मैं जो बात सुनाता हूं
उसको पंच के बाद सो तुम मन ही मन में रखो – और इधर उधर इसके उसके
पास मत बोलो पर मन में रखो और उधर के जो लोग जो कुछ बोलते सो
भी सुन मत बताओ अपने मन ही मन सोचो और दोनों तरफ की बातों
को तौल करके काम करो जो तुम को कोई काम कठिन जान पड़े – मैं सलाह
समेत और सहायता देने को तैयार हूं तुम नये आदमी हो सब बातों जानना सीखना
आवश्यक है – तुम अभी बाहर न जाओ नाइयों की सभा आओ पर हाथ डाल डोलो
मत जाओ – पीछे जो बाहर डील करोगे तो इन लोग आप से आप ठीक होंगे –
पर वह मेरी ऐसी सलाह को न मान के रहे के लिखे पादरियों और मास्टरों से
सलाह किया पंच पंचैत करके उन्हीं की राय में होके मेरे पास न आता
न बैठता उठता न कोई बात पूछता – जैसा वे उसको चलावेंगे वैसा ही
चलता है जैसा वे बोलेंगे वैसा ही करता है प्रेसिडेन्ट २७ २१ को गुमला
आया उसी के साहब ने सब बाहर जाने को रोक दिया – रिसड़ा आमद
मंडली का और स्कूल का रह गया मैं ने प्रेसीडेन्ट से कहा कि तुम को इधर
उधर जाना पड़ता है दुरुस्त न होने के कारण दौरा आदि नहीं किया

सो सब खुदा के फजल से मैं इस महीने का आखिर तक [illegible] दूंगा —
और [illegible] और [illegible] में सब [illegible]
और खुश [illegible] को साथ [illegible] — उस समय [illegible]
बोला — (मैं पुरानी चीज़ों को [illegible] क्योंकि मैं [illegible]
चीज़ों का आदर [illegible] — और पुरानी चीज़ों से उसका [illegible] नहीं
था और नहीं है क्योंकि प्रायः सभी का [illegible] है — परन्तु आजकल [illegible]
[illegible]
[illegible] पुरानी चीज़ों का [illegible] और [illegible]
पुरान पुरान चीज़ों का [illegible] तब मैं ने कहा कि [illegible]
[illegible]
[illegible] है मैं [illegible] में [illegible] —
[illegible] नहीं [illegible] —
[illegible] था — और [illegible]
हुआ — [illegible] — [illegible]
[illegible] है और उन्हों ने [illegible]
[illegible] मेरे [illegible] है [illegible] और [illegible]
[illegible] और [illegible] नहीं [illegible]
उनका [illegible] और [illegible]
[illegible] हुआ है [illegible] नहीं [illegible] — [illegible]
[illegible] है — [illegible]
[illegible] है तो [illegible] है
[illegible] तो मैं [illegible]
[illegible] है [illegible] — और [illegible]
[illegible] — तो [illegible] और [illegible]
और [illegible] है सो [illegible] जायेगा —

Church Council
Received
Register No.
Date
23 FEB. 1933

2

गुमला १९-२-३३

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] है——

[illegible]
[illegible]
[illegible] है [illegible]
[illegible]
२- [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
२ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible] है [illegible]
और [illegible] है — और [illegible]
[illegible] मैं [illegible] नहीं [illegible] नहीं [illegible]
[illegible] और [illegible]
[illegible] है — [illegible]
[illegible] है —
[illegible] है — और
है [illegible] नहीं [illegible] है — [illegible]
है [illegible] नहीं [illegible]
[illegible] है मैं [illegible] है [illegible]
[illegible] और [illegible]
[illegible] है — [illegible]
[illegible]
[illegible] है [illegible]
[illegible] और [illegible] है [illegible]
[illegible] और [illegible] है [illegible]
[illegible] ३०, ३४ [illegible]
[illegible] ५०, ६० [illegible] नहीं [illegible]
[illegible] और [illegible]
[illegible]
[illegible] और [illegible]
[illegible] —
[illegible] — [illegible]
[illegible] — [illegible] है [illegible]
[illegible] नहीं [illegible] है मैं [illegible]
[illegible]
और [illegible] है —
[illegible] है
[illegible] मैं [illegible]
[illegible] — [illegible]
[illegible] है — [illegible]

[illegible] है [illegible]

[illegible] है सो [illegible] होता है

[illegible] में [illegible]

[illegible] है [illegible]

[illegible]

और [illegible] है और [illegible]

[illegible] है मैं [illegible]

[illegible]

[illegible] है [illegible]

है कि मैं [illegible]

[illegible] है कि [illegible]

[illegible] है जो मैं [illegible]

[illegible] हैं तो [illegible]

[illegible] और [illegible] २० [illegible]

[illegible] है [illegible]

[illegible] है कि [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] है [illegible]

[illegible] है

[illegible] है [illegible] है

मैं [illegible]

[illegible] नहीं पर [illegible] किया [illegible] रहा है

[illegible] हैं और [illegible]

[illegible] नहीं [illegible] है [illegible]

[illegible] किया [illegible] में [illegible] है

और [illegible]

[illegible]

[illegible] तो [illegible]

और [illegible]

[illegible]

नहीं [illegible] है [illegible] संयम में [illegible]

[illegible]

[illegible] में है [illegible] में [illegible] नहीं

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] और [illegible] के [illegible]

[illegible] है — मैं [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] है [illegible]

[illegible] है — [illegible]

[illegible]

[illegible] है और [illegible] नहीं [illegible] है —

D. Kejur

W 18L

933/32. 14th. March, 32.
F. - 3.

Rev: D. Kujur,
Lutheran Compound,
Gumla.

Manyawar Padri Daud Kujur,

Ap ko bahut Yishusahay! Ap ki 4 tarikh ki chithi aur Bill mili hai.

Ap ko malum howe ki Padri Johan Toppo ~~kaxxxxxxxx~~ bahut pichhe wahan gaya, so jaubhi Church Council ap ko January 15 se talab dene ki bat kii hai parantu jab Rev: J. Toppo ap se jake charge nahin liya hai tab tak ap Gumla ke charge men mane jayenge aur us samay tak ka talab ap Gumla Ilake se pawenge.

Ap Gumla ka pura charge Johan Toppo babu ko de dijiye, kyonki kahta hai ki Khajana aur bahi ityadi ka charge mujh ko abhi tak nahin mila hai.

Wah Singhani gaya hai aur is haphta men kadachit laut awega.

Bhawishyat men jab ap swapalan ka saphar karenge to apna Safar Programme bhejiye aur uske manjur hone par saphar kijiye jisten ap ke saphar Bill men roktok na howe.

Age shubh.

[signature]

Secretary,

G. E. L. Church.

File

गुमला
7.3.32.

Church Council
Received... 8.3.32
Register No. 246
Date... 7.3.32
File... 3
Reply No............
Date............

To
The Secretary,
Church Council
Ranchi.

महामान्यवर महाशय,

आप को मेरा यीशुसहाय।

आगे मैं विनता पूर्वक यह निवेदन करता हूं कि मैं कौंसिल के अनुमति से गुमला आया, पर अभी यहां मालूम हुआ कि अभी गुमला में आमदनी एक दम घट गया है और एक पादरी और एक प्रचार गुमला खास में रहते हैं। फरवरी में Rs 6-6-3 हुआ था जिसमें वह प्रचारक को दिया गया अब मेरे लिये कुछ नहीं बचा, गुमला इलाका खजाना में न चान न सम्भान कि और कोई आमदनी इस साल मे लिये नहीं दिखता है सो मेरा लिये जो नये हैं रहना बहुतही कठिन है, सो मुझे तो कौंसिलही पर सब भरोसा है क्योंकि मैं कौंसिल का आदमी हूं।

अब मेरी अर्जी है कि किसी प्रकार भी १९३२ इस साल में मेरी सहायता की जाय, अगर इस साल तक भी मेरी वृद्धि की जाय ~~[illegible]~~ तो मैं आप का सदा धन्यवादी रहूंगा।

आप का सेवक
Rev. Johan Toppo.

'मान्यवर Principal schole Gumla
Mr. Lakra और Rt: Mr. S. H[illegible] 2-32.
को मेरा येसुसहाय, आपने और इतवार
आगे हम गुमला
को जाके मुझ को करना था कर चु[illegible].
वहां के [illegible] नाहिं टोली मेरे पास आये
थे और पूछा कि हमलोगों के दरखास्त
के विषय Council ने क्या विचार
किया, हमने उनको यही जवाब दिया कि
अभी वह दरखास्त रख लिया गया है
बोलते हैं कि यह दरखास्त Proper
Chanel से नहीं आया था तब उन
लोगों ने हम से कहा कि तब वो दरखास्त
हम लोगों को लौटाया जाय हम लोग
उसको इलाका में सौंपेंगे। हमारे विचार
अनुसार उनका कहना ठीक है सो आप
दोनों से अरजी करते हैं कि आप लो[illegible] उस
दरखास्त को Babu Chouhan Lakra
chairman वा मेंबर [illegible] जिन्हें
के पास जो [illegible] न किया जाये [illegible]
[illegible] [illegible] भेजदिया जाय। जिससे इलाका
[illegible] में [illegible] रख दिया जाय जिससे
पंच के आगे रख दिया जाय जिससे
सब ठीक किया जाय।

J. Tojrowo. Presd.
20-2-32.

19

INDIA

POST CARD

WRITING SPACE

ADDRESS

INDIA POSTAGE

HALF 1/2A ANNA

THREE PIES

INDIA POSTAGE

24 FEB. 32

11 30 AM

Church Council

25. 2. 32

723.

20. 2. 32

3.

Rev. J. Lakra

Principal,

& Secretary. P. Hurad

G. E. L. Church

Ranchi

Church Council
Received 7. 3. 32
Register No. 743.
Date 4. 3. 32
File 3
Reply No.

Gumla 4. 3. 32.

Sriyut Manguar Babu P. Hurad ko dharmon ka bahut 2 Yishusahay have – main januari 15 – 31 tarih aur Farwari mahina ka sanchhem report aur bil bhej deta hun jaisa council ki or se mujh ko ordar mila hai – main ap se arji karta hun ki sanchhep se repor dunga wa tarih 2 ka report aur ~~jaa~~ jahana jayenge kul lekhar likhna hoga wa sanchhep jais januari farwari ka likha hun so kripa karke khula sa mujh ko bata dijiye – aur yah report jo main likha hun so thik hai wa nahin thik hai to pes kijiye aur thik nahin hai to wapas phiraiye aur Bil kaisa likha jayega so bhi bata dijiye yah bil thik kaida se likha gaya hai wa nahin – main [illegible] mahinwari ka ~~bil~~ beta dabi karke bil likha kyon skel men ~~tt~~ utnahi hai

D. [illegible]

Main ap se arji karta hun ap ka kya ray hai main jeuel ko [illegible]

Ondaal Sanchep [illegible] —

मैंने आपका भेजा हुआ पत्र और [illegible] पढ़ के [illegible] —
आशा है मैं आप को बतलाता हूं कि मि. [illegible] आवश्यक
चिट्ठियों को [illegible] मिल जाता है — और [illegible]
[illegible] और [illegible] से [illegible]
है और [illegible] — [illegible] है
मैं आप को बतलाता हूं कि [illegible] — [illegible] लोगों को
[illegible] आप [illegible]
को दिया — [illegible] पंडित [illegible] (२) [illegible] और
[illegible] किया है [illegible] पंडितों से [illegible] —
और [illegible] [illegible] और
[illegible] आप [illegible] में [illegible]
[illegible] में [illegible] में
[illegible] — [illegible] बातें में आप [illegible] —
मैं आप को बतलाता हूं और [illegible] २-३ [illegible]
[illegible] हुई — आप [illegible]
और [illegible] और [illegible]
[illegible] — [illegible]
[illegible] — [illegible] में [illegible]
[illegible] है — और [illegible] में [illegible]
[illegible] हूं [illegible]
[illegible] है — मैं आप को [illegible]
[illegible] और [illegible] — और [illegible] और
[illegible] — [illegible] पंडित [illegible]
[illegible] है — मैं [illegible] आप को
बतलाता हूं पंडित में और [illegible] और पंडित
[illegible] —

7.3.32
742

3.

श्रीयुत माननीय चर्खे की मिलों के [illegible] सहाय होवे —

आगे मैं चर्खे की मिलों को आज्ञा मोताबिक जनवरी १५ तारीख से फरवरी [illegible] संक्षेप रिपोर्ट और हिसाब भेज देता हूं —

जनवरी तारीख १५ — ३१ तक पाड़ो के गांवों में [illegible] मंडली के काम में लगा हुआ था — कोई विशेष समाचार नहीं हुआ — आगामी तहसील के काम में था —

फरवरी १ — २१ तारीख तक — पाड़ो के [illegible] में मंडली के काम और [illegible] में लगा हुआ था — २१-२-३२ [illegible] प्रेसिडेंट [illegible] साहब ने [illegible] को आपना [illegible] किया — [illegible] ७-२-३२ [illegible] में [illegible] और [illegible] मंडली की [illegible] और [illegible] समझाया और [illegible] और [illegible] की [illegible] और [illegible] मंडली सौंप दिये - [illegible] में [illegible] मंडली [illegible] और [illegible] समझाया — और [illegible] मंडली की [illegible] समझाये — और [illegible] किया और [illegible] किया — और [illegible] मंजूर [illegible]

२.३.३२
३

२३-२-३२ - हजूरटोली गया - और संध्या को सभा - [illegible] भाई बहेनों
को भावनगर मे ८.२.३२ को [illegible] और अहिंसक रीतिसे समझाया
और [illegible] को लिये समझाया - स्त्रीयों ने संघ
भी किया —

२४-२-३२ - [illegible] में [illegible] किया - और [illegible] में [illegible]
[illegible] किया - वो नाईबाइयों को समझाया - [illegible]
[illegible] नाईबाइयों [illegible] था - नाईबाइयों ने [illegible] अपने मंडल [illegible]
[illegible] हमारे [illegible] हुआ - और ईश्वर
अपनी दया हम पर प्रगट करके दूर देशों के लोगों को हमारे पास
भेजके हमारा उपकार किया - इसलिये हमें तो [illegible] आपने साथ
[illegible] के लिये आपने [illegible] मुखियों का स्वागत
और आपने मंडल [illegible] बहनों [illegible]
[illegible] - [illegible] और
[illegible]
[illegible] में [illegible]
है और [illegible] और [illegible]
प्रेम से [illegible] और [illegible] में [illegible]
[illegible] —

२२-२९ - [illegible] के काम में लगा हुआ था —

पढ़ा चन्द्रशंकर शुक्ल

906/32.
F.-3.

29th. February. 32.

Manyawar Padri D. Kujur.

Ap ko bahut Yishusahay! Ap ko malum howe ki ap ka darkhast Executive men pesh ua. Bichar hum ki Am ~~K~~ Sabha jo bulai gai hai, to niyamanusar abhi Padri Johan Toppo Chairman hai. Usne ab lon Church Council ko nahin likha aur janaya hai ki Church Council se koi is Am Sabha ke liye bheja jay. So Officially jab tak Ilaka se bulahat aur newta na howe tab tak jana thik nahin hoga.

Hamon ka paramarsh hai ki ap bhi Am Sabha men sadharanta bhag mat lijiye, par is men ap ki khush hai.

Council dekhne chahati hai ki Ilaka bhi swatantra bhaw se abhi kya kya bolne chahti hai. Church Council apni baton men sthir hai.

Age shubh,

Secretary,

G.E.L. Church.

Europ. Council
Received 26.2.32
Register No. 727
Date ....
File ....
Reply No. ....
Date ....

File

२६/२/३२

3.

श्रीयुत साहबबहादुर वर्क कौंसिल को मेरा बहुत रयासु सलाम होवे आगे हाल आपको मालूम जनाते हैं कि २·३·३२ यहां तुमला इलाका को आमसभा होगा सो बहुत र आरजी निवेदन है कि उस तारीख को कौंसिल के मेम्बरों में से कोई जरूर हाजिर आवे- यहां आग नाना प्रकार की बात होगी विशेष करके कौंसिल को आइन कानून नियम इत्यादि के विषय- और नाना प्रकार की बखेड़ा की बात भी हो सकी है- सो सब बातों का तजवीज करके आमसभा में हाजिर आने की मेहरबानी कीजिये- सभा २·३·३२ को दिन १० बजे शुरू होगी

प्रेमसे·

[illegible]

Church Council
Received 12.2.32
Register No. 689
Date
File 3
Reply No.
Date

12/2/32

श्रीयुत मान्यवर पिटर बाबु ओ पादरी युवेल लकड़ा को मेरा बहुत २ यीशुसहाय

आगे हाल में आपलोगों को जनाता हूं कि ता: 8.2.32 गुमला हाता में बाबु [illegible] बाबु रविलाल तिरकी बाबु रूपरक्षक लकड़ा बाबु योहन मिंज बाबु रुयालियुस लकड़ा बाबु शांतिप्रकाश [illegible] आदि मिलके युसुफ को बिना जनाये, बिना सलाह, बिना इजाजत हाता में जुलियुस को तरका मानो के लिये पंच बैठाये। उसमें मिसस हेन्स और लोगों को भी बुलाये — और यह सुना है कि चार मिये कि उसका मंडली सभा उठाया जाय तो [illegible] परते मिल जायेंगे अर्थात मिलाने के लिये मंडली सभा उठाने का यत्न करते हैं उसमें मिस हेन्स और मिस्टर ठाकुर आदि इसको बिपरीत जोर देते लेकिन [illegible] मंडली के आदमन के विश्वास नहीं करना चाहिये आदमन को मालूम कि मंडली बहुत होना चाहिये पकड़ेरलोग उनका बातों को नमान के जुलियुस को मंडली सभा को उठाने के फिकर में लगे हुए थे — मंडली सभा उठाने में कई भीतरी बात भी है —

१- आपलोगों को मालूम होवे कि क्यों [illegible] कइबार गुमला आया और जुलियुस परेशान करने लगे मैं बहुत यत्न किया कि जुलियुस समझाया बुझाया जाय क्योंकि वह बड़ा जोर से — इसलिये मैं बाबु रूपरक्षक लकड़ा के पास गया और उसे आरजू किया कि जुलियुस आपके पास आते जाता है आप उसको समझाये तब जवाब में मुझ को बोला वह हम सभी बात को नहीं मानता है। बाद सोमिस्टर रावेल के पास गया कि जुलियुस आपके पास आना जाना है सो आप उसको समझाये जवाब में मुझ को बोला कि मैं तो दूसरे मिशन का आदमी हूं वह मेरी बात नहीं मानेगा। तब मैं उसे कहा कि आपलोग उसे ऐसा एकमत का व्यवहार कीजिये कि वह मालूम करे कि मेरे मंडली विश्वास [illegible] से अप्रसन्न हैं पर वह इस बात को नहीं माना आता जाता है उसको भी [illegible] समझे हैं — मैं इन्सपेक्टर लोन्हस के पास गया और उसे आरजू किया कि जुलियुस आपके पास आता जाता है कि आप उसको समझाये जवाब में बोला मैं एक बेर उसको समझाया तब से मेरे पास नहीं आता है पर देखने आता है कि किनने उसे घर में रक्खा [illegible] एक साथ होता था — मैं योहन मिंज के पास भी जाके उसे आरजू किया कि आप उसको समझाइये जवाब में बोला कि वह आदमी आदर्श नहीं है जहां तक होसके मैं समझाऊंगा। — परन्तु वह गया समझाने को क्योंकि उसका ढंग [illegible] है कि जुलियुस का नोटिस फिरालिया और प्रचार लाया कि [illegible] एकमतका मंडली खड़ा होता है। जुलियुस की ओर से और जवान [illegible] में

फुकियुस कि जो पाठ्य पढ़ देगा उसी का नोटिस लगाये है मनो को आज्ञान तारिख में
उसको पास हाजिर होना चाहिये — इसे देखा जाता है कि समझाने को शब्द उसको
भूल देता है — अन्त में मुझसे आहाम नाचने वाले लडको लडकियों सारे दिन
बिना सका हूं इसी में वह रंज होके अलग निगाह करता है — मैं इसका पंचहो में
हेडमास्टर को बोले कि तुम फुकियुस को समझाओ वह तुम्हारा सका है वह
बोला मेरा अपना... है मैं उसको समझा नहीं सकता हूं। — शांति प्रकाश
बहुत आइना... लोगों को पास बोला कि फुकियुस का मत ठीक है पर वह अपने
मत में स्थिर होगा तो ठीक होगा — फिर समय उसको समझाने बुलाने को था उस समय
तो आप... पर भी नहीं समझाये पर सोवार उसको भूल देते थे —
फिर से उसका साथ चालीस उन्हों बड़े लोगों से बढ़ गया —

असल बात वो है कि इन्हों बड़े लोगों के भूल हो से फुकियुस का पूरा
आम बदला गया — वे सोवार उसको साथ देते थे — बाहर मुंह से दूसरा बोलते थे
मानो कि हम उसको राय में नहीं है — क्योंकि पहिले उन्हों को सका हूं सो अलग निगाह
सुख हुआ — पीछे से मजा खुलता है — वे खूब जानते थे कि फुकियुस मंडली बाहर
है तो भी उसको पिसुस लाय हाथ मिलाके करते संग बैठ के खावे पीवे हेल मेल रखते
मैंने थोड़ा आप लोगों को पहिले ही बताया था कि कुंवर बाबु राजेश्वर बाबु मोहन बाबु
हेडमास्टर शांति प्रकाश पुरा उसको राय में हैं और उसको भूल देते हैं। यदि
इन्हों बड़े लोग उसको डरते — संगतिन होंरखते साथ मिलाके पिसुस लाय नहीं
करते और संग नहीं बैठते उठते — खुला ताला खुन करते न रखा तो मिते तो बल
जल्दी से अपने आयत को छोड़ देता — और बेबस होके सत् फिर जाता — और
पश्चाताप करता — आज सो भी आप में वही लोग उसको बढ़ाये — और आप से
तब उसका वरम आस्था होके उसको पाप ढांपने को दिन दे मंडली सदा उठाने
का प्रयत्न करते हैं। यह निश्चय करुं तो है खराब हुआ पड़ता है — कि वे बड़े लोग
भी उसके साथ हो के दोषी का ढांपने का आदि शिक्षा करते हैं और उसको मानलेने
इलाका करने को आदि शिक्षा करते हैं। पर मानलेने को किये नहीं समझाते हैं क्या हो
अच्छी बात होती कि वे उसको मानलेने को किये अच्छी तरह से समझाते
यीशु के पहिले और आज ऑर को शिक्षा करें। ... और करते तो उन्होंसभी होते
वे पहिले ठीक उत्तम बलान को चेष्टा किये और आप सो दोष ढांपने को चेष्टा करते
हैं यदि उनमें सिखलाना सच्चा प्रेम होता तो मंडली में गड़बड़ उठने का मौका नहीं देते
तो सुख ही से बचाने की चेष्टा करते। और आप का सिल को पूछते हैं पर पहिले
को सिलको नहीं पूछते थे। इन में से प्राय सब लोग पहिले आई थी उस के गिरजा में
हाजिर हुए और फुकियुस के पंच पंचायत के लिये अपने घरों में बैठ के उठ के दिये

અગર યદિ કોંસિલ ઉનકી બાતોં પર ધ્યાન દેકે મંડલી સભા બિના વિચારે ઉઠા દેગા તો
મંડલી મેં મારા ગાલ મારહોગા ઔર કોંસિલ કા નિયમ કાનૂન સ્થિર નહીં રહેગા ઔર
કોંસિલ ઔર ઇલાકા પંચ કા અધિકાર બેરુજાવી હોગા તો ગરીબ ઔર અનપઢ લોગોં કા મંડલી
આઇન સે ગલા દબાયા જાયેગા ઔર બડે ઔર શિક્ષિત લોગોં કા બોલબાલા હોને પર સબ
મહાજનો છુટકારા હોગા। સાધારણ લોગ તો ઇસ બાત કો દેખતે હૈં કિ યદિ બાઇબલ બડી
ઔર જ્ઞાનિયોં કે લિયે ઠીક કાયમ રખને કે વાસ્તે કિતની કઠિન હોતી હૈ પર અજ્ઞાનિયોં
કા કોઈ નહીં પૂછતા હૈ બડોં કા દોષ નહીં હૈ ઔર મંડલી સભા મેં હી હૈ પર છોટોં કા
અજ્ઞાનિયોં કે લિયે મંડલી સભા ઠહરાયા ગયા હૈ ઐસા બહુત લોગ બોલને કો અગર સે
શુરૂ કિયે હૈં- ઇસમેં બડે ચોકસી સે ઉનકો દરખાસ્ત કા વિચાર અચાર કિયા જાના
ચાહિયે- બડે ઔર જ્ઞાની હો ઔર અજ્ઞાનિયોં દોનોં કે લિયે મંડલી આઇન હો અગર
ભરોસા ગુજાને સે કોંસિલ પર લોગોં કા વિશ્વાસ ઘટેગા ઔર કોંસિલ કી બાતોં પર
બહુત ધ્યાન નહીં દેંગે-

૨. ૮.૨.૩૨ કી બૈઠક કી રખાસ્ત ... પુલિનુસ કોતરબા સાહબ કે દ્વારા બૈઠાયા ગયા-
વહ દરખાસ્ત ઉનકો પાપ આતા બતલાતા હૈ વે લોગ માનો ઉસકા ઇજ્જત બચાને ઔર ઉસકે
પુરુષાર્થોં કો ઠાયને કે લિયે યત્ન કરતે હૈં। મુઝે મેં આતા હૈ કિ પુલિનુસ હોકે ઉનકો
બચાયા થા કી પુલિનુસ ઉસ સે અગર જો કિયા કિ મંડલી સભા ઉઠાને કો કોશિશ કો કિયે-
ઇસલિયે વે પુલિનુસ કો બાત યા મંડલી કે કાનૂન કો વરખિલાફ અપને વકીલ કા આઇન
ઠહરાકર કે કોંસિલ કે પાસ મંડલી સભા ઉઠાને કો દરખાસ્ત પેશ કરતે હૈં। કોંસિલ કો ખુદ
દેખો કિ વાર બાર કે મંડલી આઇન તોડના નહીં ચાહિયે — બરન અપને નિયમ મેં
સ્થિર રહના ચાહિયે- સચ્ચો ઔર ન્યાય કી બાત મેં ખડા રહને સે કોંસિલ કા ઇજ્જત મેં
બઢાવ હોગા ઔર બઢેગા — મૈં કહતા સો કહતા હું પુલિનુસ કો પરટો સબ નહીં ખોયે જાયેંગે
ઇધર ઉધર યાકે હોંગે તો મુખ્ય હી લોગ થોડે બન હોંગે બહુત લોગ અભી દેખા દેખી
મેં હૈં ઔર બહુત જગહ દેખા સો ગયા હૈ અન્ત મેં મત ફૂટ જાતા હૈ ઔર બહુતોં
કા મન ફિર જાતા હૈ ઇસલિયે લોગોં કો દિલ બહાલના આખિર હોના દરકાર નહીં
હો પર સચ્ચાઈ ઔર કાનૂન કી બાત મેં ઠહરના ચાહિયે-

૩. યહ દરખાસ્ત જો ૮.૨.૩૨ મેં બૈઠી થી આયમિત દરખાસ્ત હૈ કોંસિલ કે
પાસ જાતા હૈ કોંસિલ કે નિયમ કો મોતાબિક નહીં હૈ યહ ઇલાકા પંચ સે ફૂસે
નહીં હૈ ઇસકો વિષય ઇલાકા પંચ ખુદ નહીં જાનતે હૈ। ઇસલિયે દરખાસ્ત નાજાયજ
હૈ વહ કોંસિલ કો સહાયક નહીં હૈ। પુલિનુસ કા મંડલી સભા નિયમ કે અનુસાર ઇલાકા સભા સે હુઆ
હૈ યહ એક આયમી સે ભી નહીં હુઆ હૈ. ઇસલિયે ઉસકો મંડલી સભા ઠીક
રીતિ સે ઉસકો અનુશિત કામ ઔર મંડલી વિરુદ્ધ કો આરસા દિયા ગયા હૈ યદિ
પુલિનુસ કા મન સાફ હૈ તો જરૂર મંડલી મેં અપને દોષ માનેગા યદિ ઉસકા મન

करते हैं और बुरी चिन्ता से भरा हो तो मानना होगा पर जैसा ८-२-३२ की मिटिंग में लोगों को अपने नरकासनों के लिये बनाया वैसा हो अपने नरकासनों को बोझ ढोने के लिये चलावेगा—

४— फुलियुस का पहिला उलटा ज्ञान जो न चलने वाले लड़कों को मारने के बारे है— इन उपरोक्त बड़े लोगों के सलाह से बिगाड़ा गया पीछे से उसकी बात खुल जाती है। सुनने में आया कि उसके पार्टी के लोग कहते हैं कि जब पीछे न चलने वालों को मारा तब हम लोग रहे। के बड़े आदमियों की सलाह से लोग निकाले गये हैं। फिर खूब बाबु रतना होशियार लोगों के मान और बड़ा तकलीफ वाला है वह भी और उसके निकाला जाता है जो भी वह जानता है कि फुलियुस मकान बाहर है और उसको खोलो और पकड़ के चलने तो हर दम उसके निकाले जाते और सिरने धड़ा फुलियुस को देते हैं— ऐसे २ लोग हो लोग उसका फुल बढ़ाया जाता है— फिर हेड मास्टर की रवी हर दम फुलियुस का निकाला जाता जब हेडमास्टर के ऊपर रिपोर्ट हुआ तब से सारे लोगों आती है— इन सब बातों से आप लोग देख सकते हैं फुलियुस को फुल देने हारे उसको मत में स्थिर करते हारे उसको दोष में बढ़ाने हारे बड़े २ लोग ही हैं। बार लोग तो बेकुआ से उसको निकल जाते हैं पर होशियार आदमी जानबुझ के बुरे काम में फंसते और बुराई को सम्भालते हैं और दूसरों को फंसाते हैं—

५— फुलियुस बच्चों से अपना मंडली सभा दूसरी को उठवाता है यदि मंडली सभा उठाया जायेगा— तो पीछे लोगों के सामने— अपना बड़ाई करके बोलेगा— अब हम जीत लिया— है कोसिल को हराया है यदि हमारा दोष होता तो कोंसिल अपने नियम के अनुसार क्यों नहीं उठाता परन्तु मियांजि ने ऐसी किया उठाया है— तब वह अपनी बड़ाई मंडली में फैलावेगा— और लोगों को रखने का उपाय करेगा— तो पीछे की से पीछे का पक्ष और बुरा होगा— जैसा जब वह जनवरी महिना में रांची आके फिर आया तब लोगों के सामने बोलता है हमने कोंसिल को हराया— वह मंडली सभा उठवाने से— लोगों अपने राय में लाने के लिये उपाय निकालता है जैसा सभा उठवाने से— लोगों अपने राय में लाने के लिये उपाय निकालता है जैसा उसकी झूठी बात सुन के उसके पार्टी के लोग भी बोलते हैं बड़े २ आदमी फुलियुस को मानते हैं या दे यों के न मानने से क्या होगा—

६— इन बड़े आदमियों को तो पहिले जिनका मंडली बाहर नहीं है उनको बुझाना चाहिये था— तब पीछे फुलियुस को पकड़ लेते। पीछे फुलियुस का नरकासन करते हैं। जब अकेला निकाला हुआ था उसी समय लोगों निरोध के समझाते— और फुलियुस को भी समझाते और उसको दूर दूर ले तो अपना बुरा मत छोड़ देता पर उसके संग मिलाके पंचैत करके और सुलह दे आते हैं— अभी जब हेड का इरादा किया बड़े २ लोग पीछे ले जाते थे जिनके मंडली के विरोध की बात है उसको खुलासे मना करते तो क्या अब वह ऐसा काम नहीं करता— पर उसको बड़ाई करते हैं और उसके काम से प्रसन्न होते हैं— पर अभी उसका मंडली सभा उठाने का पंचैत करते हैं— इस से बड़ों का मन दशा को बातों में कैसा है सो उनके कामों से प्रगट होता है जैसा किसके मन में है उसके कामों से प्रगट होता है—

७- अन्त में मेरा कहना है आप लोग मत डर जाइये तमाम मत होलिये अपने नियम स्थिर रहिये अपने नियम की सच्चाई वाली में स्थिर रहने सदा के लिये अपने मंडलों को शुद्ध रखेंगे और आप भी स्थिर होने से सदा के लिये मंडलों को अशुद्ध करेंगे - नहीं तो जब २ मंडलों में कोई उलझन मचावेंगे तो कौंसिल को मजबूर होके आधीन होना पड़ेगा और निहायत गंवार आदमी से भी ठोकर खा बात सुनना पड़ेगा — ~~और~~ पर जब स्थिर रहेंगे तो सब लोग जानेंगे कि कौंसिल अपने नियम में और विचार में ~~x~~ स्थिर है तब तो किसी को भी नियम से बरखिलाफ या तरफदारी करने को साहस नहीं होगा —

८ — अगर पुलिसपुस मंडलों में आपन पाँच स्वीकार करके मान लेगा तो और समय उसको उलझान करने को जरा ह नहीं होगा — और उसके परदे को वो अन्य लोग भी चेत करेंगे और किसी समय महज से ऐसे बखेड़ा में नहीं सगिरद होंगे जैसा बहुत जगह देखा गया है — जैसा मोकरा में हुआ था — वे माल कर से ऊपर आ कर खियाल करते थे पीछे गिरजा में मान लिये और कबूलियत भी दिये अभी पुलिसपुस कई मरतबा बुलाता है पर वे नहीं आते न उसके सागिरद होते हैं — इन सब उपरोक्त बातों को सोचिये विचार कीजिये - मैं जो बात देखा आज माया - है सो आप लोगों बताता है — अगर मेरी उपरोक्त बातें कौंसिल में जो चीज जाने के योग्य हो तो कौंसिल में भी विचार कीजिये ——

पादरी प्यारेचन्द्र

२०-२·३२-

८·२·३२ का पं· चेत- चौन्द्रस, राबेल और हेडमास्टर इग्नातियुस और शांतिप्रकाश करकला- इन्सपेक्टर के बारमें पादरी ने गुजाल किये तब बहुतों को नोटिस देके ये चेत कीजिये ——

Rev Makers

For perusal
& return

[illegible]
16/2/52

Petition in original

20

Forwarded to Mr J. Lakra a member of the Church Council, Ranchi, for favour of placing it before the Council immediately for kind and sound consideration

Jms

Received 10.2.32
Register No. 685
Date...
File... 3.
Reply No...

Original ✓ Most Urgent

1/9/32

मन्यवार,

लुथेरान चार्च कौन्सिल के मेम्बरों को हम गुमला लुथेरान भाईयों की ओर से बहुत 2 यीशुसहाय।

आगे आज कल गुमला लुथेरान मंडली की हालत जो है सो आप लोगों को मालूम ही है। अभी हम लोग जो बचे हैं इन सब बातों को देख कर बहुत ही दुखित हैं कि मंडली में इस प्रकार का गोलमाल है औ जिस के वजाह अभी मंडली के कामों में कितनी बधायें हो रही है। हम लोग बहुत ही चिन्तित औ उत्सुक थे औ अब तक हैं कि हम लोग एक ही जांय पर देखने आता है कि इस बात को निपटारा कुछ भी न हुई औ आधे से अधिक मंडली के भाई औ बहिन बिना रखवाले के छोड़ दिये गये जिस के वजह मंडली में गोलमाल बढ़ता ही चला जा रहा है औ मंडली की आत्मिक औ आर्थिक स्थिति खराब होती जा रही है औ हम लोग दूसरे जगह के मंडली के भाईयों के लिये ठोकर का कारण ठहर रहे हैं। इस के अलावे अन्य जाति भी हमों का ऐसी दशा देख कर हमारे मज़हब के बिषय भ्रम में पड़ जाते हैं हाय!! हमों का दुःख औ तकलीफ दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। हमों को प्रभु का बचन स्मरण करना चाहिये, मत्ती १८, ११-१३ "मनुष्य का पुत्र खोये हुए को बचाने आया है तुम क्या समझते हो जो किसी मनुष्य को सौ भेड़ होवें और उन में से एक भटक जायं गी क्या वह निन्नानबे को पहाड़ों पर छोड़ के उस भटकी हुई को नहीं जा के ढूढ़ता है। और मैं तुम से सच कहता हूं यदि ऐसा हो कि वह उस को पावे तो जो निन्नानबे नहीं भटक गयीं उन से अधिक वह उस भेड़ के लिये आनन्द करता है।

अतएव गुमला लुथेरन मंडली के कइएक भाईयों को यह राय हुई कि एक सभा किया जावे जिस में बिचार हो कि कोई उपाय निकाला जाय जिस्से हमारी यहां की पुरानी मडली बनी रहे और हम सब एक साथ एक जगह ईश्वर की उपासना औ सेवा करें। इस कारण ता: ८-२-३२. ४½ बजे साम गुमला लुथेरण यु: पी स्कूल में गुमला लुथेरन मडली की बैठकी हुई जिस में तर्क बितर्क होते हुए सभा के हरएक मेम्बरों की यही राय हुई कि चर्च-कौनसिल से अर्जी किई जावे कि उन तीन जनों की मडली सजा उठा दिई जावे, वजह की मडली इस सजा से पूरी तौर वाकिफ़ नहीं है और उस के नियम के अनुसार नहीं चल रही है। हम में से प्रत्येक को यही आशा है कि ऐसा करने से सब बातों की तरह तय हो जायगी।

इसलिये हम सभों का आप लोगों से हार्दिक प्रार्थना है कि हमारी यह दीन हीन विनय सुनी जाय जिस्से मंडली में एकता बना रहे औ हमों का दुःख दूर हो ॥

आप लोगों का विश्वास्त
गुमला लुथेरण मडली।

1- Chandra Puran Nasri sahu . 2

2 [illegible]

3 [illegible]

4 L. Khalkho [illegible]

5 Michael Kujur

6 Jivan masih Barge

7 Hero Nimmo Kujur Phulwar Toli

8 James Toppo H.D. Pandit P.T. School Gumla

9 Prabhudan Bara, E.T. school Gumla.

10 Naimsukh Lakra E.T. school Gumla.

11. Isahak Kujur E.T. school Gumla

12, Johan Kindo E.T. School Gumla.

13, Eliyajar Dangwar E.T. school Gumla.

14, Robert Tiga Gumla.

15. Masihprakash Lakra. Gumla.

16 Dharmprakash Makka.

17. Julius Tirkey Gumla

18 Patras Kujur. Gumla

19, Helen Lakra Gumla

20 X: Mohan Toppo Mashatoli

21, Premprakash Kujur Gumla

22, [illegible]

23. [illegible]

28 J. Toppo

27 A. Tiga

26

26 মনোহরদাস নাগ

35 Ignatius Lakra

36

প্রফুল্ল কুজুর

27 যাকুব বড়া

28 ক্ষীরোদচন্দ্র কুজুর

37 Shanti Prakash Bakhla

38

প্রভুদয়াল মিঞ্জ

29

ফিলিপ ... বড়া

39 Abraham Toppo

30

প্রভুদয়াল সিংহ

40 Ch...

41 Ph. ...

42 Nauman Khan

43 ...

44 Charles ...

45 John Minj.

31

নির্মল ...

32

অব্রাহাম তির্কী

33

প্রফুল্ল কুজুর

34

মোহন লাকড়া

Church Council
Received 6.2.32
676
3

file ✓

શ્રીયુત માનનીયવર ચર્ચ કૌંસિલ કો મિરા બહુતર ધન્યસલામ હોવે

આગે મૈં કૌંસિલ કે પાસ બાબુ પુલિયુસ કી બાબત ઔર સ્કૂલ [illegible] કો [illegible] દેખા ઔર સુના ગયા હૈ જનાતા હૂં

૧— બાબુ પુલિયુસ [illegible] ગિરજોં કો અપને હલકે મેં લાને કે લિયે ઇન્તજામ કર રહા ઔર અપને પરોં કે લોગોં કો ઉકસાતા હૈ— તા: ૨૪·૨·૩૨ કો વહ [illegible] મેં ગયા ઔર વહાં કો રાત પંચાયત કિયા ઔર વહાં કે લોગોં કો ગિરજાઘર કે બાબત [illegible] સે [illegible] કરને કો રાય દિયા— ઉસકા કહના હૈ કિ પહિલે પ્રચારકો સે લોગોં કો કુછ ફાયદા નહીં હુઆ સો હમ હી લોગ ગિરજા કા [illegible] ઇસ બાત કો માનેગા તો [illegible] ઔર ગિરજા કા [illegible] કરોગો— આગર વહ ન માને તો તુમ લોગ [illegible] બાહર કરોગે ઔર તબ [illegible] ગિરજા મેં પ્રવેશ કરને કો પ્રચારક કો હાથ પકડ કે બાહર નિકાલ દેના— ઔર તબ સે તુમ્હી લોગ ગિરજા કો [illegible] પ્રચારક [illegible]

૨— વહ [illegible] સે ૨૫·૨·૩૨ [illegible] ઔર [illegible] ઔર વહાં લોગોં કો [illegible] ઉપર [illegible] ઔર સે [illegible] સમય [illegible] [illegible] આગાહ કો [illegible] હૈ મૈં [illegible] ઔર [illegible] આગાહ કો [illegible] હૈ ઔર તુમ કો સ્કૂલ [illegible] હુકુમ દિયા હૈ સો તુમ લોગ મંડલી [illegible] મંડલી પૈસા [illegible]— [illegible] આદિ કોઈ [illegible] દેના કુછ [illegible] નહીં [illegible] મેં સ્કૂલ [illegible] સાલ મેં [illegible] રૂપયા [illegible] પૈસા [illegible] મંડલી [illegible] નહીં તુમ્હી લોગ [illegible] ~~[illegible]~~ [illegible] નાગપુર [illegible] કે હાથ મેં હૈ [illegible] હૈ સો તુમ લોગ [illegible] સહાય [illegible] ઉસકી બાતોં પર બહુત ધ્યાન નહીં [illegible] પર કોઈ [illegible] કિયે બિના [illegible] પ્રચારક ઔર બિના [illegible] મંડલી [illegible] ચલેગા.

૩— વહ [illegible] સે [illegible] નોટિસ [illegible] બૈઠાને કે વાસ્તે નોટિસ કૌંસિલ કે પાસ ભેજા ગયા હૈ વહ [illegible] લડાઈ [illegible] સમત ૧૪ [illegible] નોટિસ [illegible] જનવારી ૨૭, ૨૮ કો [illegible] મેં [illegible] સ્કૂલ [illegible]

और हिन्दू पंच मुसलमानों के बारे — पर उत्तर पंजाब में किसान सिक्ख [illegible]
[illegible] ज़ोर पकड़ रहे हैं और इसलिए हिन्दू और मुसलमान ज़मींदारों और पोलिटिकल [illegible]
लीडर भी — ज़मींदारों और पोलिटिकल लीडर [illegible] राय में [illegible]
[illegible] है क्योंकि [illegible] और [illegible] [illegible]
[illegible] और [illegible] [illegible] है —— उत्तर पंजाब में
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] और [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] नहीं [illegible] है —

४– [illegible] [illegible]
[illegible] — [illegible] २१-२-३२ [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] नहीं
[illegible] [illegible] नहीं [illegible]
[illegible] [illegible] नहीं [illegible]
है [illegible] —

५– [illegible] पंच [illegible] — और [illegible]
[illegible] — [illegible] नहीं [illegible] —
[illegible] — [illegible] —
[illegible] — [illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] है — [illegible]
[illegible] नहीं है [illegible] —

६– [illegible] है [illegible]
है और [illegible] २१-२-३२ को [illegible] —
[illegible] है — [illegible] और [illegible]
[illegible] है — [illegible] [illegible] है — इसलिये
[illegible] है कि
और [illegible] बात है —

७– कांग्रेस का २६–२८ को [illegible] मुसलमान और [illegible]
लोग पार्टी प्रचारकों को अपने स्पष्ट रूप से बोलने कि [illegible] बात [illegible] नहीं
सिखाते हैं और थोड़े दिन [illegible] मुँह बन्द करा देते हैं जिससे हिन्दुस्तान
लोग धर्म की बातों में बहुत अनजान हैं और कुछ नहीं जानते हैं —
पर [illegible] मुसलमान [illegible] के लोगों की [illegible]
[illegible] दिया — [illegible] इस बात में [illegible]
[illegible] है — इन सब बातों से देखा जाता है कि [illegible]
[illegible] है —

Church Council
Received 30.1.32
Register No. 651
Date
File 3.
Reply No.
Date

File

A.H. 3/2/32

श्रीयुत माननीय चर्च कौंसिल को

मेरा बहुत २ यीसु सहाय होवे

कौंसिल की कृपा से मुझ को एक नया काम सौंपा गया है मैं धन्यवाद के साथ मंजूर करता हूं —

१ आगे सविनय है कि इन स्टेशनों को छोड़ के और स्टेशनों में कम मौका होने से काम आरम्भ करता हूं ऐसा सिर्फ इन्हीं इन स्टेशनों के नौकरी अपना काम करें —

२- अपने सफर में मुश्किलात हैं स्टेशनों के मंडलीयों के वास्ते चंदा बटोर सकता हूं वा नहीं।

३- इधर उधर दूर आर के स्कूल वास्ते अन्य लोगों वा जातियों से चन्दा बटोरने के वास्ते एक विनयपत्र बना के दिया जाय कि जहां तहां जा के कुछ चन्दा जो बटोर सकूं —

प्रेम से पादरी दाऊद कपूर

Church Council
Received 25.1.32
Register No. 634
Date 22.1.32
File 3
Reply No.
Date

File 25/1/32

[illegible] 22.1.32

[illegible]

[illegible]

1. हमने 18.1.32 को डॉक्टर साहब से मुलाकात [illegible]

[illegible]

2– [illegible]

[illegible]

Church Council
Received 25/3/3..
Register No. 634
Date 22-3-37
File
Reply No.

[illegible]

[illegible]

J. Kujur

Church C
Received: 18.1.32
Register No. 617
Date........
File... 3
Reply No..........
Date..........

18/1/32

File 2

श्रीयुत माननीय चर्च ऑव सिलन को मेरा बहुत २ [illegible] होवे मैं आप लोगों को जनाता हूं कि मैं यहां के प्राचीन से जो बातें वह बताया कि इसमें विशेष कर के जवान [illegible] लोग फुलिमुस वालु के [illegible] हारे हैं उनका विशेष कारण कि [illegible] किया जाता है— जब रामन को बात के लिये महात्मा चर्च ऑव सिलन इलाका पंच पादरी प्रचारक अपना कर्तव्य काम करते हैं और उसके कारण कितने लोग संसारिक राग रंग को लिये ख्रिस्त के धर्म से अलग होते हैं और अपने पुरोहित मंडलों में [illegible] करते हैं ऐसों को [illegible] किसी प्रकार का साहस दिया जायेगा और ऐसे लोगों की बातों पर ध्यान दिया जायेगा तो ख्रिस्त का सच्चा धर्म लोप हो जायेगा और ख्रिस्त का सच्चा धर्म [illegible] का धर्म [illegible] मंडलों में [illegible] दिनों दिन बढ़ता जायेगा और ऐसे लोग घमंड से फूल जायेंगे और हाहाकार करते हुए तमाम [illegible] करेंगे कि हमारी जीत हुई और फुलिमुस का मतलब पूरा हो जायेगा— और लड़ाई में उसकी जीत होगी. इसलिये इन सब बातों पर विशेष ध्यान देना चाहिये— नहीं तो महात्मा चर्च ऑव सिलन और इलाका पंच पादरी प्रचारकों को आइन्दा [illegible] सलाह समत- मानी नहीं जायेगी ——॥.

फुलिमुस बाबु अपना रास्ता निकालने के लिये स्व धर्म [illegible] की पकड़ के मंडली की ईश्वर के राज्य के राज्य के [illegible] काम करते आता है यदि उसके मन में ख्रिस्त की सच्ची भक्ती वो ख्रिस्त का सच्चा प्रेम होता तो अपने धर्म के कामों से मंडली को बिगाड़ने की चेष्टा नहीं करता वह मुंह से तो बोलता है कि मैं [illegible] ख्रिस्तान हूं किसी प्रकार से [illegible] ख्रिस्तान का चिन्ह उसमें नहीं पाया जाता है— मैं आप लोगों को सफाई से जनाता हूं कि ऑव सिलन जरा सा भी उसकी बातों को सोचा कि अगर [illegible] वो मंडली को [illegible] होगी वह तो किसी प्रकार से ऑव सिलन से जबरदस्त [illegible] है वह बड़े चतुराई से लोगों के द्वारा अपना काम निकालता है मंडली से [illegible] के द्वारा— आप सो ऑव सिलन को राय में लाने की कोशिश करता हुआ है क्योंकि दिहातों में [illegible] है कि ऑव सिलन उसको मत को ग्रहण करता है— इसलिये खूब चौकसी से उसकी बातों को ध्यान देना चाहिये— और उसके मत पर जरा भी नजर नहीं करना चाहिये- उसके साथ [illegible] और सलाह समत [illegible] नहीं है— इतना विश्वास कीजिये कि सब को सब नहीं [illegible] आप से [illegible] डवाडोल होता है

आपने सच्चाई को मन में हमेशा स्थिर रखा रहना चाहिये आप लोग लालपीत
से काम नहीं निकाल सकोगे चोर का घर को देखिये चुपचाप रहने से
आप से आप मिट जायेगा जैसा सोते हुए बाघ का सांप को छूने से
जहर का काटने को किसी दूसर ऊपर छोड़ता हो। वैसा ही जुलियुस
और उसके मुख्य पदों के लोगों से हेलमेल संगति किया हो चपाटे
करने से वे समझते हैं कि अब हमारे राय में आ रहे हैं — मैं बहु
बरस से इसी जगह काम करता आता हूँ पर साल प्रचारक का मंडली
विश्वासियों की परमात्मा स्वाही प्रचारक है वे विस्तार सदैव को
की समय उलट हुए - यदि किसी का मन संसारिक वस्तुओं में लगा है
उसको कोई सूरत से जबरदस्ती मंडली में नहीं रख सकते हैं —
पर वे आपका विरोध करके अपना मुआफिकों का उत्तम जान हैं
यदि सबलोग आपने सच्चाई में स्थिर होके भलाई से बुराई को जीतेंगे
तो जो मन के चाहने हारे हैं निश्चय नहीं मानेंगे पर बुराई के बदले
हारे भलाई को समान रहेंगे - इसलिये हम उदास न होवें - प्रभु का इसमें
कोई विशेष मतलब होगा जो इतने समय तक आने देता है ———

हमने मजिस्ट्रेट साहब के पास उसके साहब पन्नालाल
का वर्णित लिख के दे दिया हूँ उसके हुकुम अनुसार और उसमें
लिखा था हूँ कि उसका मन वे से जल्दी र बातों में छोड़ता है
वे बोलते हैं कि उसका मेंड स्थिर नहीं है इसमें अरजी किया हूँ
कि कोई तरह से इस को शांत कीजिये वह प्रतिज्ञा किया है कि मैं
जरूर शांत कर देऊँगा. वे गोमा में लोगों के दिलों से समाचार
किये हैं जिसमें ऐसे बातों का जाँच किया जायेगा जिससे
कि सो प्रकार है कि जन के कोई किसी को असन्तोष न होवे-

मैं आपलोगों से अरजी करता हूँ कि एकबेर जैसा मेरा पहिला
अरजी था- पादरी मुलाकात करके बाहर समझावे और
मुख्य लोगों बुलावा नहीं है- सो मेरी अरजी इस बार के
तौन जनों को लीजिये उनमें से एक जरूर मुलाकात होना
चाहिये-

प्रेम से

[illegible]

Church Council
Received ...
Register No. ~~219~~ 18132
Date ...
File ...
Reply No. ...
Date ...

Church Council
Received 11.1.32
Register No. 606
Date 8.1.32
File 3
Reply No.
Date

Acknowledged with P.C. on the 12th Jan. 32.

Chainpur
8-1-32.

[illegible]

[illegible] 11/1/32

The Secretary
Church Council
Ranchi.

Manyawar Secretary ko mera yishusahay.

Age mere likhne ka surat aisi hai ki yahan Latto Samkona ka Suleman jo abhi yahan apne ghar men hai karib 6 ya 7 bars hue ki wah assam taraph Tea garden men kam karta tha, udhar hi wah ek R.C. mission ki larki se ham logon ke mission men sadi kiya tha udhar se jate wah apna ghar aya tab kuchh din tak we donon ek sath the. Ek bar wah larki apna ghar yane Rengari chali gai. Aur larki ke mata pita us larki ko ek R.C. mission ke larke se sadi kar diye. Sadi ke bad wah larki kuchh din apne naye purush ke sath thi aur tab phir we donon (larki aur R.C. mission ka larka) donon assam bhutan taraph chale gaye. aur malum nahin ki we aj kal kahan rahti hain.

Ab bat yah hui hai ki yah larka jo hamon ke mission ka hai sadi ke liye bandobast kar-chuka hai. aur in sal men sadi bhi chahta hai.

So main ab council se yah janna chahta hun ki aisi larke larkiyon ka sadi ho sakti hain wa nahin. Mere bichar men ata hai ki aison ka sadi ho sakta hai. So meherwani karke iska jabab jaldi se mujh ko likhye ki uska sadi hona chahiye wa nahin.

2

I hear that the President already advised these people to marry.

ap ka
A. John.

720/31.
F.- 3.

12th. December, 31.

Manyawar Padri Daud Kujur ko bahut bahut Yishusahay!

Ap ke 2 Post Card mile aur ap ka Report bhi Chaha ke sambandh ka mujhe mile jo Karyyakarak Sabha men pesh huwe.

Ap ko main janata hun ki 8,9 tarikh men Gumla ki bat par bahut gambhir bichar kiya gaya aur abhi yahi sthir hua ki wahan mel aur kushal phir se sthapit karna chahiye jiske liye ab Council ka President bheja ja raha hai. Wah anewale haphte men ap logon ke pas pahunchega. President aur Mr. Prehn saphar gaye hain Somwar tak laut awenge. Council Julius party ko aur ap ko bhi ek mel aur ray men lane ki chinta aur parishram karegi jisten mandali men golmal na barhe.

Shanti Prakash Bakhla master ka darkhast aur ap ka report bhi yahan uske bare a pahuncha hai. Phaisla jo hoga ap ko sunaya jayga.

Ap ka shubh chintak

Secretary,

G.E.L. Church.

Church Council
Received 9.1.32
Register No. 88
Date 23.12.31
File 3
Reply No.
Date

9/1/32

श्रीयुत माननीय चर्च कौंसिल को मेरा बहुत २ यीशु सहाय होवे—

मैं दीनताई से आप लोगों को जनाता हूं कि पुलिनुस का काम उसके कई कामों से बढ़ती जाती है अर्थात उन्नति समाज और वेतन के और रोजगार के काम से— और रोजगार का काम तो सरकार से सम्बन्ध रखता है उसको एकदम से रोकना बहुत कठिन होगा। पर उन्नति समाज के काम को रोकना शायद आवश्यक बात होगी क्योंकि उसे रियासतों का अधिक सम्बन्ध होता है क्योंकि इस डिविजन में अधिक रियासतान लोग हैं जिससे दूसरे २ इलाकों से उसको संगति वा हेल मेल होने न पावे अगर वह दुमका डिविजन में उन्नति समाज का काम करता है वह इस डिविजन में समाज की ओर से चेयरमैन ठहराया गया है। जिसे निज इलाका वा दूसरे २ इलाकाओं से लोग उसके पास आते जाते संगति वा हेलमेल करते हैं और वह सहज से अपनी बात वा विचार उनके मनों में बीज के समान बोता है और लोग उसकी झूठी बातों पर ध्यान लगाते हैं। इसलिये कौंसिल से बहुत २ अरज विनय है कि राय साहब बन्धेराम कौंसिल में बुलाया जाय और उससे बातचीत करके पुलिनुस को उस काम से अलग किया जाय— और जो कुछ वस्ता(?) उसको दिया गया है उसे ले लिया जाय और उसके बदले आसनी के सावना ओहदार वा है किरिन्या के पतिराम को उन्नति समाज का काम सौंपा जाय क्योंकि वे दोनों भी इस डिविजन में बड़े नामी और होशियार आदमी हैं और लोग उनकी बातों को मानते और उनकी सलाह पर चलते हैं।

उन्नति समाज असल करके रियासतों ही से अधिक फैलता और मजबूत होता है पर जहां संताल विरोधक लोग उन्नति समाज के कारिन्दे होंगे वहां साथ २ बुरा बीज भी बोने का पका आवश्य होता है। इसलिये इन सब बातों का विचार किया जाय ऐसा न होने से और २ इलाकाओं में भी पुलिनुस का बुरा बीज फैलते जायेगा—

दाऊदपुर—

२३.१२.३१

Church Council
Received 9-1-32
Register No.
Date
File 3
Reply No.
Date

9/1/32

श्री युक्त महा मान्यवर चर्च कौशल को मेरा बहुत२ यीशु सहाय

आगे अर्ज गुजारिस ऐसा है। के लाद आमकोना का सुलेमान ताना जो आसाम जा के रेंगाड़ा के रोमन मिशन के लड़की से शादि किया था आसाम से फिर के वह लड़की रेंगाड़ा चली गई। और वह लड़की एक रोमन लड़का से शादि हुए। शिल साहेब ने सादी कर दिया - चर्च कौंसिल में मैं लड़के के सादी के लिये दरखस्त दिया था पर अब तक कोई जाबब नहीं मिला - मैं प्रेसिडेन्ट से पुछा। तब वे बोले के लड़के का शादि कर दीओ। मैं उस लड़के के लिये कन्या खोजा - और बचन दत्त के लिये पुरा प्रसाद प्रदि बाबु के पास गया। पर वह बचन दत्त नहीं दिया - वह बोलता है के कौंसिल से चिट्ठी लाओ - तब हम बचन दत्त और शादि देंगे -

सो मेरा अर्ज के शादि और बचन के लिये पुरा प्रसाद [illegible] से [illegible] होता जाय - मैं अब ही शादि -

[illegible] हुआ कि वे साथ रहिये लोग - इस जवान सुलेमान की स्त्री अपने से ब्याह हुई [illegible] ब्याह होना चाहिये आशा कि वह स्त्री तो बिदा की गई - वह किसी सूरत से [illegible] है - तो इस विचार के लिये कोई [illegible] नहीं किया जाय —

[illegible signature]

... से पूर का वह लड़की रंगाट्ट चली गई। और वह लड़की एवं रोमन लड़का से शादी हुई। शिल साहेब ने सादी कर दिया - चूंकि कौंसिल में मैं लड़के की सादी के लिये दरखास्त दिया था पर अब तक कोई जवाब नहीं मिला - मैं प्रेसिडेन्ट से पुछा। तब वे बोले के लड़के का शादी कर दीजो। मैं उस लड़के के लिये कन्या खोजा - और बचन दत्त के लिये पुत्र प्रसाद प्रसादि बाबु के पास गया। पर वह बचन दत्त नहीं दिया - वह बोलता है के कौंसिल से चिट्ठी लाओ - तब हम बचन दत्त और शादी देंगे। -

सो मेरा अर्ज के शादी और बचन के लिये पुत्र प्रसाद प्रसादि बाबु के नाम से खत भेजा जाय - मैं सब ही शादी का जोगाड़ कर चुका हूं - अगर अब ही शादी न दिया जाय - तो बड़ा गड़बड़ होगा और मैं भारी खर्च में पड़ुगा - इसलिये हुजुर से अर्ज बिन्ती है कि यह उपवास काल के पहिले शादी का हुकुम फरमाया जाय। ✓ —

आइन्दे हुजुर मालिक हैं

आप का दास दासिरल एक्की

ता० ६-२-३२ | लाडु डाइजेबी

[illegible]